

वार्षिक प्रतिवेदन Annual Report 2020 - 2021





वार्षिक प्रतिवेदन 2020-21



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान

National Innovation Foundation - India

Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India





प्रस्तावना

डॉ. पी.एस. गोयल

अध्यक्ष

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पिछले डेढ़ वर्षों में कोविड-19 महामारी ने हमारे देश एवं बाकी दुनिया के लिए सदी की सबसे बड़ी चुनौती पेश की है। रानप्र ने महामारी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के समाधान के लिए नागरिकों की रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए कोविड-19 चैलेंज प्रतियोगिता (C3) का आयोजन किया। नागरिकों ने बड़ी संख्या में अपने नवाचारों के साथ चुनौतियों का जवाब दिया। सहगामी इन्क्यूबेशन सहयोग के परिणामस्वरूप कुछ को जल्दी से लागू किया जा सका, यह तब कि जब देश लॉकडाउन का अनुभव कर रहा था।

‘आवश्यकतानुसार खड़े होना एवं समय की आवश्यकता का माकूल जवाब देना क्या है’ तो मैं अवश्य कहना चाहूँगा कि यह कोविड -19 महामारी के दौरान रानप्र द्वारा दी गई सार्वजनिक सेवा को परिभाषित करता है। महाराष्ट्र राज्य से कोविड -19 से संबंधित स्वदेशी स्वच्छता तकनीक में से एक का उल्लेख भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने राष्ट्र के साथ अपने मन की बात कार्यक्रम में किया था।

रानप्र के लिए वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों में से एक माननीय केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा नवप्रवर्तन पोर्टल का शुभारंभ था। रानप्र ने पोर्टल में 1.15 लाख नवाचारों की विशाल सूची दर्ज कर देश के सभी नागरिकों और बाकी दुनिया के लिए नवाचारों का लोकतंत्रीकरण किया। यह एक बहुत शक्तिशाली संदेश देता है कि भारत हमेशा प्रौद्योगिकी का प्राप्तकर्ता नहीं रहा है। रानप्र द्वारा दर्ज किए गए लाखों उदाहरण, जहां एक तरफ शेष दुनिया के लिए घरेलू तकनीक का एक स्रोत हो सकती है, तो वहीं छात्र प्रौद्योगिकी तैयारी स्तर (टीआरएल) में सुधार और उन्हें बेहतर बनाने की चुनौती के रूप में ले सकते हैं। इसके साथ ही एमएसएमई अपने क्षेत्र में विशिष्ट अनुप्रयोगों के लिए इन नवाचारों को अपनाकर उनके निर्माण करके के जरिए अपने उत्पाद प्रोफाइल में सुधार कर व्यवसाय को बढ़ा सकते हैं। वैज्ञानिक और शोधकर्ता आगे की शोध के लिए प्रोजेक्ट्स की पहचान कर सकते हैं।

इसकी क्षमता इतनी बड़ी है कि उपयोग के मामले अंतहीन हो सकते हैं और सभी के द्वारा अच्छी तरह से उपयोग करने की आवश्यकता है। यह अंततः इन नवाचारों के मूल विचारकों को सशक्त और प्रोत्साहित कर नवाचार की संस्कृति को मजबूत करेगा। रानप्र इन्हें आगे बढ़ाने के सभी प्रयासों के समर्थन करने के लिए तैयार रहेगा।

बदलते समय में प्रासंगिकता बढ़ाने के लिए इस वर्ष एक और मील का पत्थर रानप्र के अधिदेश का विस्तार करना था। रानप्र ने परंपरागत रूप से तृणमूल नवाचारों पर ध्यान केंद्रित किया है, हालांकि आधुनिक दिनों में जमीनी स्तर के लिए नवाचारों पर समानांतर ध्यान देना उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि समग्र नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया जा सके, जो कि भारत के लिए एक नेतृत्व का क्षेत्र है। यह रानप्र के लिए नए अवसरों में तब्दील होगा क्योंकि वह समाज के बड़े लाभ के लिए जमीनी स्तर के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के लिए नवाचारों को समर्थन देने में सक्षम होगा। मुझे उम्मीद है कि इस तरह के अधिदेश का विस्तार रानप्र को प्रौद्योगिकियों के आपूर्ति पक्ष में देश के लिए नवाचार फ़नल में अधिक परियोजनाओं को जोड़ने और आम लोगों की कई अधूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक नवीन समाधानों के लिए सशक्त करेगा। इससे बाद के वर्षों में बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित होंगे, क्योंकि स्रोत, डोमेन और समर्थित नवाचारों की समग्र संख्या पहले से कहीं अधिक होने का अनुमान है।

मैं उन सभी पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ जो नवाचारों का समर्थन करते हैं और आशा करते हैं कि हमारा देश आने वाले महीनों में महामारी से उबर सके।

शुभकामनाओं के साथ,

पी एस गोयल



निदेशक का संदेश

डॉ. विपिन कुमार

निदेशक और मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

वर्ष 2020 के दौरान महामारी कुछ ऐसी चुनौतियां लेकर आई, जिसे इससे पहले कभी देखा नहीं गया था। रानप्र ने उनमें से कुछ चुनौतियों को अवसरों में बदलने का प्रयास किया, जिसे वह कर सकता था। कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3) एक ऐसा ही उदाहरण था, जिसमें देश के सभी हिस्सों से सराहना मिली। रानप्र ने समय-समय पर आवेदनों का मूल्यांकन करते हुए तीन महीनों तक आशाजनक प्रोजेक्ट्स के विकास तथा क्रियान्वयन के लिए समर्थन करता रहा। उसमें से कुछ को लागू करने में भी कामयाब रहे। इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए रानप्र ने सिलिको अध्ययन के जरिये कोविड -19 के हल्के व मध्यम मामलों के इलाज की क्षमता वाले एक हर्बल फॉर्मूलेशन की पहचान की। वह अब नैदानिक परीक्षण के चरण में है और हम आशा कर सकते हैं कि आने वाले वर्षों में कोविड -19 से निपटने के लिए एक स्वदेशी हर्बल उपचार हमारे लिए उपलब्ध हो सकता है।

महामारी के कारण लगे लॉकडाउन की वजह से रानप्र टीम को “वर्क फ्रॉम होम मॉडल” पर जाना पड़ा और टीम ने कार्य और प्रतिपादन की नई वास्तविकताओं के साथ खुद को जल्दी से जोड़कर इसका जवाब दिया। हालांकि, लॉकडाउन और कई प्रतिबंधों के कारण जमीनी स्तर पर फील्डवर्क बाधित हुआ है। इसके बावजूद भी रानप्र के प्रत्येक कार्य क्षेत्र में आईसीटी उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करके बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है। कई नई प्रौद्योगिकियों के प्रोटोटाइप को विकसित तथा व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। इस दौरान कुल 66 पेटेंट को स्वीकृति मिली और संस्थान ने किसानों की विकसित उन्नत किस्मों का विभिन्न स्थानों पर ऑन-फार्म परीक्षण कर देशभर के किसानों के साथ जुड़ाव जारी रखा। रानप्र ने देश भर के शिक्षकों को इंस्पायर अवार्ड्स-मानक योजना के बारे में अवगत कराने के लिए एक व्यापक अभियान चलाया, जिसमें लगभग चार महीने की अवधि के दौरान विचारों एवं नवाचारों को प्राप्त करने के लिए 40,000 से अधिक लोगों तक पहुँचा और सफल परिणाम के रूप में पहली बार छात्रों से कुल 6.53 लाख विचार प्राप्त हुए।

रानप्र ने 2019 में नवाचारों का एक ऑनलाइन पोर्टल बनाना शुरू किया था। इसमें पिछले दो दशकों में रानप्र के द्वारा बनाए गए तृणमूल नवाचारों के ऑफ़लाइन डेटाबेस से नवाचारों को शामिल किया गया। डेटा की प्रविष्टि और कई स्तर की जाँच तथा सत्यापन के साथ पोर्टल को बनाने करने के लिए कठिन प्रयास किया गया। परिणामस्वरूप, जनवरी 2021 में माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ हर्षवर्धन द्वारा पोर्टल को राष्ट्र को समर्पित किया गया।

कार्य करने के लिहाज से कठिन वर्ष में प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते समय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की भूमिका को दर्शाना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसने न केवल रानप्र की पहल का समर्थन किया, बल्कि लोगों की सेवा में संस्था को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए धन का स्थिर प्रवाह सुनिश्चित किया। यह देश के सामने उभरती महामारी की स्थिति के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद हुआ। मैं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर आशुतोष शर्मा और डीएसटी के अधिकारियों को उनकी निरंतर भागीदारी तथा प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ हर्षवर्धन जी का मार्गदर्शन रानप्र को हमेशा उपलब्ध रहा है। मैं रानप्र के नवाचार पोर्टल का शुभारम्भ करने और हमें आगे बढ़ाने के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूँ। मैं रानप्र और हमारे सहयोगी संस्थानों में टीम के योगदान को भी स्वीकार करता हूँ, जिन्होंने महामारी से उत्पन्न कई चुनौतियों के बावजूद अपना कार्य जारी रखा। मुझे उम्मीद है कि स्थिति जल्द ही आसान हो जाएगी और हम सभी एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न मनाने के लिए स्वस्थ रहेंगे।

सभी को मेरी शुभकामनाओं के साथ,

विपिन कुमार

विषय सूची

शासी मंडल	8
वित्त समिति	10
संगठनात्मक रूपरेखा	11
आगे बढ़ते कदम	12
कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3)	13
नवप्रवर्तन पोर्टल का शुभारंभ	16
अनुभागीय गतिविधियां	18
इंस्पायर अवार्ड्स-मानक	31
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	32
नई पहल और साझेदारियां	33
हिन्दी का प्रचार -प्रसार	35
प्रशासनिक एवं वित्तीय मामले	37
प्रकाशन	38
2020-21 के दौरान स्वीकृत पेटेंट एवं पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 के तहत किस्म पंजीकरण	39
वर्ष 2020-21 का वार्षिक लेखा	43

शासी मंडल

अध्यक्ष

1. डॉ. पी.एस. गोयल
पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)

उपाध्यक्ष - सदस्य

2. श्री एन.पी. राजीव
कार्यकारी निदेशक, विभा वाणी, दिल्ली

सदस्य

3. प्रो. अनिल के. गुप्ता
पूर्व प्रोफेसर, आई.आई.एम.-अहमदाबाद
4. प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
अध्यक्ष, ए.आई.सी.टी.ई., नई दिल्ली
5. प्रो. सत्यजीत मजूमदार
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई
6. डॉ. सी. शंभू प्रसाद
सी.एस.ई.ई., ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद
7. डॉ. के. विजया लक्ष्मी
उपाध्यक्ष, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव, नई दिल्ली
8. सुश्री अनुराधा भवनानी
क्षेत्रीय प्रमुख, शेल फाउंडेशन, गुरुग्राम
9. सुश्री लक्ष्मी एन.
ट्रस्टी, गुड कर्मा फाउंडेशन, कोच्चि

पदेन सदस्य या उनके नामांकित व्यक्ति

10. सचिव, डी.एस.टी., भारत सरकार
11. सचिव, डी.बी.टी., भारत सरकार

12. सचिव, डी/ओ स्कूल शिक्षा और साक्षरता, एम.ओ.ई., भारत सरकार
13. सचिव, एम/ओ एम.एस.एम.ई., भारत सरकार
14. सचिव, एम/ओ आयुष, भारत सरकार
15. महानिदेशक, आई.सी.एम.आर., भारत सरकार
16. महानिदेशक, आई.सी.ए.आर., भारत सरकार
17. महानिदेशक, सी.एस.आई.आर., भारत सरकार
18. मुख्य सचिव, गुजरात सरकार
19. वित्तीय सलाहकार, डी.एस.टी., भारत सरकार

सदस्य - सचिव, पदेन

20. डॉ. विपिन कुमार
मुख्य नवाचार अधिकारी / निदेशक, रा.न.प्र.

वित्त समिति

अध्यक्ष

1. डॉ. पी.एस. गोयल
पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES)

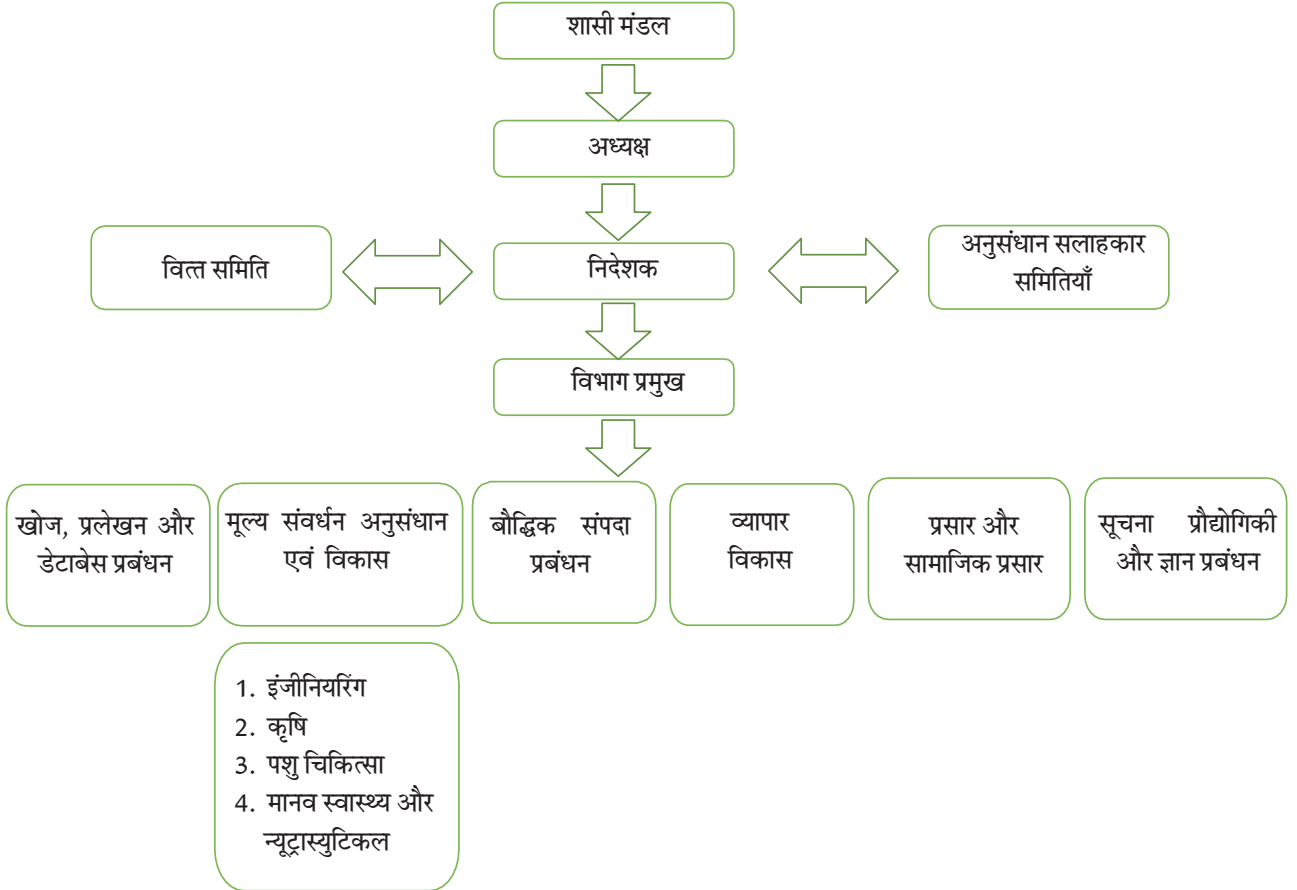
सदस्य

2. प्रो. अनिल डी. सहस्रबुद्धे
अध्यक्ष, ए.आई.सी.टी.ई., नई दिल्ली
3. प्रो. सत्यजीत मजूमदार
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, मुंबई
4. डॉ. संजीव सक्सेना
सहायक महानिदेशक (बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन) आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली
5. श्री विश्वजीत सहाय
वित्तीय सलाहकार, डी.एस.टी., भारत सरकार

सदस्य सचिव

6. डॉ. विपिन कुमार
निदेशक / मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी, रा.न.प्र.

संगठनात्मक रूपरेखा



आगे बढ़ते कदम

वर्ष 2020-21 की शुरुआत कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों और इससे जुड़े हुए अवसरों के साथ हुई थी। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) - भारत द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3) की घोषणा की गई, जोकि महामारी से उत्पन्न समस्याओं के निदान और आम लोगों की रचनात्मकता का लाभ उठाने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन पर आधारित पहली बड़ी पहल थी।

इसका देश के आम लोगों के द्वारा भागीदारी के स्तर पर गर्मजोशी से समर्थन किया गया। इसमें प्राप्त हुए योग्य नवप्रवर्तनों को अपेक्षित इनक्यूबेशन समर्थन भी प्रदान किया गया। इनमें से कुछ नवप्रवर्तनों को व्यापक रूप से स्वीकार कर महामारी से निपटने के लिए कार्यान्वित भी किया गया। इसका परिणाम बहुत संतोषजनक था, क्योंकि एक तरफ जहां महामारी सभी के जीवन को स्पष्ट रूप से प्रभावित कर रही थी, वहीं दूसरी तरफ नागरिकों ने हार नहीं मानी। वह रानप्र के समर्थन से अपनी कल्पना को वास्तविक समाधान में बदलने एवं देश के विभिन्न हिस्सों में कार्यान्वित करने की कल्पना कर सकते थे। अप्रैल 2020 के पहले दो सप्ताहों के दौरान राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बाद दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह रानप्र ने भी वर्ष के शेष भाग के लिए डिजिटल हस्तक्षेप के माध्यम से भारत सरकार द्वारा

जारी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने संचालन में निरंतरता बनाए रखी। इस दौरान कार्यालय से नागरिकों को सार्वजनिक सेवाओं का कार्य भी जारी रहा।

देश की आसन्न जरूरतों को पूरा करने के अलावा रानप्र ने आम लोगों में कोविड-19 से जुड़ी सावधानियों से संबंधित जागरूकता पैदा करने सहित कई अन्य पहल; जैसे किसानों को फसलों के उन्नत किस्मों के बीज प्रदान करना, कम लागत एवं फसलों की रक्षा के लिए टिकारु साधनों के बारे में शिक्षित करना, तृणमूल और छात्र नवप्रवर्तकों को उनके उद्यमों के विकास के लिए क्षमता निर्माण/मूल्यवर्धन या प्रसार के लिए आवश्यक समर्थन प्रदान किया। महामारी में कार्य की सीमाओं का आकलन करते हुए रानप्र ने प्रसार उद्देश्य को पूरा करने के लिए नवप्रवर्तन का एक बड़ा डेटाबेस विकसित करने की एक और बड़ी पहल की। इसके परिणामस्वरूप रानप्र द्वारा विकसित नवप्रवर्तन पोर्टल को 14 जनवरी, 2021 को तत्कालीन माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह आत्मनिर्भर भारत भारत की ओर एक कदम है। यह छात्रों, उद्यमियों, एमएसएमई, टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्क्यूबेटर्स (टीबीआई) और विभिन्न व्यवसायों में लगे व्यक्तियों के लिए एक उत्कृष्ट संसाधन भी है।

कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3)

वर्ष 2020 में जब देश महामारी से उत्पन्न असंख्य चुनौतियों से जूझ रहा था, तब रानप्र ने इसके निदान और आम लोगों की रचनात्मकता का लाभ उठाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3) की शुरुआत की।

कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3) में 31 मार्च, 2020 से 10 मई, 2020 के दौरान देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 360 जिलों से वेबसाइट, ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से 1700 से अधिक विचार और नवाचार प्राप्त हुए। यह प्रतियोगिता जहाँ एक तरफ पांच साल से कम उम्र के बच्चों को तो वही दूसरी तरफ 76 साल के बुजुर्गों के विचारों/नवाचारों को आकर्षित करने में कामयाब रही। सभी ने अपने विचारों के माध्यम से महामारी के खिलाफ लड़ाई में योगदान देने की कोशिश की। छात्रों, किसानों, उद्यमियों, शिक्षाविदों, फैब्रिकेटर, गृहिणी, इलेक्ट्रीशियन, नाइयों, मैकेनिक, टैक्सी ड्राइवरो, आईटी, बैंकिंग और वित्त, रक्षा, कानून, मीडिया और पत्रकारिता, चिकित्सा और फार्मसी, विमानन क्षेत्रों आदि के पेशेवरों की भागीदारी ने इसे और समृद्ध किया। प्रतियोगिता के दौरान प्राप्त विचारों और नवाचारों की श्रेणी और गुणवत्ता ने यह रेखांकित किया की रचनात्मकता सर्वव्यापी है।

प्रतियोगिता के लिए पहचानी गई आठ श्रेणियों; पोषण के लिए स्वस्थ भोजन और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के सम्बन्ध में, कोरोना वायरस के फैलाव को कम करने, जहाँ आवश्यक हो व्यक्ति के हाथ, शरीर, घरेलू सामान और घर, सार्वजनिक स्थानों को सैनिटाइज करने, खासकर अकेले रहने वाले लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और वितरण के संबंध में, घर पर लोगों से लाभप्रद बातचीत के संबंध में, पीपीई (व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण) और स्वास्थ्य सेवा की क्षमता निर्माण के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक परीक्षण सुविधाएं, कोरोना के बाद कार्यान्वयन के लिए संपर्क रहित यंत्रों की आवश्यकताओं, कोविड-19 के दौरान विभिन्न भागों के लोगों की अलग-अलग जरूरतों के तहत विचार और नवाचार प्राप्त हुए थे। कुल 14 राज्यों (आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल) और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर के 22 प्रोजेक्ट्स को परीक्षण और प्रदर्शन के लिए प्रोटोटाइप विकसित करने हेतु वित्तीय सहायता दी गई। समर्थित नवाचारों में से कुछ को सार्वजनिक स्थानों, कॉर्पोरेट प्रतिष्ठानों आदि पर लागू किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम ने यह दिखाया की भारत वास्तव में आम लोगों के विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित नवाचारों के माध्यम से कोविड-19 के खिलाफ लड़



रानप्र के कर्मियों द्वारा वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत महामारी के दौरान 'क्या करें और क्या न करें' पर केंद्रित कोविड-19 जागरूकता पहल की गई।



गुजरात के गांवों में रानप्र द्वारा सभी आवश्यक एहतियाती उपकरणों के साथ कोविड-19 जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

सकता है। कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3) के तहत समर्थित कुछ उल्लेखनीय नवीन प्रोजेक्ट्स का उल्लेख नीचे किया गया है -

(क) ट्रैक्टर संचालित सेनिटेशन स्प्रेयर : महाराष्ट्र के राजेंद्र जाधव के नवाचार ट्रैक्टर संचालित सेनिटेशन स्प्रेयर का उपयोग भवन और सड़कों को 30 फीट की दूरी तथा 15 फीट की ऊंचाई तक साफ करने के लिए किया जा सकता है। सार्वजनिक स्थानों, उद्यानों, सड़कों आदि को साफ करने के लिए सतना और नासिक जिलों के साथ-साथ अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) गुजरात में विभिन्न स्थानों पर स्प्रेयर का सक्रिय रूप से उपयोग किया गया था। रानप्र द्वारा नवाचार परिषद (एसआईसी), राजस्थान के सहयोग से राज्य के जयपुर और टोंक जिलों में सार्वजनिक स्थानों को साफ करने के लिए एक प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था।

(ख) चरणप्रीत सिंह और सुमित मित्तल (हरियाणा) ने कार्टाइन सहायक (मेट) विकसित किया: यह एक रोबोटिक सहायक है जो कि मांग पर रोगी को दवाएं, भोजन और आवश्यक वस्तुओं को परोसने का कार्य करता है।

(ग) दिनेश कुमार और प्रो अमित डिंडा (नई दिल्ली) को स्टेरी O2 (Steri-O2) पर उनके काम के लिए समर्थन दिया गया; व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के परिशोधन तथा कीटाणुशोधन के लिए एक नई और दूबारा प्रयोग की सकने वाली डिस्पोजेबल सामग्री वाले इस तकनीकी का प्रयोग स्वास्थ्य

देखभाल सुविधाओं में, प्रयोगशाला में परिशोधन के दौरान, अस्पताल के वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू और अन्य स्थानों पर किया जा सकता है।

(घ) श्रीशैल पट्टर (कर्नाटक) और हा ताड़े (अरुणाचल प्रदेश) ने कलाई बैंड विकसित किए, जो कंपन/ध्वनि के माध्यम से अलार्म बजाकर चेहरे को छूने से रोकते हैं।

(च) बिशु हैंग लिंबू (सिक्किम) ने वाहनों विशेष रूप से एम्बुलेंस और अन्य वाहनों को साफ करने के लिए एक स्वचालित वाहन कीटाणुनाशक मशीन विकसित की। उस की एक इकाई मेली चेक पोस्ट और दूसरी सिक्किम के एकमात्र समर्पित कोविड-19 एसटीएनएम अस्पताल में स्थापित की गई।

(छ) डॉ आशीष कर्ण (उत्तराखंड) को 'व्यक्ति को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक आरामदायक और वेंटैड स्वदेशी रूप से डिजाइन (कोविड) फैब्रिक हेलमेट' के विकास के लिए समर्थन दिया गया था।

(ज) आशीष राउत (महाराष्ट्र) ने कोविड-19 रोगियों के लिए एक आइसोलेशन बेड विकसित किया, जिससे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आसपास के अन्य लोगों के संपर्क में आने की आशंका कम हो जाती है।

(झ) किशोर कुमारन (तमिलनाडु) का कम लागत वाला पोर्टेबल वेंटिलेटर डिजाइन मोटर द्वारा संचालित पिस्टन का

उपयोग करके कृत्रिम मैनूअल ब्रीदिंग यूनिट (एएमबीयू) बैग के स्वचालित संपीडन द्वारा सांस लेने की सुविधा प्रदान करता है। डिवाइस इनवेसिव और नॉन- इनवेसिव दोनों तरह से काम करता है। यह पूर्ण एवं आंशिक श्वसन खराबी वाले रोगियों के लिए उपयोगी है।

(ट) प्रवेश मेहता (महाराष्ट्र) ने एंडोट्रैचियल इन्व्यूबेशंस, सक्शनिंग और स्वैबिंग में कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए अग्रणी पंक्ति के कर्मियों की सुरक्षा के लिए एक एरोसोल बॉक्स विकसित किया।

(ठ) दीपेंद्र (दिल्ली) ने प्रॉक्सिमिटी ब्रेसलेट पर काम किया, जो सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखने में मदद कर सकता है।

रानप्र ने न केवल कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया, बल्कि अपने वैज्ञानिक सामाजिक उत्तरदायित्व के हिस्से के रूप में गुजरात के गांधीनगर में कार्यालय के आसपास के गांवों में कोविड-19 जागरूकता शिविर भी आयोजित किए। यह गतिविधि सभी आवश्यक एहतियाती उपकरणों जैसे फेस शील्ड, फेस मास्क, दस्ताने, पूरी तरह से ढके हुए कपड़े, सैनिटाइज़र आदि के साथ की गई थी। जागरूकता गतिविधियों के दौरान कोविड के दौरान क्या करें और क्या न करें की जानकारी देने के साथ किराने की दुकानों, पंचायतों, डेयरी, केंद्र, बीज वितरण केंद्र, पशुपालन केंद्र, धार्मिक स्थलों आदि पर प्रसार सामग्री का वितरण किया गया और बरती जाने वाली सावधानियों- सोशल डिस्टेंसिंग, हाथ धोने, मास्क आदि के बारे में शिक्षित किया गया।



गुजरात के गांवों में रानप्र द्वारा सभी आवश्यक एहतियाती उपकरणों के साथ कोविड-19 जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

नवप्रवर्तन पोर्टल का शुभारंभ

रानप्र द्वारा विकसित नवप्रवर्तन पोर्टल को 14 जनवरी, 2021 को तत्कालीन माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह नवप्रवर्तन पोर्टल (www.innovation.nif.org.in) आत्मनिर्भर भारत की ओर एक कदम है और छात्रों, उद्यमियों, एमएसएमई, टेक्नोलॉजी बिजनेस इन्व्यूबेटर्स (टीबीआई) और आम व्यक्तियों के लिए उपयोगी है। यह पोर्टल वर्तमान में चार श्रेणियों इंजीनियरिंग, कृषि, पशु चिकित्सा और मानव स्वास्थ्य के तहत लगभग 1.15 लाख नवप्रवर्तनों का संग्रह है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. हर्षवर्धन ने देशभर में नवाचार आंदोलन को आगे ले जाने और सक्षम नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए माननीय प्रधान मंत्री को श्रेय दिया। उन्होंने उन नवप्रवर्तकों की सराहना की, जिन्होंने अपनी रचनात्मकता और नवप्रवर्तनों के माध्यम से विभिन्न चुनौतियों का सामना किया। माननीय मंत्री ने उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान, विशेष रूप से हर्बल पद्धतियों के बढ़ते महत्व पर जोर दिया, जो हमारे आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में हैं और बड़ी संख्या में पोर्टल में परिलक्षित भी होते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 'सर्वश्रेष्ठ अर्थव्यवस्था आइडिया इकोनॉमी है और इनोवेटिव को-एफिशिएंट देश की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण है'।

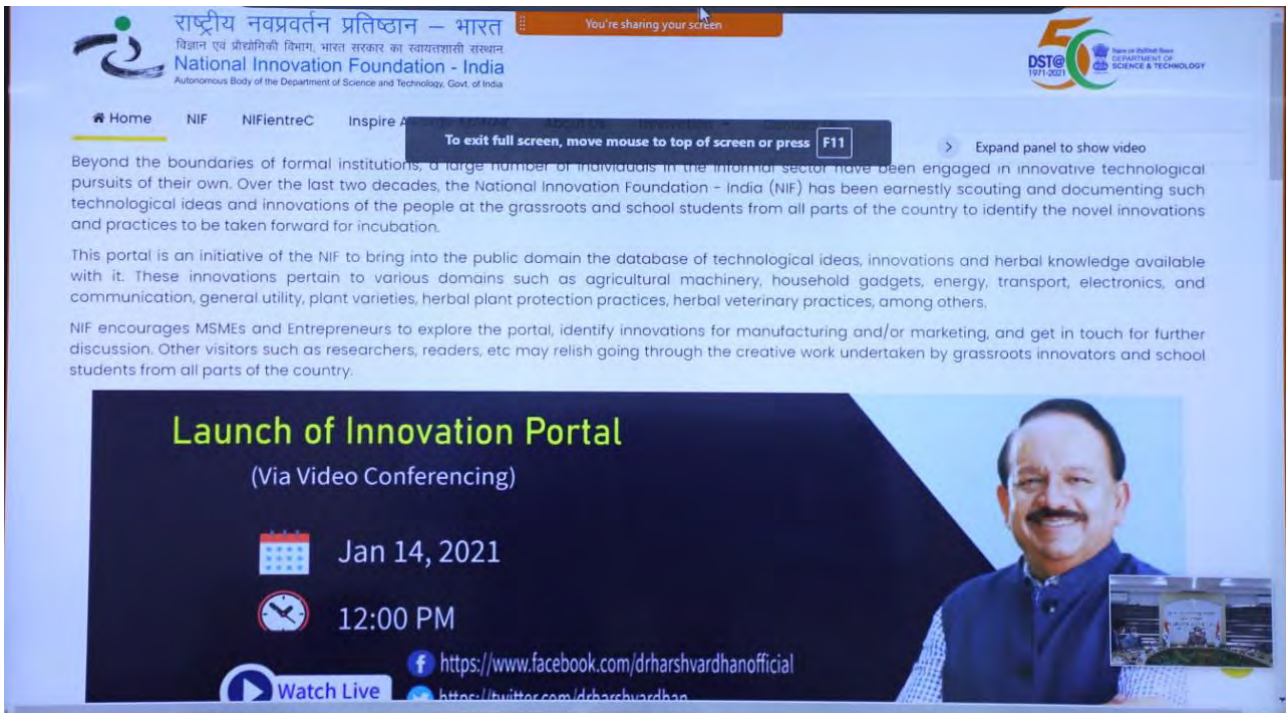
उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नवप्रवर्तन पोर्टल एक ऐसे इको-सिस्टम की सुविधा प्रदान करेगा, जहां उन सभी को संस्थागत समर्थन उपलब्ध होगा जो अपने विचारों और नवाचारों को उद्यमों में परिवर्तित कर सकते हैं। इससे देश में स्टैंडअप स्टार्ट-अप को बढ़ावा मिलेगा। आने वाले दिनों में नवप्रवर्तन पोर्टल हमारी अब तक की सभी डिजिटल प्रगति के बीच महत्वपूर्ण योगदानों में से एक हो सकता है। यह उन लोगों के बीच एक सेतु का काम करेगा जो इनोवेटिव समाधानों की तलाश में हैं और उनके विकास के शीर्ष पर थे। उन्होंने छात्रों, उद्यमियों, एमएसएमई और अन्य लोगों से कि नवप्रवर्तन पोर्टल का लाभ उठाने तथा अपने रुचि के नवप्रवर्तनों को खोजने का भी आग्रह किया।

डॉ. हर्षवर्धन ने नवप्रवर्तनों के प्रति आम लोगों की असाधारण प्रतिबद्धता पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह देश के प्रौद्योगिकी नेतृत्व को आगे ले जाएगा। उन्होंने इस नवप्रवर्तन पोर्टल के शुरुआत में 1.15 लाख इनोवेशन तक पहुंचने में रानप्र और डीएसटी के प्रयासों की सराहना की, जो अपने आप में एक शानदार शुरुआत थी।

रानप्र के अध्यक्ष डॉ. पीएस गोयल ने उल्लेख किया कि नवप्रवर्तन पोर्टल प्रत्येक भारतीय के दृढ़ संकल्प की गाथा है, जो पूरी नहीं



डॉ. हर्षवर्धन, माननीय केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने राष्ट्र को एक नवप्रवर्तन पोर्टल समर्पित किया।



शुभारम्भ के दिन 14 जनवरी, 2021 को रानप्र द्वारा विकसित किए गए नवप्रवर्तन पोर्टल की एक झलक ।

हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए समाधान विकसित करने में विश्वास करता है।

डीएसटी के सचिव प्रो आशुतोष शर्मा ने कहा कि यह पोर्टल भारत की पांचवीं राष्ट्रीय एसटीआई नीति के विकास के साथ-साथ हमारे देश के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में एक बहुत ही उपयुक्त समय पर शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नवप्रवर्तन पोर्टल में भविष्य के योगदानकर्ता लक्षित क्षेत्रों के

नीति से उपजी होंगे और इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों, विशेष रूप से उत्तर पूर्व, द्वीपों और जनजातीय क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार की एक पारिस्थितिकी प्रणाली बनाई जाए। प्रोफेसर शर्मा ने टिप्पणी की कि रानप्र न केवल विचारों की खोज में लगा हुआ है बल्कि उन्हें नवाचार मूल्य श्रृंखला में आगे ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल स्थानीय उद्यमियों को जमीनी स्तर के विचारों से बाहर निकालने और विचारों को बाजार में लाने में मदद करेगा।

अनुभागीय गतिविधियां

खोज, प्रलेखन और डेटाबेस प्रबंधन (SDDM)

राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता- गैर सहायता प्राप्त तृणमूल नवप्रवर्तनों और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान की बारहवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता का समापन 31 मार्च, 2021 को हुआ, जिसमें तृणमूल नवप्रवर्तकों और पारंपरिक ज्ञान धारकों से लगभग 25,000 प्रविष्टियां (वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान 15000 प्राप्त) देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त हुई। 13वीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता 1 अप्रैल, 2021 से शुरू होगी और 31 मार्च, 2023 तक प्रविष्टियाँ स्वीकार की जाएंगी।

कार्यशालाएँ एवं बैठकें - नेटवर्क के निर्माण और सुदृढीकरण के लिए देश भर में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकें की गईं। जागरूकता पैदा करने और खोज तथा प्रलेखन के लिए नए भागीदारों की पहचान के लिए रानप्र ने 23 जून, 2020 को सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, असम, त्रिपुरा और मिजोरम के प्रतिनिधित्व के साथ पूर्वोत्तर राज्यों में वनस्पति विज्ञान और कृषि के संकाय के साथ एक ई-मीट का आयोजन किया। जमीनी स्तर के नवाचारों के बारे में अधिकारियों को संवेदनशील बनाने और उन्हें सहयोग/बढ़ावा देने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, अरुणाचल प्रदेश के जिला विज्ञान समन्वयकों के साथ 26 जून, 2020 को एक और ई-मीटिंग आयोजन किया गया था।

छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ चार 04 जून, 2020 को बैठक का आयोजन किया गया, ताकि उनके क्षेत्र में उनके माध्यम से खोज



दक्षिण त्रिपुरा में एक अलग उपचार उद्देश्य के लिए एक पौधे के उपयोग पर हर्बल उपचारकों के बीच चर्चा

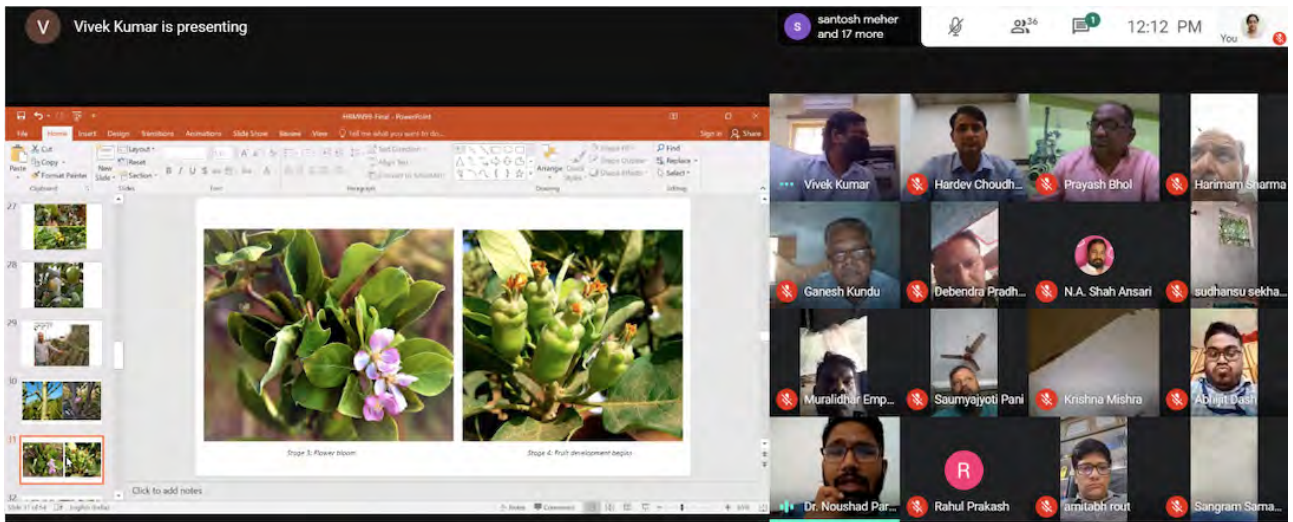


दक्षिण त्रिपुरा में एक हर्बल उपचारक पद्धतियों से सम्बंधित पुराने नोट्स को देखते हुए

और प्रलेखन गतिविधियों की शुरुआत की जा सके। वर्ष के दौरान आठ राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, त्रिपुरा, असम, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु के वनस्पति विज्ञान संकाय के साथ बैठक का आयोजन 03 और 04 नवंबर, 2020 को किया गया था।

छात्रों को जोड़ने का प्रयास-रानप्र द्वारा छात्रों के साथ कई उन्मुखीकरण कार्यक्रम; 30 अगस्त, 2020 को वी.पी. एंड आर. पी. टी.पी. साइंस कॉलेज, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात, 29 अगस्त 2020 को इंजीनियरिंग और फार्मसी विभाग, बिट्स एडु कैम्पस, वडोदरा, गुजरात; 30 सितंबर, 2020 को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), पुणे; 16 जनवरी, 2021 को मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, पारुल विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात में, 27 जनवरी, 2021 को डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में ग्रामीण प्रौद्योगिकी के छात्रों के साथ कार्यक्रम आयोजित किये गए। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को तृणमूल नवाचार और उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान के खोज और प्रलेखन पर जानकारी देना था।

हर्बल उपचारकों की कार्यशाला - ज्ञान धारकों के बीच में एक दूसरे से सीखने को बढ़ावा देने और कृषि, पशु चिकित्सा एवं मानव स्वास्थ्य जैसे डोमेन में तृणमूल नवाचारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए साइंस कॉलेज, कोकराझार, असम में हर्बल उपचारकों की कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कोकराझार और उदलगुरी के लगभग 30 हर्बल उपचारकर्ता और नवप्रवर्तक शामिल हुए।



‘कम सर्द इलाकों के लिए उपयुक्त हरमन 99 सेब की किस्म की खेती की पद्धति’ विषय पर ओडिशा में किसानों के साथ जानकारी साझा करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

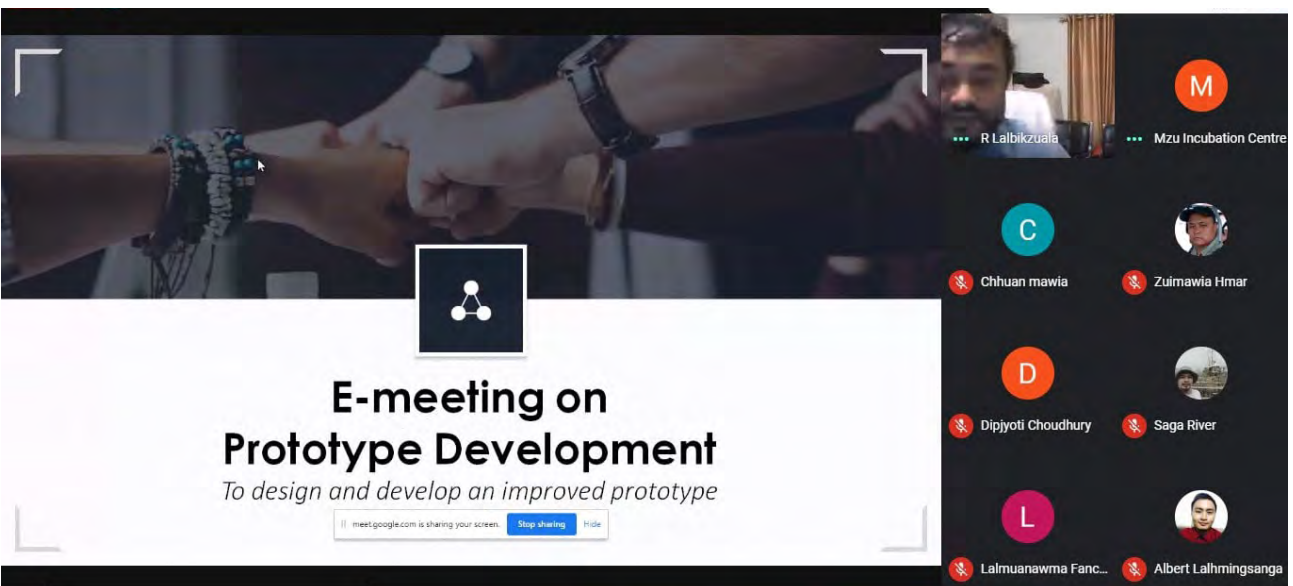
नवप्रवर्तकों की बैठक - सामुदायिक कार्यशाला का संचालन करने वाले पूर्वी क्षेत्र के नवप्रवर्तकों की एक ई-मीटिंग का आयोजन 19 जून, 2020 को किया गया था, जिसमें उन्हें स्थानीय एवं मितव्ययी समाधान खोजने और आस-पास के नवप्रवर्तकों तथा उनके नवाचार पर समर्थन के बारे में चर्चा की गई। इसके साथ ही कालाहांडी, ओडिशा और नालंदा, बिहार में भी नवप्रवर्तकों, मैकेनिक्स और फैब्रिकेटर के साथ बैठक आयोजित की गई।

स्वयं सहायता समूह के साथ बैठकें - रानप्र और के आईआईटी टीबीआई ने ओडिशा के पुरी, गंजम और जाजपुर जिलों में स्वयं सहायता समूहों के साथ बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें 100 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया। बैठकों में

रानप्र की विभिन्न गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई। इसके साथ उनके द्वारा साझा किए गए नवाचार/पारंपरिक ज्ञान और उनकी अधूरी जरूरतों (जहां तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता है) का दस्तावेजीकरण किया गया।

नई पहल - राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, मेघालय सरकार और रानप्र के द्वारा नवप्रवर्तकों की खोज को बढ़ावा देने के लिए अगस्त-सितंबर 2020 के दौरान मेघालय में एक रेडियो अभियान (ऑल इंडिया रेडियो, बिग एफएम, रेड एफएम) शुरू किया गया था। अभियान के परिणामस्वरूप राज्य के विभिन्न हिस्सों से 29 नवप्रवर्तक जोड़े गये।

डेटाबेस प्रबंधन - इस अवधि के दौरान 12वीं प्रतियोगिता



प्रोटोटाइप विकास पर एक ई-मीटिंग का आयोजन किया गया ताकि बाजार में अधिक स्वीकार्यता के साथ बेहतर प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए नवप्रवर्तकों को जानकारी दी जा सके।

के छह हजार से अधिक तृणमूल नवाचारों और पद्धतियों का डिजिटलीकरण किया गया था, जिसे डेटाबेस में संबंधित संदर्भ संख्या से जोड़ा गया था।

मूल्य संवर्धन, अनुसंधान एवं विकास (VARD)

अभियांत्रिकी

वर्ष के दौरान, 11वीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता (2017-19) में प्राप्त इंजीनियरिंग प्रविष्टियों का विस्तृत प्रलेखन, समीक्षा और छटनी के साथ इस दौरान प्राप्त 12वीं द्विवार्षिक प्रतियोगिता की प्रविष्टियों की प्रारंभिक समीक्षा की गई। मूल्यवर्धन और डिजाइन सुधार के लिए 22 प्रौद्योगिकियों के प्रोजेक्ट्स शुरू किये गए। इस दौरान फ़ैब लैब में 21 प्रौद्योगिकियों के प्रोटोटाइप का विकास भी शुरू किया गया। वर्ष के दौरान 12 राज्यों; आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के 24 नवप्रवर्तकों को मूल्य वर्धित प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

रानप्र ने दो नए सामुदायिक कार्यशाला ओडिशा और पश्चिम बंगाल में स्थापित किये। छत्तीसगढ़ में पहले से स्थापित कार्यशाला को मजबूती प्रदान की गई। सामुदायिक कार्यशाला की स्थापना में सहयोग करने वाले नवप्रवर्तकों के साथ ई-बैठकें आयोजित की गईं, ताकि उनके द्वारा किए गए कार्यों और उनके नवाचारों की समीक्षा की जा सके।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर, गुजरात एवं महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों में उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए मैनुअल अखरोट तोड़ने की मशीन, इमली डीसीडर, लाख प्रसंस्करण मशीन और चिरौंजी डेकोटिकेटर का फील्ड परीक्षण किया गया। असम में धान थ्रेशर सह ट्रांसप्लान्टर पर विशेषज्ञ प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए एक क्षेत्र परीक्षण भी किया गया। पोलांग (कैलोफिलम इनोफिलम फल) डिक्टोर्टिकेटिंग मशीन, रागी थ्रेशर मशीन, पल्स थ्रेशर, चावल की सफाई मशीन, सब्जी डिसीडिंग मशीन और मैनुअल धान ट्रांसप्लान्टर के लिए फील्ड परीक्षण तथा प्रदर्शन किया गया। परीक्षण में प्रदर्शन मापदंडों के साथ-साथ उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया दर्ज की गई थी। टिप्पणियों और चर्चा के आधार पर नवप्रवर्तकों को मूल्यवर्धन/संशोधन के बारे में सुझाव दिया गया।

आईएनईई और रानप्र समझौता ज्ञापन के अंतर्गत महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। सात तृणमूल नवाचारों को मूल्यवर्धित किया गया, जबकि 10 से अधिक प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की जा रही है। इसके साथ ही बाजार के लिए तैयार करने के लिए अधिक प्रौद्योगिकियों की पहचान की जा रही है। इस सहयोग के तहत उन्नत तकनीकों में से एक 'ट्रैक्टर संचालित धान ट्रांसप्लान्टर' है, जिसके लिए प्रमुख ट्रैक्टर कंपनी में से एक मेसर्स जॉन डीयर, इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए रुचि व्यक्त की है। डॉ वी भुजंगा राव, इसरो चेयर प्रोफेसर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, आईआईएससी कैम्पस, बेंगलुरु की अध्यक्षता में 23 मार्च, 2021 को इंजीनियरिंग के लिए एक अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) की बैठक



सामुदायिक कार्यशाला की स्थापना के लिए समर्थित नवप्रवर्तकों को सलाह देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया



दतेवाड़ा, छत्तीसगढ़ में सेनेटरी नैपकिन बनाने की मशीन के प्रसार के माध्यम से स्थानीय स्तर पर महिलाएं सैनिटरी नैपकिन पैड बनाकर और आजीविका चला रही हैं।

का आयोजन कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए किया गया था। जम्मू और कश्मीर में नवाचार, इन्व्यूबेशन और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 26 मार्च, 2021 को ज़कुरा कैंपस, प्रौद्योगिकी संस्थान, कश्मीर विश्वविद्यालय में इनोवेटर्स मीट का भी आयोजन किया गया था। बैठक में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के 11 जिलों के 45 तृणमूल नवप्रवर्तकों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री अभिनव कृषि जन्त्रपति सम्मान (एमएमएजेकेएस) कृषि और किसान अधिकारिता विभाग, ओडिशा सरकार और रानप्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एमएमएजेकेएस के दूसरे संस्करण में प्राप्त 2882 आवेदनों का मूल्यांकन कार्य पूरा किया गया। मूल्यांकन के आधार पर क्षेत्र सत्यापन के लिए 243 आवेदनों की पहचान की गई। कृषि विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए क्षेत्र सत्यापन रिपोर्ट और आंकड़ों के आधार पर नवाचारों का पुनर्मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के परिणाम जिला कृषि अधिकारियों के साथ साझा किए गए। संबंधित जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समितियों ने राज्य स्तर की भागीदारी के लिए 26 जिलों में से प्रत्येक से शीर्ष तीन नवाचारों और एक विचार की पहचान की।

रानप्र ने पहले ही प्रतियोगिता के पहले संस्करण में पहचाने गए 25 नवाचारों के लिए मूल्यवर्धन प्रोजेक्ट्स का समर्थन किया। इस अवधि के दौरान उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया प्राप्त करने

के लिए प्रगतिशील किसानों को आठ नवाचार दिए गए। इनमें पुरी में सब्जी डिसीडिंग मशीन और पोलांग डेकोटिकेटर, अंगुल में फ्लैट पाइप वाईडिंग टूल, ढेंकनाल में धान की पुआल काटने की मशीन, जाजपुर, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर में मैनुअल सीड ड्रिल, अंगुल में बहुउद्देशीय कृषि उपकरण, बोलांगीर और बारगढ़ में डबल प्लंजर कीटनाशक स्प्रेयर और कटक में बोरी होल्डिंग स्टैंड (5) शामिल थे।

कृषि

वर्ष 2020-21 के दौरान 13 अनुसंधान संस्थानों में 29 पौधों की किस्मों और नौ हर्बल प्रौद्योगिकियों को मान्य और मूल्यवर्धित किया गया। इन किस्मों में अनाज की 14 किस्में (चावल और गेहूँ), सब्जियों की सात किस्में (फूलगोभी, मटर, कद्दू, प्याज), तीन फलों की किस्में (केला और अंगूर) और पांच किस्में, कैसुरिना, आलू और सोयाबीन की शामिल थी। इन किस्मों को 13 अनुसंधान संस्थानों; डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, बिहार; एसडी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात; जीबी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उत्तराखंड; एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जयपुर; केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, मणिपुर; आईसीएआर-भारतीय गेहूँ और जौ अनुसंधान संस्थान; तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मेट्टुपालयम; जेएनकेवीवी, जबलपुर, एमपी; आईसीएआर-राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी),

तमिलनाडु; आईसीएआर-सीपीआरआई, शिमला; कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु; केवीके, सोलापुर और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में परिक्षण किया गया था। एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जयपुर और आईसीएआर-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में मूल्यांकन किए जाने पर गेहूं की किस्म बीएलके-बालाजी (70 क्विंटल / हेक्टेयर) में उच्च उपज क्षमता के साथ सर्वोत्तम जांच किस्म डब्ल्यूएच 1105 पर 15 प्रतिशत श्रेष्ठता और स्टेम एवं लीफ रस्ट रोगों के लिए अच्छा प्रतिरोध पाया गया। इसी तरह जल्दी तैयार होने वाली फूलगोभी की किस्म सोनाली 45 और जलकुंभी बीन किस्म मनियारी ने भी आरपीसीएयू, बिहार में जांच किस्मों से बेहतर प्रदर्शन किया। बल्ब और कंद फसलों में प्याज की किस्म कांसी नंबर 1 ने दोनों स्थानों पर उच्च उपज क्षमता और गुणवत्ता दर्ज की, जबकि बैंगनी आलू किस्म को आईसीएआर - सीपीआरआई, शिमला में उच्च शुष्क पदार्थ सामग्री (21%) के साथ लेट ब्लाइट रोग के लिए मध्यम प्रतिरोधी पाया गया। वाणिज्यिक फसलों में कैस्युरिना मोदी 1 किस्म ने जांच किस्म के मुकाबले तीन वर्षों के बाद बेहतर (151 टन प्रति हेक्टेयर) पाई गई।

किसान के दोहरे उद्देश्य (अनाज और चारा) के लिए जलवायु तन्त्रिक और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों में सूखा-सहिष्णु ज्वार किस्म 'एए' को एसडी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात में खरीफ और रबी दोनों मौसमों के लिए उपयुक्त पाया गया। धान की दो किस्मों कुदरत -1 और कुदरत -5 जीबीपीयूएटी, उत्तराखंड में जांच



कांसी नंबर 1: श्री पूनम चंद पाटीदार द्वारा विकसित और रानप्र द्वारा समर्थित उच्च उपज देने वाली प्याज की उन्नत किस्म।

किस्मों की तुलना में कम इनपुट वाली जैविक परिस्थितियों में उत्पादन के लिए सबसे उपयुक्त पाई गई थी। चार किस्मों की आणविक पहचान / डीएनए फिंगरप्रिंटिंग; जेके1, मनियारी, सोनाली 45, हाइसिंथ बीन, फूलगोभी और केले को क्रमशः आरपीसीएयू, बिहार और आईसीएआरएनआरसीबी तमिलनाडु में किया गया था।



दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में किसानों के स्थान पर कम ऊंचाई के लिए उपयुक्त हरमन 99 सेब की किस्म



सितारा-श्रृंगार, सरसों की एक किस्म का रबी 2020-21 के दौरान उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में ऑन-फार्म परीक्षण किया गया।

इस अवधि के दौरान किसानों की 15 किस्मों; काली मिर्च, धान, आलू, हल्दी, मटर और ज्वार की जैव रासायनिक विशलेक्षण तैयार की गई। जबकि बहु-स्थान परीक्षण के माध्यम से कृषि संबंधी मूल्यवर्धन के तहत आईसीएआर-प्याज और लहसुन अनुसंधान निदेशालय, पुणे और आईसीएआर-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी में क्रमशः प्याज की पांच किस्मों

और दो सब्जियों की किस्मों को एडवांस वैराइटी ट्रायल (एवीटी -1) और प्रारंभिक मूल्यांकन परीक्षण (आईईटी) के लिए आईसीएआर-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना कार्यक्रम के तहत लिया गया था। गेहूँ की तीन किस्मों; बीएलके बालाजी, कुदरत-9 और मोहित गोल्ड को आईसीएआरआईआईडब्ल्यूबीआर में प्रारंभिक प्लांट



गुजरात के नर्मदा जिले के डेडियापाड़ा तालुका के दुमखल गांव में खरीफ 2020-21 के दौरान धान की एक किस्म कुदरत 5 का किसानों द्वारा प्रबंधनीय खेत में परीक्षण किया।

पैथोलॉजिकल स्क्रीनिंग नर्सरी के तहत जांच के साथ किस्मों के मूल्यांकन के बाद एसीआरआईपी मल्टी-लोकेशन यील्ड ट्रायल के लिए आगे किया गया था। इसके अलावा केवीके, सोलापुर द्वारा अंगूर की दो किस्मों और गेहूं, अंगूर, गन्ना, केला, मोती बाजरा, अरहर, लौकी, सरसों, सोनचंपा, पान, भिंडी, तुरई और सौंफ की पंद्रह पौधों की किस्मों को साइट पर मान्य करने के साथ क्षेत्र सत्यापित और प्रलेखित भी किया गया।

पौध संरक्षण के अंतर्गत पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में लीफ कर्ल रोग और मिर्च के कीट कीटों के खिलाफ जैव-प्रभावकारिता के लिए नौ हर्बल फॉर्मूलेशन का परीक्षण किया गया था। इस दौरान कुछ हर्बल तकनीकों को लीफ-कर्ल रोग को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण रूप से प्रभावी पाया गया था। इसके साथ ही यह मिर्च के अन्य कीट या लाभकारी कीड़ों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। यही नही वर्ष 2020-21 के दौरान पांच अनुसंधान संस्थानों में 14 तृणमूल नवप्रवर्तकों द्वारा विकसित 16 हर्बल फॉर्मूलेशन की प्रयोगशाला के साथ-साथ क्षेत्र जैव-प्रभावकारिता मूल्यांकन शुरू किया गया था।

पशुचिकित्सा

हर्बल उपचारकों की अनूठी स्वदेशी पशु चिकित्सा दवाओं का परीक्षण करने और बढ़ावा देने के लिए वर्ष के दौरान कई गतिविधियां शुरू हुईं और पुरानी गतिविधियों को आगे बढ़ाया गया। पशु चिकित्सा विज्ञान कॉलेज, तिरुपति, आंध्र प्रदेश में तीन स्वदेशी दवाओं पर क्लिनिकल अध्ययन लैक्टेशनल एनेस्ट्रस के उपचार में उनके फोलिकुलर प्रभाव के लिए किए गए थे, जिसमें इलाज किए गए जानवरों से बेहतर प्रतिक्रिया प्राप्त हुई थी। डेयरी पशुओं में मस्टाइटिस के उपचार के लिए एक मूल्य वर्धित इंटरमैमरी फॉर्मूलेशन को मान्य किया गया। यह रोगजनक बैक्टीरिया (स्टैफिलोकोकस एसपी, और स्ट्रेप्टोकोकस एसपी) के खिलाफ प्रभावी पाया गया, जो कम सांद्रता [25 माइक्रोग्राम / एमएल] पर क्लिनिकल मस्टाइटिस से अलग किया गया था। मस्टाइटिस के उपचार के लिए एक टोपिकल फार्मूलेशन व्यापक स्पेक्ट्रम गतिविधि का प्रदर्शन करने वाले कम सांद्रता [50 माइक्रोग्राम / एमएल] पर रोगजनक बैक्टीरिया के खिलाफ प्रभावी पाया गया। पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश में सबक्लिनिकल मस्टाइटिस की स्थिति के उपचार के लिए एक स्वदेशी हर्बल दवा का परीक्षण किया गया, जिसमें प्रभावित जानवरों के दूध में सोमेटिक सेल काउंट की संख्या में कमी देखी गई।

रानप्र की पॉलीहर्बल एकरिसाइडल दवा ने 72 घंटों तक



मस्टीरेक, एक हर्बल दवा है जिसका इस्तेमाल डेयरी जानवरों में मस्टाइटिस के इलाज के लिए किया जाता है।

81.03% प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया और उपचार के नवें दिन तक निम्फल या हार्ड टिक्स के वयस्क चरण में संक्रमण को पूरी तरह से नियंत्रित किया। बूफिलस माइक्रोप्लस और हायलोमा एसपीपी के कारण मिश्रित टिक संक्रमण के खिलाफ हर्बल दवा को प्रभावी पाया गया। तमिलनाडु पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चेन्नई के सहयोग से इस दवा का व्यापक रूप से प्रदर्शन किया गया और किसानों के लिए एक लोकप्रिय सामग्री भी विकसित की गई। दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़ के सहयोग से छत्तीसगढ़ के 25 गांवों में रानप्र की हर्बल एकरिसाइडल दवा का प्रदर्शन भी किया गया। इसके साथ ही भारतीय कृषि और अनुसंधान परिषद [आईसीएआर] [<https://icar.org.in/content/ecofriendly-control-tick-infestation-amongdairy-animals-using-nifs-poly-herbalmedication>] द्वारा इस अभ्यास की सिफारिश की गई और साझा किया गया।

ब्लोट की नैदानिक स्थिति के उपचार में एक स्वदेशी दवा लक्षण रहित जानवरों को डेढ़ घंटे में राहत देने में प्रभावी पाया गया। पॉलीहर्बल कृमिनाशक दवा उपचार के डेढ़ घंटे बाद तक कृमियों की गतिशीलता को प्रभावित करती पाई गई। इसके बाद पशु चिकित्सा क्लिनिकल मेडिसिन विभाग, नागपुर पशु चिकित्सा कॉलेज, एमएएफएसयू, महाराष्ट्र में इन विट्रो प्रयोग के माध्यम से ढाई घंटे के उपचार के बाद मृत्यु दर और मोर्फोलोजी (morphology) पर महत्वपूर्ण प्रभाव प्रदर्शित किया। वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, नमक्कल में परीक्षण की गई एक अन्य दवा में प्लेसेंटो के निष्कासन से 60 प्रतिशत उपचारित गायों को राहत मिली।

लिवॉन बायोलैब्स प्राइवेट लिमिटेड, टूमकुर, कर्नाटक में दो स्वदेशी दवाओं का ब्रायलर चिकेन्स की हिस्टोपैथोलॉजिकल

फैटी लीवर सिंड्रोम के खिलाफ प्रभावकारिता के मूल्यांकन की जांच की गई। इन दवाओं को ब्रायलर बर्ड्स के बीच हेपेटोसाइट्स में रिक्तिका परिवर्तन को कम करते पाया गया। पश्चिम बंगाल के दो फीड सप्लीमेंट्स ने कॉलेज ऑफ वेटेरनरी साइंस एंड एनिमल हसबैंडरी, अंजोरा में प्रयोगों में उपचारित ब्रायलर बर्ड्स के बीच बेहतर विकास का प्रदर्शन किया। पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन कॉलेज, अंजोरा, छत्तीसगढ़ कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग में स्वदेशी दवाओं के मूल्यांकन के लिए उनकी पाचन क्षमता, प्रतिरक्षा और कोक्सीडायोसिस के खिलाफ ब्रायलर बर्ड्स की सुरक्षा के लिए एक शोध कार्यक्रम भी शुरू किया गया था।

कई आभासी कार्यशालाओं का आयोजन; पशुधन के लिए 11 अगस्त, 2020 को स्वदेशी हर्बल दवा के माध्यम से एक्टोपैरासाइट संक्रमण के नियंत्रण में नीतिगत निहितार्थ, 30 सितंबर, 2020 को पशुधन के लिए स्वदेशी हर्बल दवा के माध्यम से एंडोपैरासाइट संक्रमण और मस्टाइटिस रोग का नियंत्रण, 5 नवंबर, 2020 को स्वदेशी हर्बल दवाओं के माध्यम से डेयरी पशुओं के बीच आगे बढ़ने का प्रबंधन और 29 जनवरी, 2021 कृषक समुदायों के बीच रानप्र की स्वदेशी पॉलीहर्बल एकरिसाइडल दवा को लोकप्रिय बनाने के अनुभव विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में देश भर के पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों के अनुसंधान और संसाधन कर्मियों के निदेशक के साथ-साथ सेंट जॉर्ज विश्वविद्यालय, ग्रेनाडा वेस्टइंडीज और रेस्पेल फार्मा, कर्नाटक जैसे उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने वैज्ञानिक इनपुट साझा किए। डायरेक्टरेट ऑफ़ एक्सटेंशन एडूकेशन, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर के सहयोग से 18 फरवरी, 2021 को 'किसानों के बीच नवाचारों और मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों की पहुँच' नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कार्यक्रम समन्वयकों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों और कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुखों के लिए किया गया।

मानव स्वास्थ्य

जब दुनिया कोविड-19 महामारी से जूझ रही थी तब रानप्र 'कोविड -19 चैलेन्ज प्रतियोगिता' के तहत पहचाने गए नवाचारों का समर्थन कर रहा था। इसके साथ ही बीमारी और इसके संभावित इलाज का भी अध्ययन कर रहा था। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद [आईसीएमआर] द्वारा रानप्र को कोविड-19 के लिए अनुप्रयोगों के लिए नए हर्बल फॉर्मूलेशन लाने वाले नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया था। संस्थान ने सिलिको अध्ययन करते हुए कोविड -19 के उपचार के लिए

एक संभावित जड़ी बूटी की पहचान की। पूर्व-नैदानिक सत्यापन के लिए आवश्यक प्रोटोकॉल और तकनीकी आवश्यकताओं के साथ रानप्र द्वारा जैव सूचना विज्ञान कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग और इन विट्रो अध्ययन प्रतिरक्षा वृद्धि, यकृत सुरक्षा गुणों आदि पर किया गया था। इसके बाद चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान (CBPACS), नई दिल्ली और बैजनाथ फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, पपरोला, हिमाचल प्रदेश के साथ साझेदारी में रानप्र देश के उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान में निहित कोविड-19 के लिए एक आयुर्वेदिक समाधान पर पहुंचा, जिसके लिए नैदानिक परीक्षण पंजीकृत कर आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवधि के दौरान जालमा इंस्टीट्यूट ऑफ कुष्ठ एवं अन्य माइक्रोबैक्टीरियल रोग, आगरा में तपेदिक के इलाज के लिए 10 स्वदेशी दवाओं का भी मूल्यांकन किया गया, जिनमें से छह लीड ने एम. तपेदिक पर प्रभाव दिखाया। मानव स्वास्थ्य के लिए रक्तचाप के उपचार में मूल्य वर्धित हर्बल दवा के मूल्यांकन की दिशा में डाबर रिसर्च फाउंडेशन के साथ सहयोगात्मक गतिविधियाँ शुरू की गईं।

आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली के सीसीआरएएस में महानिदेशक, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के साथ 23 फरवरी, 2021 को एक बैठक आयोजित की गई। सीसीआरएएस के वरिष्ठ अधिकारियों, नोडल अधिकारियों के साथ पांच केंद्रों के कार्यक्रम अधिकारियों ने विस्तारित आयुर्वेदिक फार्माकोपिया के लिए गुणवत्ता मानकों के विकास के लिए अपने इनपुट साझा किए।

बौद्धिक संपदा अधिकार (IPM)

रानप्र ने वर्ष के दौरान इंजीनियरिंग नवाचारों के लिए 14 पेटेंट आवेदन दायर किए, जिसमें 110 मामलों में प्रथम परीक्षा रिपोर्ट (एफईआर) के जवाब दाखिल किए गए। हर्बल कृषि प्रौद्योगिकियों के मामले में चार पेटेंट दायर किए गए। इस दौरान हर्बल तकनीकियों के लिए 72 एफईआर के जवाब भी दाखिल किए गए थे।

इंजीनियरिंग, मानव स्वास्थ्य, पशु चिकित्सा विज्ञान और हर्बल कृषि प्रौद्योगिकियों में वर्ष के दौरान कुल 18 पेटेंट दायर किए गए और 64 प्रदान किए गए। इसके अलावा अवधि के दौरान रानप्र ने 14 राज्यो के उत्कृष्ट ज्ञान धारकों के साथ मिलकर काम किया और पेटेंट आवेदनों के रखरखाव के लिए 35 एक्सेस और बेनिफिट शेयरिंग समझौतों के लिए सहमति मांगी। रानप्र

को राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण से लगभग 35 अनुमोदन भी प्राप्त हुए।

रानप्र ने पीपीवी और एफआर प्राधिकरण, नई दिल्ली में पादप किस्म पंजीकरण के लिए तीन आवेदन भी दायर किए। एक किसान विकसित किस्म को पंजीकरण का प्रमाण पत्र भी दिया गया। अब तक दाखिल आवेदनों की कुल संख्या 76 है और पंजीकृत किस्में 14 हैं।

व्यापार विकास (BD)

रानप्र ने ओडिशा के कोरापुट जिले के दयाराम विश्राम चौहान के दो तृणमूल नवाचारों के विनिर्माण और विपणन के लिए मेसर्स हिंदुस्तान मशीनरी को 27 दिसम्बर 2020 को तकनीकी हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की। मेसर्स सुप्रीम एंटरप्राइजेज को 22 जनवरी, 2021 को विनिर्माण और विपणन के लिए ढेंकनाल, ओडिशा के अजय कुमार प्रूस्टी के मशरूम की खेती और धान के पुआल कटर की प्रौद्योगिकी हस्तांतरित की।

लाइसेंस प्राप्त प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में 18 मार्च, 2021 को बायोन्यूट्रा इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड पुणे के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। चाय के चार प्रकार; यकृत स्वास्थ्य, पाचन स्वास्थ्य [Antiulcer], रक्त शर्करा का प्रबंधन और मोटापे को कम करने के फॉर्मूलेशन को एनआईएफ इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप काउंसिल [NIFentreC] के माध्यम से इनक्यूबेट किया गया। अद्वितीय स्वदेशी पशु चिकित्सा दवाओं से विकसित उत्पाद एनेस्ट्रस (एस्ट्रोना), एंडोपैरासाइट इन्फेस्टेशन (वर्मिवेट) और मस्टाइटिस (मस्टीरक' जेल) ने बाजार से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त की। इन तकनीकों का लाइसेंस राकेश फार्मास्युटिकल्स, गुजरात को दिया गया था। रानप्र के प्रयासों के माध्यम से उत्कृष्ट पारंपरिक ज्ञान के आधार पर हर्बल पशु चिकित्सा उत्पादों 'वर्मिवेट' और 'मस्टीरक' के व्यावसायीकरण की दिशा में पहुंच और लाभ साझा होने का एहसास मिला। वर्तमान में वाणिज्यिक उत्पादों के रूप में ये देशी जड़ी-बूटी दवाएं मस्टाइटिस के उपचार की रासायनिक पद्धति के विकल्प के रूप में पशुपालकों के लिए उपलब्ध हैं।

रानप्र ने 22 से 25 दिसंबर 2020 के दौरान छठे भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) में और 27 फरवरी से 2 मार्च, 2021 के बीच इंडिया टॉय फेयर 2021 में तृणमूल नवोन्मेषकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की, जिसमें देश के तृणमूल नवाचारों को प्रदर्शित किया गया। छठवें आईआईएसएफ से पहले अपने विषय, कार्यक्रमों और गतिविधियों से संबंधित

जानकारी के व्यापक प्रसार के लिए 5 दिसंबर, 2020 को रानप्र द्वारा एक वर्चुअल कर्टन रेज़र प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 600 प्रतिभागी कर्टन-रेज़र में शामिल हुए।

प्रसार और सामाजिक प्रसार (DSD)

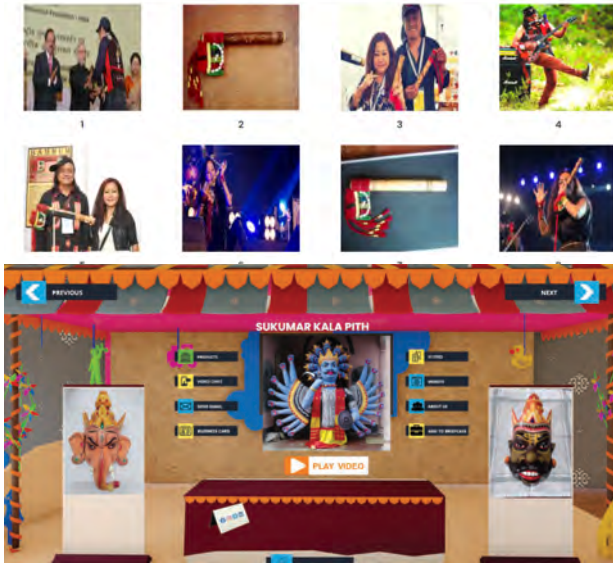
तृणमूल नवप्रवर्तनों का प्रदर्शन और प्रशिक्षण-छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के एक एसएचजी समूह को जून 2020 के दौरान ओडिशा के तृणमूल नवप्रवर्तक बिर्जायराम पात्रा के लीफ ग्राइंडिंग मशीन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें मुख्य रूप से महिलाएं शामिल थीं। रानप्र ने राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, मेघालय सरकार के साथ साझेदारी में नवाचार केंद्रों की स्थापना को समर्थन प्रदान किया। इस पहल के तहत बंधियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मेघालय के री-भोई जिले के फेरांडो इनक्लूसिव कॉलेज फॉर द डेफ में सैनितरी नैपकिन बनाने की मशीन की एक इकाई स्थापित की गई थी। पूर्वी खासी हिल्स इकाई में बने सैनितरी नैपकिन पैड मेघालय के गारो हिल्स जिले में ग्रामीण महिलाओं के बीच प्रसारित किए गए। ओडिशा राज्य के एक आकांक्षी जिले कालाहांडी जिले के डुमालीगुंडा गांव में दिसंबर 2020 के दौरान एक एसएचजी समूह के लिए गाय के गोबर से पॉट बनाने की मशीन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के वन विभाग के स्थानीय सहयोग से 30 दिसंबर, 2020 को भूमिगडी, दंतेवाड़ा में एक महिला एसएचजी समूह के लिए इमली डिसीडिंग मशीन और इमली केक बनाने की मशीन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद, मेघालय और रानप्र द्वारा 21-26 जनवरी, 2021 के दौरान शिलांग, मेघालय में बहुउद्देशीय प्रसंस्करण मशीन के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जहां नवप्रवर्तक धर्मवीर कम्बोज ने खुद प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया था।

नट पीलर, सिर पर भार को कम करने वाला उपकरण, झटके को रोकने वाली बैसाखी, पेड़ पर चढ़ने का उपकरण, वॉकर विथ एडजस्टेबल लेग्स, इमली डीसीडर, संशोधित स्टोव, वेजिटेबल एंड फ्रूट केपर एवं नीपर का असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, तमिलनाडु और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में प्रसार किया गया। ओडिशा के बरगढ़ जिले के एक गांव में एक संशोधित हैंडपंप और मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स और जयंतिया हिल्स जिलों के तीन गांवों में तीन मिनी-वाटर टरबाइन की स्थापना भी पूरी हो गई है।



छठें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) से पहले 5 दिसंबर, 2020 को एक वर्चुअल कर्टेन रेज़र कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नासिक, महाराष्ट्र के नवप्रवर्तक राजेंद्र जाधव द्वारा विकसित अभिनव स्प्रेयर की तकनीकी को रानप्र की कोविड-19 चैलेंज प्रतियोगिता (C3) में विज्ञान एवं तकनीकी पर आधारित एक संभावित अभिनव समाधान के रूप में पहचाना गया था।



रानप्र द्वारा समर्थित तृणमूल नवप्रवर्तकों ने 27 फरवरी से 2 मार्च 2021 के दौरान टॉय फेयर 2021 भारत में भाग लिया।

ट्रैक्टर संचालित इस तकनीक की उपयोगिता का संज्ञान लेते हुए अहमदाबाद नगर निगम और राज्य नवाचार परिषद (डीएसटी, राजस्थान सरकार), जयपुर के सहयोग से श्रमिक क्रांति बाग, राजपुर, अहमदाबाद और राजस्थान के जयपुर और टोंक जिलों के विभिन्न स्थानों में सफलतापूर्वक फील्ड प्रदर्शन किया गया। स्प्रेयर मशीन का बगीचों, सरकारी स्थानों, शहर के भीड़भाड़ वाले इलाकों, पुलिस स्टेशन, तंग गलियों में रात के दौरान सेनीटाइज करने के लिए किया गया था। दोनों स्थानों पर अधिकारियों ने लक्षित क्षेत्रों को साफ करने के लिए ऐसी कुशल मशीन विकसित करने के लिए तृणमूल नवोन्मेषक के प्रयासों की सराहना की।

किसानों की फसल किस्मों के प्रसार के लिए ऑन-फार्म परीक्षण: किसानों की सात फसल की किस्मों; चना (एसआर 1), सरसों (सीतारा श्रृंगार), गेहूं (कुदरत-9, एचजेडजी-30), प्याज (सोना- 40, संदीप) और मिर्च (एएमपी-आर) का प्रदर्शन परीक्षण महाराष्ट्र, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गुजरात में 67 किसानों के खेतों में रबी 2019-20 के दौरान किया गया। सरसों की किस्म ने महाराष्ट्र, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और गुजरात राज्यों में स्थानीय जांच किस्मों की तुलना में अधिक उपज का उत्पादन किया। सोना-40 व संदीप प्याज की किस्मों ने सुल्तानपुर (यूपी) की स्थितियों में नासिक 53 की तुलना में अधिक उपज का उत्पादन किया, जबकि एएमपी-आर ने गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में स्थानीय जांच किस्म की तुलना में अधिक हरे फल की उपज का उत्पादन किया। गुजरात और पंजाब राज्यों में गेहूं की किस्मों का प्रदर्शन स्थानीय किस्मों के बराबर पाया गया। चना (एसआर 1) ने अच्छी गुणवत्ता वाले अनाज (बोल्ड सीड) का उत्पादन किया, लेकिन महाराष्ट्र और गुजरात के सभी स्थानों पर अनाज उत्पादन के मामले में यह कम पाया गया।

खरीफ-2020 के दौरान किसानों की चावल की 12 किस्मों (चिनार-20, कुदरत-5, 1, सुरजीत बासमती, डीआरके और दादाजी एचएमटी), बीन (जेके 1, मनियारी), अरहर (त्रिखा) का ऑन-फार्म परीक्षण 2000), बाजरा (सुलखानिया), बैंगन (HZKB 1, निरंजन) और मिर्च (एएमपी-आर) का 10 राज्यों गुजरात (12), महाराष्ट्र (1), पश्चिम बंगाल (11), ओडिशा (6), छत्तीसगढ़ (4), सिक्किम (1) झारखंड (1), पंजाब (1), राजस्थान (2) और बिहार (2) के 41 जिलों के 70 गांवों में 830 किसानों के खेतों में किया गया। चावल की किस्म चिनार-20 और कुदरत-5 क्रमशः बारानी



नवाचार और स्वदेशी पारंपरिक ज्ञान के प्रसार पर समोग, चकराता, उत्तराखंड में एक किसान कार्यशाला का आयोजन किया गया

और सिंचित परिस्थितियों में लाभदायक खेती के लिए उपयुक्त पाई गई। चिनार-20 चावल के प्रमुख कीटों के प्रति सहिष्णु था, जबकि डीआरके और दादाजी एचएमटी चावल की किस्मों को बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया मिली और उत्पादकों द्वारा उनकी स्वादिष्टता और खाना पकाने की गुणवत्ता के कारण पसंद की गई। सुरजीत बासमती-1 ने गुजरात और महाराष्ट्र की परिस्थितियों में स्थानीय जांच किस्मों की तुलना में बेहतर उपज दिया। सुलखानिया- बाजरा भी एक बेहतर प्रदर्शन करने वाली किस्म पाई गई थी और गुजरात तथा महाराष्ट्र में बारानी परिस्थितियों में उच्च अनाज और गुणवत्ता वाले चारे की उपज के साथ जल्दी पकने के कारण किसानों द्वारा पसंद की गई थी। भारतीय बीन (मनियारी और जेके 1) को बिहार के सीतामढ़ी और पूर्वी चंपारण जिलों में हरी फली की उपज और बाजार में स्वीकार्यता के लिए बेहतर बताया गया।

सरसों की किस्म ने बेहतर विकास के साथ उच्च बीज उपज, प्रति पौधे अधिक फली और समकालिक परिपक्वता दर्ज की, जबकि गेहूं की किस्म ने सभी स्थानों पर क्षेत्र में खेती की जाने वाली अन्य जांच किस्मों की तुलना में अधिक अनाज के साथ

लंबी बाली का उत्पादन किया।

तृणमूल नवप्रवर्तक श्रीकिशन सुमन, कोटा द्वारा विकसित सदाबहार आम की किस्म के 100 ग्राफ्टेड पौधों का प्रत्यारोपण मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान में किया गया। सेब की किस्मों (हरमन 99, डोरसेट गोल्डन और अन्ना) के पहले सीजन के फलों को जून-जुलाई 2020 के दौरान इंपाल पूर्व और बिष्णुपुर में रानप्र द्वारा किए गए 16 महीने पुराने वृक्षारोपण से प्राप्त किया गया। हरमन -99 किस्म में जांच किस्म की तुलना में अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ। एनईएच क्षेत्र के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर में तीनों किस्मों के फलों की गुणवत्ता का विश्लेषण किया गया, जहां हरमन -99 किस्म ने उच्च हायर टोटल सोलुबल सोलिड्स कंटेंट की सूचना दी।

प्रसार के लिए पोषण से भरपूर किसानों की फसल किस्मों की पहचान करने के लिए, जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात में गेहूं की नौ किस्मों में जिक और आयरन का विश्लेषण किया गया। राजस्थान के श्री बजरंग लाल कस्वा द्वारा विकसित बीएलके-बालाजी गेहूं की किस्म में जिक की मात्रा क्रमशः राज्य और

स्थानीय जांच किस्मों की तुलना में काफी अधिक पाई गई। किसानों की घरेलू दालों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए रानप्र-भारत ने गुजरात, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 280 किसानों के खेतों में अरहर की सीमा फसल पद्धति को बढ़ावा दिया। लाभार्थियों ने हरी फली, अनाज एवं मीठे स्वाद के साथ-साथ कमाई और भोजन के अतिरिक्त स्रोत के उच्च उत्पादन के लिए किस्म के प्रदर्शन की सराहना की।

उत्तराखंड के देहरादून जिले के चकराता प्रखंड के समोग गांव में 24 प्रगतिशील किसानों के साथ बैठक आयोजित की गई। एचजेडकेबी-1 (बैंगन) किस्म के कृषि परीक्षणों में भाग लेने वाले लाभार्थियों को इस क्षेत्र के लिए विविधता और विभिन्न पौधों की सुरक्षा के तरीकों और अन्य प्रासंगिक जमीनी प्रौद्योगिकियों की पूरी खेती के तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और विश्वविद्यालयों के सहयोग से गतिविधियाँ: कुल 22 तृणमूल नवाचारों, हर्बल पद्धतियों और किसानों की फसल किस्मों के प्रसार के लिए आईसीएआर-केवीके, थेनी, तमिलनाडु; भाकृअनुप-कमला नेहरू कृषि विज्ञान केंद्र-1, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश; नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, तुरा कैंपस, मेघालय और शेरी-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, यूटी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर के समन्वय में पहल की गई। इन प्रसार परियोजनाओं से कुल 335 किसान सीधे लाभान्वित होंगे।

केवीके नंदुरबार, महाराष्ट्र के सहयोग से केवीके संकाय और नंदुरबार क्षेत्र के किसानों के लिए 'भारतीय खेती में आईटीके और जमीनी नवाचारों की भूमिका' पर एक ऑनलाइन कार्यशाला 9 अक्टूबर, 2020 को आयोजित की गई थी। कर्मचारियों के साथ कुल 34 किसान केवीके ने उस कार्यक्रम में भाग लिया, जहां प्रतिभागियों को रानप्र की गतिविधियों, जीआरआई के क्षेत्र प्रदर्शन और फसलों एवं जानवरों में विभिन्न बीमारियों के प्रबंधन के लिए आईटीके आधारित हर्बल प्रौद्योगिकियों से परिचित कराया गया। ओडिशा में कम सर्द इलाकों में सेब की किस्मों की खेती के अभ्यास पर दो ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन 27 अगस्त, 2020 और 30 दिसंबर, 2020 को किया गया, जिसमें 40 किसानों को रानप्र में विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया गया और रोपण तकनीक सहित हरमन-99 सेब की खेती के लिए छंटाई, पोषण प्रबंधन के साथ-साथ कीटों और रोगों के नियंत्रण तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई। रानप्र ने नवंबर 2020 में केवीके बोंगाईगांव और बारपेटा, असम और केवीके दक्षिण त्रिपुरा, त्रिपुरा में वैज्ञानिकों के साथ खोज, प्रलेखन और प्रसार गतिविधियों के लिए भी काम किया।

जागरूकता और कौशल विकास कार्यक्रम: गुजरात के खेड़ा जिले के 292 से अधिक किसानों के लिए नवाचार प्रदर्शन दौरा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को फसल सुरक्षा और पशुधन में बीमारी प्रबंधन के लिए हर्बल फॉर्मूलेशन तैयार करने के विभिन्न तरीकों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रमों के दौरान किसानों ने फैंब लैब का दौरा किया और कृषि के क्षेत्र में विभिन्न जमीनी स्तर की तकनीकों पर काम कर रहे इंजीनियरों के साथ बातचीत की और रानप्र द्वारा इनक्यूबेटेड विभिन्न तकनीकों के बारे में अधिक जानने का अवसर मिला।

गुजरात के एक आकांक्षी जिले नर्मदा में चावल की किस्म कुदरत 5 के खेत में परीक्षण पर ए फील्ड डे कम अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन 26 अक्टूबर, 2020 को किया। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक किसानों ने भाग लिया, जहां वे रानप्र की गतिविधियों और प्रासंगिक गतिविधियों में उनकी संभावित भागीदारी से परिचित हुए। उन्हें चावल की फसल के कीट के प्रबंधन में किए जाने वाले आईटीके आधारित हर्बल कीटनाशक सहित आईपीएम उपायों के बारे में भी बताया गया। हर्बल फॉर्मूलेशन की तैयारी और प्रभावी उपयोग पर दो प्रदर्शन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों में आयोजित किए गए थे, जहां खरीफ और रबी 2020 के दौरान सब्जियों की फसलों में कीटों के प्रबंधन के लिए गुजरात में 43 किसानों के खेतों में हर्बल फॉर्मूलेशन के ऑन-फार्म परीक्षण किए गए थे। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के दो ब्लॉकों (कुरेभर और मोतीगरपुर) में रानप्र-भारत और केवीके, सुल्तानपुर द्वारा संयुक्त रूप से फील्ड डे सह किसान-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम 1-2 मार्च, 2021 के दौरान आयोजित किया गया, जहाँ 42 किसानों को किसानों की उन्नत फसल की किस्मों, गुणवत्ता वाले बीजों का महत्व और उत्पादन तकनीक के बारे में परिचित कराया गया। प्रतिभागियों को कार्यक्रम के दौरान फसलों और जानवरों में उत्कृष्ट आईटीके आधारित कीट और रोग प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी गई।

ग्रीनशाला पहल के तहत जैविक खेती में कौशल विकास प्रशिक्षण, खेतों में ताजा उपज में इन-सीटू मूल्यवर्धन, खाद तैयार करना, विभिन्न फसलों की पारंपरिक किस्मों का संरक्षण, रानप्र द्वारा इनक्यूबेटेड सर्वोत्तम पद्धतियों का क्षेत्र प्रदर्शन और उद्यमिता को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियों का आयोजन ग्रामभारती क्षेत्र के किसानों, ग्रामीण अध्ययन में परास्नातक के छात्रों और स्थानीय युवाओं के बीच किया गया। इनमें 1000 से अधिक किसानों, छात्रों और स्थानीय युवाओं ने व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया और इन गतिविधियों से लाभान्वित हुए।

रानप्र ने डेलंग, पुरी में 15 जनवरी, 2021 को और महिला प्रौद्योगिकी पार्क के नुआगांव, गंजम में 28 जनवरी, 2021 को तथा जाजपुर जिला, ओडिशा में 14 मार्च 2021 को ग्रामीण महिला प्रशिक्षण कार्यशाला में भी भाग लिया। तीनों बैठकों में कई स्वयं सहायता समूहों की 200 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया था। उन्हें रानप्र की गतिविधियों और उपयोगी जमीनी स्तर की प्रौद्योगिकियों के प्रसार के बारे में जानकारी दी गई थी। कार्यशाला का आयोजन केआईआईटी टीबीआई द्वारा किया गया था।

मच्छर भगाने वाली क्रीम हर्बल मोस्थवाक का प्रसार-असम के राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के समन्वय में मच्छर भगाने वाली हर्बल क्रीम मोस्थवाक को उदलगुरी जिले के ओरंग ब्लॉक के तहत पांच पिछड़े गांवों में बांटा गया था। बोरो और टी ट्राइब्स वाला यह इलाका अतीत में मलेरिया की घटनाओं भरा पड़ा था। इसी तरह ओडिशा के मलकानगिरी, गंजम जिलों और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर तथा बीजापुर जिलों और मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के मलेरिया प्रवण क्षेत्रों में जिला अधिकारियों एवं जिला स्तरीय मलेरिया नियंत्रण टीमों के सहयोग से मोस्थवाक क्रीम के ट्यूब वितरित किए गए। मोस्थवाक क्रीम के लिए हर्बल फॉर्मूला रानप्र द्वारा विकसित किया गया था और शाश्वत ग्रीन वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड को लाइसेंस दिया गया था, जो NIFentreC के तहत एक इन्क्यूबेटेड उद्यम है। इन सभी क्षेत्रों में करीब 13000 ट्यूब का प्रसार किया गया। गांवों में अंतिम उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है, बिना किसी दुष्प्रभाव के मच्छर को लगभग चार घंटे दूर रहने की सूचना मिली।

अन्य पहल-तृणमूल नवाचार को लोकप्रिय बनाने के लिए रानप्र ने विज्ञान प्रसार द्वारा प्रबंधित भारत के एकमात्र ऑनलाइन विज्ञान चैनल (www.indiascience.in) पर जन विज्ञान श्रृंखला के प्रसारण के लिए सामग्री में योगदान दिया। रानप्र द्वारा समर्थित 38 तृणमूल नवाचारों की श्रृंखला प्रसारित की गई।

नवप्रवर्तकों को मान्यता

‘सोलर आयरनिंग कार्ट’ के लिए डॉ एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट अवार्ड 2019 की विजेता विनीशा उमाशंकर ने इसी नवाचार के लिए स्टॉकहोम, स्वीडन में बच्चों के जलवायु पुरस्कार 2020 के दौरान स्वच्छ वायु पुरस्कार जीता। वह उन बच्चों में से एक थी जिन्होंने जलवायु और पर्यावरण के लिए

असाधारण प्रयास किए हैं। सिक्किम के इंसपायर अवार्ड आयुष रंजन को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2021 के लिए चुना गया है। वह 15 अगस्त को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से पुरस्कार प्राप्त करेंगे।

स्मरणीय उल्लेख

कोविड-19 चैलेन्ज प्रतियोगिता (C3) में तृणमूल नवप्रवर्तक राजेंद्र जाधव से रानप्र को प्राप्त अभिनव स्प्रेयर को सतना और महाराष्ट्र राज्य में अन्य स्थानों पर लागू किया गया था। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 65 वें संस्करण में 31 मई, 2021 को कोविड-19 महामारी के दौरान देश के आम लोगों द्वारा नवाचारों के बारे में बात करते हुए इस नवीन तकनीक का उल्लेख किया गया था।

इसके बाद 68वें मन की बात में भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 2 सितंबर, 2020 को आंध्र प्रदेश के एतीकोप्पाका गांव के तृणमूल नवप्रवर्तक सी वी राजू का उल्लेख किया। उनके नवाचार ‘लकड़ी के खिलौनों के लिए हर्बल रंग’ के लिए राजू को भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वारा रानप्र के दूसरे द्विवार्षिक राष्ट्रीय तृणमूल नवप्रवर्तन एवं विशिष्ट पारम्परिक ज्ञान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2018 में उन्हें राष्ट्रपति भवन में इनोवेशन स्कॉलर इन-रिसर्च कार्यक्रम के 5वें बैच का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

रानप्र द्वारा समर्थित एक अन्य नवप्रवर्तक मुरुगेसन, मद्रुरै, तमिलनाडु का उल्लेख भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 28 फरवरी, 2021 को अपने 74 वें मन की बात में किया था। उनके नवाचार ‘बनाना फाइबर प्रोसेसिंग मशीन’ को रानप्र द्वारा व्यापक प्रसार के लिए समर्थन दिया गया है।

वैश्विक आयुर्वेद शिखर सम्मेलन के चौथे संस्करण में 15 सितंबर, 2020 को ‘महामारी के दौरान आयुर्वेद के लिए उभरते अवसर’ विषय पर बोलते हुए भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम वेंकैया नायडू ने आयुर्वेद के लिए कार्य करने वालों से राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। इसके साथ आधुनिक तकनीक की अपार संभावनाओं का लाभ उठाने की दिशा में सामूहिक रूप से काम करने, अब तक अनदेखे प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से जुड़ने और आयुर्वेद को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने के लिए समाधान खोजने को कहा।

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक

इंस्पायर अवार्ड्स मानक सत्र 2020-21 के लिए ऑनलाइन नामांकन 1 जून, 2020 से 15 अक्टूबर, 2020 तक प्राप्त किया गया। इससे पहले 11 मई 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रानप्र द्वारा आयोजित राज्य नोडल अधिकारियों (SNO) की बैठक में 29 राज्यों ने भाग लिया और आमंत्रण कॉल की अवधि पर सहमति व्यक्त की। बड़े पैमाने पर आउटरीच अभियान के तहत, शिक्षकों और स्कूलों और पदाधिकारियों में जागरूकता पैदा करने के लिए रानप्र ने लगभग 200 ऑनलाइन कार्यशालाओं (8 जून से 9 अक्टूबर, 2020 के बीच) का आयोजन किया, जिसमें देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के करीब 40,000 प्रतिभागियों (शिक्षक, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारियों, राज्य / जिला नोडल अधिकारियों) ने भाग लिया।

अभियान को और गति प्रदान करने के लिए बॉक्सिंग लीजेंड एम सी मैरी कॉम और लोकप्रिय लेखक / स्तंभकार चेतन भगत ने देश भर के छात्रों से इंस्पायर अवार्ड्स मानक कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया। रानप्र ने प्रसिद्ध वॉयस ओवर कलाकार और अनुभवी समाचार एंकर शम्मी नारंग द्वारा एक मिनट के छह रेडियो स्पॉट (हिंदी और अंग्रेजी) भी विकसित किए, जिन्हें ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से व्यापक रूप से प्रसारित किया गया था। टीवी 18 जैसे लोकप्रिय समाचार चैनलों ने स्वेच्छा से अपने प्राइम टाइम स्लॉट में छात्रों से वार्षिक इंस्पायर अवार्ड्स मानक कार्यक्रम में भाग लेने का आग्रह किया। इंस्पायर अवार्ड्स मानक को भारत सरकार के उमंग ऐप के साथ एकीकृत किया गया। ई-एमआईएस सिस्टम को एनआईसी क्लाउड में स्थानांतरित करने की दिशा में पहल की गई।

इन प्रयासों के साथ 15 अक्टूबर, 2020 को नामांकन के अंतिम दिन तक वर्ष 2020-21 के लिए लगभग 6.53 लाख विचार और नवाचार प्राप्त हुए। ये नामांकन सभी राज्यों और संघ के 702 जिलों (कुल 727 जिलों में से) से प्राप्त हुए थे। कुल 50.7% लड़कियों के प्रतिनिधित्व के साथ अधिकतम नामांकन देश के ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त हुए थे। नामांकित विचारों की संख्या के आधार पर राजस्थान पहले स्थान पर रहा और उसके बाद बिहार (दूसरा), छत्तीसगढ़ (तीसरा), कर्नाटक (चौथा), ओडिशा (पांचवां), झारखंड (छठा), महाराष्ट्र (सातवां), आंध्र प्रदेश (आठवां), मध्य प्रदेश (9वां), उत्तर प्रदेश (10वां) स्थान पर रहा। देश के 124 आकांक्षी जिलों में

से 123 (99%) ने इसमें भाग लिया और इस वर्ष प्राप्त कुल नामांकन में उनका हिस्सा 22.33 प्रतिशत रहा।

रानप्र ने प्राप्त नामांकनों की समीक्षा के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली विकसित की और इसे क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर होस्ट किया, जिसके उपयोग से देश के प्रमुख संस्थानों के लगभग 400 विशेषज्ञों ने दिसंबर 2020 के दूसरे सप्ताह तक सभी विचारों का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन के बाद 53,021 छात्रों को इंस्पायर अवार्ड्स के लिए चयनित किया गया था।

चूंकि कोविड-19 महामारी के कारण भौतिक प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन संभव नहीं था। ऐसे में रानप्र ने जिला / राज्य / राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी सह प्रोजेक्ट्स प्रतियोगिता (डी / एस / एनएलईपीसी) ऑनलाइन आयोजित करने के लिए एक मोबाइल ऐप विकसित किया। सभी छात्रों को एंड्रॉइड और आईओएस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध मानक प्रतियोगिता ऐप का उपयोग करके अपने प्रोजेक्ट विवरण (सूचना, फोटो, वीडियो, ऑडियो) को अपलोड करने के लिए कहा गया था। रानप्र ने ऑनलाइन डी/एसएलईपीसी के कार्यान्वयन के लिए राज्य, जिला प्राधिकरण के लिए एक अलग डैशबोर्ड विकसित किया है, जहां प्राधिकरण डेटा अपलोड की स्थिति की जांच कर सकता है और साथ ही छात्रों के लॉगिन के लिए पासवर्ड रीसेट कर सकता है।

पिछले वित्त वर्ष के बचे हुए डी / एसएलईपीसी को भी ऐप का उपयोग करके आयोजित किया गया। कुल आठ राज्य स्तरीय प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट प्रतियोगिताएं (एसएलईपीसी) आयोजित की गईं, जहां 1552 छात्रों ने भाग लिया। इसके साथ ही कुल 70 जिला स्तरीय प्रदर्शनी और प्रोजेक्ट्स प्रतियोगिताओं (डीएलईपीसी) का आयोजन किया गया, जिसमें 5390 छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा राज्य स्तर के चयनित छात्रों के लिए 15 मेट्रिंग वर्कशॉप (ऑनलाइन / ऑफलाइन) आयोजित की गईं, जिसमें 20 राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों के 370 छात्रों ने भाग लिया। एनएलईपीसी में भागीदारी के लिए उन्नत प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए लगभग 300 छात्रों को उत्पाद विकास सहायता प्रदान की गई। इस अवधि के दौरान इंस्पायर अवार्ड्स - मानक के 7वें एनएलईपीसी में चयनित छात्रों के प्रोजेक्ट में से 27 बेहतर प्रोटोटाइप भी इन-हाउस विकसित किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

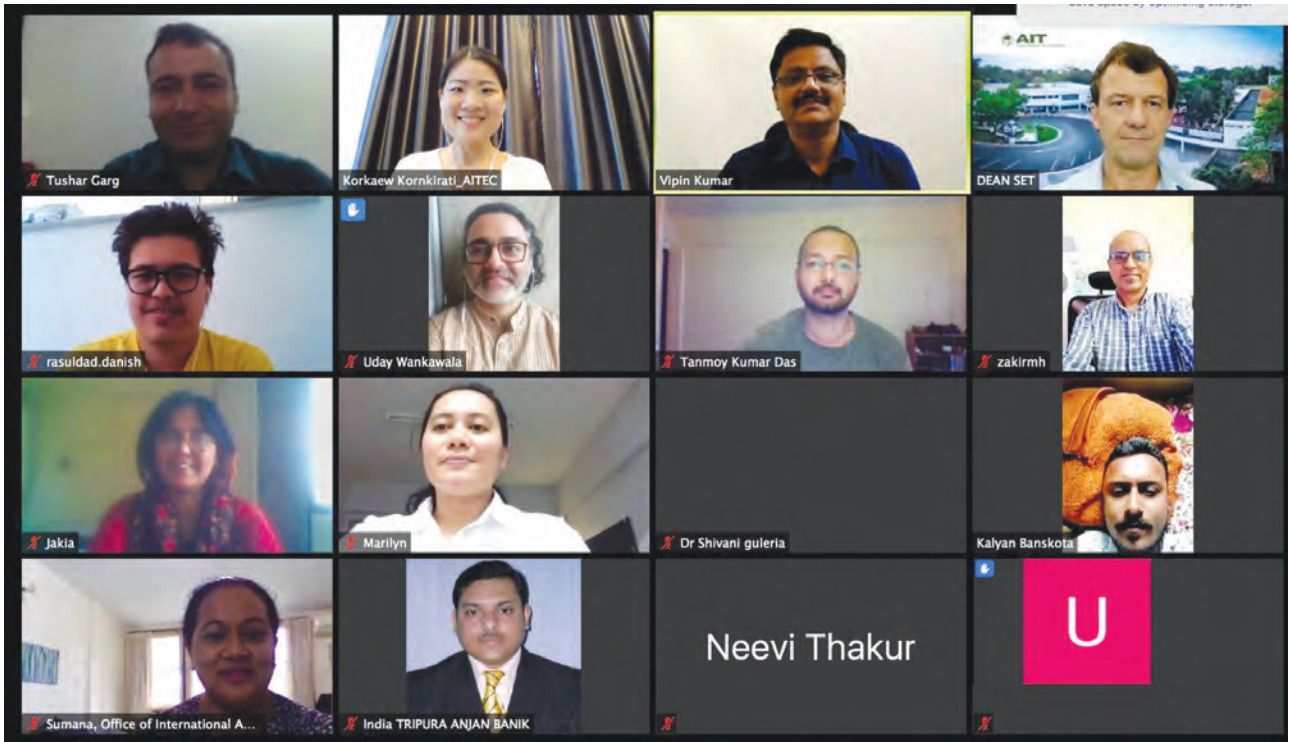
भारत दक्षिण अफ्रीका तृणमूल नवप्रवर्तन कार्यक्रम - दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) सहयोग पर प्रगति के आकलन के लिए 25 जून, 2020 को एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें डीएसटी, भारत, रानप्र और डीएसआई, दक्षिण अफ्रीका ने भाग लिया। दोनों देशों के बीच तृणमूल नवप्रवर्तन कार्यक्रम पर चर्चा हुई। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एसटीआई सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए प्रौद्योगिकियों की एक चयनित सूची को डीएसआई, दक्षिण अफ्रीका के साथ साझा किया गया।

आसियान इंडिया इनोवेशन प्लेटफॉर्म (AIIP)

भारत और आसियान सदस्य राज्यों (एएमएस) के बीच चल रहे एसटीआई सहयोग की समीक्षा के लिए आसियान - भारत एस एंड टी विकास कोष (एआईएसटीडीएफ) की 7 वीं बैठक 10 नवंबर, 2020 को आयोजित की गई थी। बैठक में एएमएस के

प्रतिनिधियों को आसियान इंडिया इनोवेशन प्लेटफॉर्म (AIIP) - सामाजिक नवाचारों की प्रगति पर जानकारी दी गई। रानप्र द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म, एएमएस और भारत के नवाचारों, परित्यक्त पेटेंट और 33 भारतीय नवाचारों के मैपिंग स्टडी को सूचीबद्ध करता है जो आसियान सदस्य राज्यों में संभावित उपयोग के लिए आशाजनक प्रतीत होते हैं। भारत और एएमएस के बीच एसटीआई आधारित सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से आसियान सदस्य राज्यों में समकक्ष संगठनों के साथ कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए प्रौद्योगिकियों की एक चयनित सूची भी साझा की गई, जिसके नतीजतन फिलीपींस जैसे सदस्य राज्यों ने साझा प्रौद्योगिकियों के समर्थन में आंतरिक रूप से चर्चा शुरू की।

पांचवां ब्रिक्स यंग साइंटिस्ट फोरम - फोरम का आयोजन 21 से 25 सितंबर, 2020 के बीच वर्चुअल मोड में किया गया था और इसमें रानप्र के कई वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्वानों ने भाग लिया था। रानप्र ब्रिक्स युवा नवप्रवर्तक प्रतियोगिता के लिए जूरी का भी हिस्सा था।



निदेशक, रानप्र ने एशियाई प्रौद्योगिकी, संस्थान थाईलैंड के लिए 'राष्ट्रों की आत्मनिर्भरता में नवाचारों की उभरती भूमिका पर' में एक विशेषज्ञ के रूप में बात रखी।

नई पहल और साझेदारी

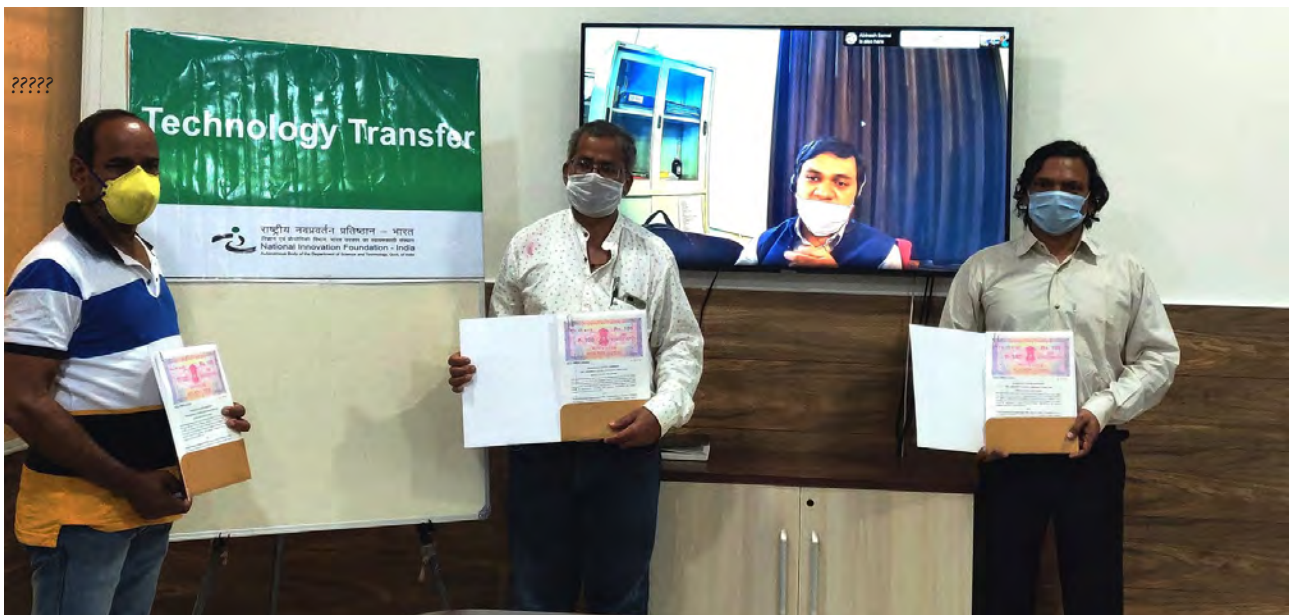
रानप्र ने 27 मई, 2020 को सीजीआईएआर (अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान पर सलाहकार समूह) केंद्र एलायंस बायोवर्सिटी इंटरनेशनल एंड इंटरनेशनल सेंटर फॉर ट्रॉपिकल एग्रिकल्चर के साथ कृषि जैव विविधता से सम्बंधित नवप्रवर्तनों के क्षेत्र में संसाधनों और विशेषज्ञता के लिए सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

रानप्र ने 23 नवंबर, 2020 उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) में तृणमूल नवप्रवर्तनों के प्रसार को मजबूत करने के लिए पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी), उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) के पूर्वोत्तर क्षेत्र सामुदायिक संसाधन प्रबंधन सोसाइटी (एनईआरसीआरएमएस) के साथ एक समझौता किया। साझेदारी के तहत रानप्र ने पूर्वोत्तर राज्यों में 15000 हरमन 99 सेब के पौधों के प्रत्यारोपण की सुविधा प्रदान की।

रानप्र ने 17 मार्च, 2021 को गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर (जीबीआरसी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, गुजरात सरकार के साथ स्वदेशी हर्बल दवाओं के सत्यापन और मूल्यवर्धन के संदर्भ में अनुसंधान, संस्थागत विकास, क्षमता विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनए) द्वारा प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम सामग्री में तृणमूल नवप्रवर्तनों से सम्बंधित मसौदा तैयार करने के लिए रानप्र को 95वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स (सीएफसी) के लिए एक सहयोगी संस्थान के आमंत्रित किया गया। इस सार्थक जुड़ाव के अनुरूप रानप्र ने प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम सामग्री का मसौदा तैयार किया, जिसमें रानप्र के बारे में जानकारी देने के साथ और नवोन्मेषकों के चयनित (20) केस स्टडीज की जानकारी को शामिल किया गया था। डीएसटी के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में, रानप्र ने एक कॉफी टेबल बुक प्रकाशित करने की पहल की, जो राष्ट्र और उसके लोगों की सेवा में रानप्र की दो दशकों की यात्रा को दर्शाएगी।

रानप्र ने केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 50 पौधों के गुणवत्ता मानकों को विकसित करना शुरू किया। रानप्र ऐसे कई हजार पद्धतियों से गुजरता है जो देश में औपचारिक नहीं हैं और अभी भी गैर-संहिताबद्ध रूप में हैं। रानप्र इस प्राचीन, गैर-संहिताबद्ध पारंपरिक ज्ञान को ठीक से प्रलेखित करके उन्हें कम होने से बचाता है। अब तक देश के विभिन्न हिस्सों से पारंपरिक चिकित्सकों द्वारा उपयोग किए जाने



मशरूम की खेती के लिए प्रौद्योगिकी “धान स्ट्रॉ कटर” को ओडिशा स्थित कृषि उपकरण फर्म मेसर्स सुप्रीम इंटरप्राइजेज को हस्तांतरित किया गया।



रानप्र ने गुजरात जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र (जीबीआरसी), डीएसटी, गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया ।

वाले ऐसे 100 से अधिक गैर-संहिताबद्ध पौधों को रानप्र द्वारा उनकी प्रभावकारिता के लिए मान्य किया गया है ।

महामारी के कारण, भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार (NEA) 2020 को स्थगित कर दिया गया था। रानप्र वर्ष के लिए प्रमुख भागीदार होने के नाते, आईओएस और एंड्रॉइड मोबाइल ऐप के साथ एनईए का एक बेहतर वेब पोर्टल विकसित किया और उन क्षेत्रों में भी वेब एप्लिकेशन एक्सेस की सुविधा के लिए उनके लाइट संस्करण विकसित किए जहां इंटरनेट कनेक्टिविटी अपेक्षाकृत खराब है ।

देश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रानप्र परिसर में कर्मियों ने विभिन्न स्वास्थ्य और औषधीय मूल्य के पारंपरिक किस्म के 50 से अधिक पौधे लगाए। इसमें अरिथा (सपिंडस मुकोरोसी), बोर्सल्ली (मिमुसोप्स एलेंगी), गम्हार (मेलिना आर्बोरिया), गरमालो (कैसिया फिस्टुला), गीगर ट्री (कॉर्डिया सेबेस्टेना), हरसिंगार (निकटेंथेस आर्बर-ट्रिस्टिस), जैकरांडा (जैकरांडा मिमोसिफोलिया), कदम (नियोलामार्किया कदंबा), कामिनी (मुराया पैनिकुलता), निम्बारो (मेलिया दुबिया) शामिल हैं ।



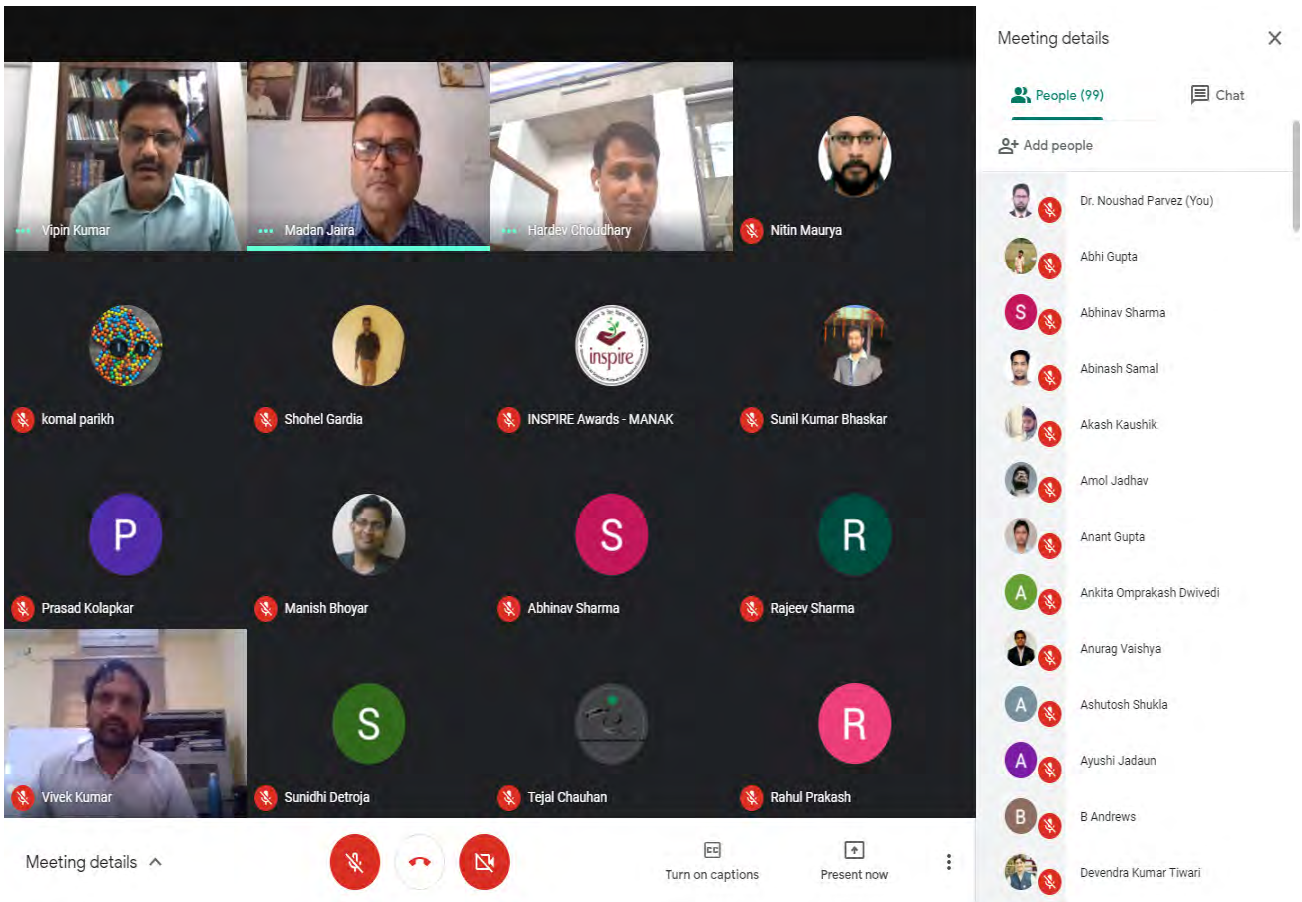
रानप्र के कर्मियों द्वारा परिसर में लगाए जा रहे पौधे ।

हिन्दी का प्रचार -प्रसार

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान- भारत (रानप्र) ने वर्ष के दौरान सरकार की भाषा नीति को लागू करने के लिए कई पहल किये हैं। रानप्र राजभाषा नियमों का परिपालन वर्ष भर करने के साथ विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में प्रचार-प्रसार भी करता रहता है। बीते वर्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की हिंदी राजभाषा समिति द्वारा रानप्र के हिंदी कार्यों की समीक्षा की गई है। समीक्षा रिपोर्ट में संस्थान द्वारा हिंदी के लिए किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की गई और कुछ सुझाव भी दिए गए।

रानप्र ने रिपोर्ट के आधार पर वर्ष के दौरान लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए कई कदम उठाये। राजभाषा अधिनियम - 3 (3) के अंतर्गत आने वाले सभी दस्तावेजों जैसे; संकल्प, सामान्य आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें, प्रेस विज्ञप्तियां, निविदा प्रपत्र, संसद के किसी सदन या दोनों सदनों के समक्ष रखी जाने वाली प्रशासनिक तथा अन्य रिपोर्ट आदि को

द्विभाषी करने के लिए कई प्रयास किये। राजभाषा द्वारा निर्धारित क्षेत्रों क, ख, ग में हिन्दी/ द्विभाषी पत्राचार का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु रानप्र से जारी होने वाले सभी पत्रों के शीर्षक/ उपशीर्षक/ विषय आदि एवं आखरी के हस्ताक्षर (पद लेख) के पंक्तियों को द्विभाषीय/हिंदी करने की शुरुआत की गई। ईमेल के माध्यम से होने वाले पत्राचार को भी द्विभाषी रखा जाने का प्रयास किया गया। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत ने अपने कार्यालयों में राजभाषा नीति एवं तत्संबंधी सरकारी आदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न जांच बिन्दु बनाये। इसके साथ ही सभी फार्म, कोड, मैनुअल, सभी नामपट्ट, सूचनापट्ट, कार्यालय के वाहनों पर कार्यालय का विवरण, मानक प्रपत्र/फार्म, प्रक्रिया संबंधी साहित्य, सील/मुहर, साइनबोर्ड, बैज, बैनर, विजिटिंग कार्ड, परचिय पत्र, निमंत्रण पत्र, शीर्ष और लिफाफों पर उत्कीर्ण लेख तथा लेखन सामग्री आदि द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) रूप में बनवाया गया।



श्री मदन जैडा, राष्ट्रीय ब्यूरो प्रमुख, हिंदुस्तान ने हिंदी दिवस 2020 के अवसर पर 'हिंदी भाषा का वर्तमान और भविष्य' विषय पर व्याख्यान दिया।

रानप्र ने वर्ष के दौरान राजभाषा समिति, डीएसटी को त्रैमासिक, वार्षिक रिपोर्ट के साथ नगर राजभाषा समिति को अर्धवार्षिक और वार्षिक रिपोर्ट जमा कराये। वर्ष के दौरान आयोजित हिंदी पखवाड़ा में हिंदी भाषा के प्रचार- प्रसार के साथ कार्यालय में अधिकाधिक प्रयोग के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। संस्थान के सभी वेबसाइटों व उपयोग में लाये जाने वाले एमआईएस को द्विभाषी करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की गई। चूंकि रानप्र के कर्मी विभिन्न राज्यों के हैं ऐसे में उनमें हिंदी को लोकप्रिय बनाने के लिए परिसर में एक व्हाइटबोर्ड पर प्रमुखतासे बोला जाने वाला एक हिंदी शब्द रोज लिखा जाता है। हिंदी शब्द के ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन और इसके अर्थ को कर्मचारियों की आसानी के लिए अंग्रेजी में भी लिखा जाता है। रानप्र के सभी पोस्टर और प्रसार सामग्री हिंदी और अंग्रेजी दोनों में उपलब्ध हैं। इस वर्ष के दौरान रानप्र ने कुल 4 पुस्तिकाएं, 4 ब्रोशर, 10 लीफलेट, 3 वीडियो स्पॉट्स के साथ कई अन्य प्रचार सामग्रियों को हिंदी में तैयार किया। हिंदी के साथ-साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी अन्य सभी प्रकाशनों के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त रानप्र क्षेत्रीय भाषाओं को भी बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास करता है। स्थानीय भाषाओं में रानप्र को प्राप्त सभी पत्रों को उसी भाषा में उत्तर दिया जाता है। इसके लिए अनुवादकों की सेवाएं ली जाती हैं। रानप्र के पुस्तकालय में हिंदी पुस्तकों की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।



हिंदी दिवस 2020 के अवसर पर रानप्र द्वारा कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किया गया

प्रशासनिक एवं वित्तीय मामले

रानप्र ने मेसर्स जॉय बक्सी एंड एसोसिएट्स, एक सीएजी पैनल वाले लेखा परीक्षक को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए सांविधिक लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक नियुक्त किया।

सरकार सम्बन्धी गतिविधियां

रानप्र ने डीएसटी की वार्षिक रिपोर्ट (2019-20) के लिए तिमाही आरटीआई रिपोर्ट, मासिक और त्रैमासिक केपीआई, परिणाम बजट और संसदीय प्रश्नों से संबंधित और कैबिनेट और पीएमओ के लिए मासिक सारांश के लिए इनपुट विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को प्रस्तुत किया। जीएफआर, वर्ष 2017 के नियम 229 (Xi) के अनुसरण में रानप्र ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए डीएसटी के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

८

रानप्र में संविधान दिवस समारोह का आयोजन 26 नवंबर, 2021 को किया गया, जिसमें पोस्टर डिजाइनिंग, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और देश के संविधान विषय पर वार्ता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही साथ भारत के संविधान की सूचना का व्यापक प्रसार करने के उद्देश्य से कार्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर मौलिक कर्तव्यों पर पोस्टर प्रदर्शन भी किया गया।

युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के पंथ से दूर रहने तथा आम लोगों की पीड़ा को दर्शाने के लिए 21 मई, 2020 को 'आतंकवाद निरोधी दिवस' के रूप में मनाया गया जिसका मुख्य संदेश यह बताना था कि आतंकवाद राष्ट्र के लिए हानिकारक है। इस अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रकाशन

प्रकाशित शोध पत्र (4)

Dave PP, Singh S, Chodvadiya MB, Choudhary H, *Bioefficacy of crude polyherbal formulations against hoppers (Insecta: Hemiptera) of rice*, Journal of Entomology and Zoology Studies 8(6): 1392-1398, 2020 DOI: <https://doi.org/10.22271/j.ento.2020.v8.i6s.8023>

Parvez N, Choudhary H, Shinde VV, More VG, Kudtarkar US, Gabhale LK, Dhane AS, Gangawane SB, Maru B, Ghole SV and Pisore BN, *Performance Evaluation of Farmers' Onion Varieties against Purple Blotch Disease*, Asian Journal of Agricultural Extension, Economics & Sociology. 38(10): 52-62, 2020; Article no. AJAEES.62092 DOI: 10.9734/AJAEES/2020/v38i1030430

Rawat P, Singh PK, Ghorui S, Kumar V, *Exploring Scientific Evidence of Grassroots' Traditional Medicinal Knowledge of Chhattisgarh, India*, in Human Healthcare, Current Traditional Medicine 6(3): 203 – 224, 2020.

Maurya C, Maurya N, *Ancient Indian ergonomics wisdom and its contemporary significance*, Theoretical Issues in Ergonomics Science, Mar 22, 2021. <https://doi.org/10.1080/1463922X.2021.1898061>

पुस्तकें (3)

कंटूर्स ऑफ़ क्रिएटिविटी

सृजनसिलता रे चित्रिता ओडिशा (उड़िया)

उस्मा आँचल रा सेओ (उड़िया)

पुस्तिकाएं (3)

उच्च व्यावसायिक मूल्य वाली फ्रूट क्रॉप्स की स्वदेशी किस्में

किसानों द्वारा विकसित उन्नत किस्म की सब्जी फसलें (हिन्दी)

अभिनव कहानियां (हिंदी और अंग्रेजी)

हैंडबुक (1)

इंस्पायर के लिए शिक्षक हैंडबुक

पत्रक (7) (Leaflets)

एक्टोपैरासाइट्स के लिए हर्बल पद्धति (गुजराती)

अमरूद (जी-विलास पसंद)

बैंगन (लेडइ 1 और निरंजन भाटा)

मिर्च (हेलेन मोरक और एएमपी-आर)

धान (चिन्नार-20 और कुदरत-5),

अरहर (त्रय्या 2000)

फूलगोभी (सोनाली-45)

तकनीकी बुलेटिन (1)

सफेद मक्खी से बचाव के लिए हर्बल पद्धतियां (गुजराती)

लेख (6) (Article)

**2020-21 के दौरान स्वीकृत पेटेंट एवं पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण
अधिनियम 2001 के तहत किस्म पंजीकरण**

क्र. संख्या	नवाचार का शीर्षक	नवाचारी का नाम	पेटेंट संख्या
1	तंत्रिका संबंधी विकारों के उपचार प्रबंधन के लिए हर्बल मिश्रण	उमेश सिंह	356907
2	दस्त के उपचार के लिए हर्बल मिश्रण तथा उसकी विधि	वी. रोथंगा	358233
3	हर्बल मिश्रण तथा उसका उच्च रक्तचाप को नियंत्रण करने में उपयोग	कन्हई राम महतो	356095
4	हर्बल मिश्रण तथा उसका उच्च रक्तचाप को नियंत्रण करने में उपयोग	कांजीभाई पटेल	361667
5	गठिया और गाउट के उन्मूलन के लिए एंटी-इंफ्लेमेटरी एनाल्जेसिक एंटी-पायरेटिक गुणों से युक्त हर्बल मिश्रण और उसकी उपयोग विधि	चिकाने हीरामन बाबन	356804
6	श्वसन तंत्र सम्बन्धित रोगों के चिकित्सीय उपचार प्रबंधन के लिए हर्बल मिश्रण	मुश्ताक अहमद शापू	359513
7	मेटाबॉलिक (चयापचय) रोगों में उच्च रक्त शर्करा के स्तर के उपचार के लिए हर्बल मिश्रण और इसे तैयार करने की प्रक्रिया	गणेश दत्त शर्मा	358849
8	मलेरिया परजीवी के कारण होने वाली बीमारियों और जटिलताओं के इलाज के लिए हर्बल विधि	श्यामलाल चतुर्वेदी	359826
9	औषधीय गुणों से युक्त हर्बल एंटी-इंफ्लेमेटरी (सूजन की समस्या) पेय पदार्थ	सिया देवी	363070
10	बालों के झड़ने के उपचार के लिए हर्बल सूत्रीकरण	मीना आर	350529
11	मलेरिया के इलाज के लिए हर्बल मिश्रण और औषधि	नारायण सिंह (स्वर्गीय मदी सिंह के कानूनी वारिस)	354623
12	मलेरिया के इलाज के लिए हर्बल मिश्रण और औषधि	धनभाई हमीरभाई गरवा	341166
13	दांतों में होने वाले संक्रमण के इलाज के लिए हर्बल औषधि	बिबरी बोरो	363059
14	सेरेब्रल मलेरिया के लिए हर्बल औषधि	तपन हीरा (स्वर्गीय भुला हीरा का कानूनी वारिस)	350956
15	बालों की देखभाल के लिए हर्बल मिश्रण	फुरित्साबम बिश्वरूप सिंह	363066
16	ओटोरिया (कान सम्बन्धी समस्या) के इलाज में उपयोग के लिए नया उपयुक्त हर्बल मिश्रण	धनीराम फुकन	339200

17	हर्बल बिस्कुट तथा उसको बनाने की विधि रत्नीबेन भीमाभाई हथेला सकुबेन गजाभाई हथेला	यशोदाबेन श्रीरामभाई चौधरी	358718
18	सिर और शरीर में दर्द सम्बन्धित इलाज में उपयोगी एक नवीन सहक्रियाशील हर्बल मिश्रण	कुल्हा कथारा	349481
19	घाव या अल्सर के उपचार के लिए हर्बल मिश्रण	हदुनन्द नायक	354869
20	पीलिया को ठीक करने के लिए हर्बल औषधि	जोगाभाई नवाभाई बुबड़िया	360236
21	मेनोरेजिया के लिए औषधि	मंगीलाल माली	356617
22	दर्द के उपचार तथा रोकथाम के लिए एक हर्बल मिश्रण	रामाजीभीमाजी परमार समतभाई सोलंकी	336151
23	पशुओं में जठरांत्र संबंधी एंडोपैरासिटिक संक्रमणों के खिलाफ प्रभावी एक हर्बल मिश्रण	सूर्या बर्मन	349482
24	अन्तःपरजीवी (एन्डोपैरासाइट) संक्रमण सम्बन्धित इलाज के लिए हर्बल मिश्रण और औषधि	दयाभाई वासरामभाई भरवाडी	349705
25	एक्टोपैरासिटिक संक्रमण के उपचार अथवा रोकथाम के लिए हर्बल मिश्रण	सुमति साहू	354586
26	मैस्टाइटिस के उपचार के लिए हर्बल सूत्रीकरण	अरुणाचलम अन्नामलाई	356520
27	अल्पकालिक बुखार के उपचार के लिए हर्बल मिश्रण	नवल किशोर सिंह	362274
28	हर्बल मिश्रण की सहायता से आंत्रशोथ (एन्टराइटिस) का उपचार तथा इसको बनाने की विधि	पेरियासामी पुलपंकदई	362840
29	पादप कीटों के नियंत्रण तथा रोकधाम के लिए हर्बल मिश्रण	जोगू शाह	352692
30	पौधे के विकास को बढ़ावा देने के लिए उपचार	सोना मोहन सरकार	348661
31	हर्बल मिश्रण द्वारा बीज अंकुरण तथा वृद्धि के साथ साथ रोग प्रतिरोध क्षमता को संवर्धित करना अथवा बढ़ाना	भीखाजी कालूजी सोलंकी	350524
32	पौधों के कीटों के नियंत्रण या उन्मूलन के लिए हर्बल मिश्रण	चंद्रशेखर जी	334008
33	कृषि कीटों के नियंत्रण और रोकथाम के लिए हर्बल मिश्रण	जोगर्जिया देवशीभाई संग्रामभाई दरबार देवकुभाई जीवुभाई और कोलाडिया विनुभाई हाजीभाई	335760
34	हर्बल मिश्रण द्वारा बीज अंकुरण तथा वृद्धि के साथ साथ रोग प्रतिरोध क्षमता को संवर्धित करना अथवा बढ़ाना	हरगोवनदास जोड़ताराम पटेल	365085
35	वाशिंग मशीन में रिसाइकिल किए गए साबुन के पानी का उपयोग करने के लिए एक प्रणाली और उसकी विधि	आयुष्मान नायक	360371

36	कैश बॉक्स में रखी मुद्रा को स्वचालित रूप से स्टरलाइज करने का उपकरण तथा उसकी क्रिया विधि	अनुध मिश्रा अवनित मिश्रा और कौशतुभ भारद्वाज	353677
37	गैस रिसाव का पता लगाने और नियंत्रित करने के लिए एक स्वचालित गैस प्रकाश व्यवस्था	नीलेश राज	337872
38	बोरवेल निरीक्षण	गिरीश बदरागोड	338652
39	उबले खाद्य पदार्थ के प्रसंस्करण के तरीके	पाओखोलियन ल्हुंगदिम	357873
40	रूई की बाती बनाने की मशीन	विजयभाई हरिलाल सोलंकी और दीपकभाई ब्रजलाल व्यास	359690
41	काली मिर्च तोड़ने का औज़ार	प्रथीश सी	360112
42	सड़क यातायात के लिए गतिमान लेन डिवाइडर	करिश्मा एस और सिद्धार्थ पाल	356759
43	मोबाइल (एक स्थान से दूसरे स्थान ले जाने में सुगम) मूंगफली श्रेणर	मोहनभाई सावजीभाई पटेल	336779
44	हल्का उबला धान और तिलहन टर्नर	रवि आर	337089
45	उपयोगी उपकरणों में प्रकाश स्थिरता	आशीष आर सादिया	353434
46	धुलाई का उपकरण	थॉमस एन ज	361562
47	छेडछाड़ रोधक यंत्र	मनु चोपड़ा	356267
48	दवा की समय सीमा खत्म होने की चेतावनी देने वाली प्रणाली तथा उसकी विधि	श्वेता शर्मा और जसकिरन गोराया	352475
49	कुदाल और फावड़ा	रेफ़ाज़ अहमद वानी इश्फ़ाक़ अहमद वानी	341931
50	स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली	अहमद शेख सिपाई फरहीनबानू मलिक अमलान अनुपम	356870
51	कैस्टर श्रेणर	जगमल सिंह	322825
52	प्रारूप अंकरण यंत्र	शेख मोहम्मद नाजिमी	352413
53	बहुउद्देशीय फोल्डेबल (मुड़ने योग्य) घरेलू उपकरण	गामी पंकित भीकुभाई और पटेल एकता शांतुभाई	344763
54	पानी गर्म करने का उपकरण तथा उसको गर्म करने का तरीका	दुर्लभ सिंह पुरी	361024
55	काली मिर्च की श्रेसिंग प्रणाली और उसकी विधि	नरसिम्हा भंडारी	360244
56	टैपिओका कंद में स्टार्च सामग्री का निर्धारण करने के लिए मापन उपकरण	राजमणि एस	343004
57	स्वचालित शटल कॉक थ्रोअर मशीन	सुभाष दास	345532
58	एक पेडल चालित मैनुअल ड्रिलिंग मशीन	विकास चैतराम शिंदे	347741
59	अखरोट धोने वाली मशीन	शाह तौसीफ अहमद	356115
60	काली मिर्च अलग करने वाला उपकरण	पलथ कुट्टप्पन रवि	336649
61	लोहे की जाली तैयार करने के लिए उपकरण	नौंगथोम्बम कुमार सिंह	351848
62	खाद्य उत्पादों को सुखाने के लिए उपकरण	मनिहार शर्मा	347067

63	जमीन से चीजो को इकट्ठा करने की प्रक्रिया के लिए उपकरण	स्वैन रश्मीरंजन	361028
64	मोटरसाइकिल में साइड स्टैंड के खुले होने की स्थिति में बाइक के संचालन को रोकने के लिए उपकरण	महाराजा वी	340265
65	वाहन द्वारा पहले से संरक्षित प्रोगाम के माध्यम से मार्ग निर्धारण करना	रश्मि मरुवदा	363004
66	गैस की सहायता से संचालित इस्त्री (प्रेस) उपकरण	के लिंगा ब्राह्मम	336936

पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 के तहत किस्म पंजीकरण

क्र. संख्या	पौधा किस्म	नवप्रवर्तक का नाम	पंजीकरण संख्या
1	एचआरएमएन-99: सेव की उन्नत प्रजाति	हरिमन शर्मा	REG/2014/1282

वर्ष 2020-21 के लिए वार्षिक लेखा

Independent Auditor's Report

TO THE MEMBERS OF THE GOVERNING BODY OF NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA

A Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1095, Regn. No. F/7412/Ahmedabad.

A Society registered under the Societies Registration Act, 1860, Regn. No. –GUJ/7567Ahmedabad.

Report on the Financial Statements

We have audited the financial statements of "NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA ("the Trust" or "the Society"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2021 and the Statement of Income & Expenditure Account for the year ended and the Receipts and Payments for the year ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management is responsible for preparation of these Financial Statements in accordance with Bombay Public Trust Act, 1950, the Societies registration Act, 1860 and guidelines Prescribed for preparation and presentation of financial statement for central Autonomous Body issued by Ministry of finance, Government of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with standards on auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Organizations preparation and fair Presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.



Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

- a) In the case of Balance sheet of the state of affairs of the Trust as at 31st March, 2021.
- b) In the case of Statement of Income and Expenditure Account, of the excess of expenditure over income for the year ended on 31st March, 2021.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

As required under Section 33(2) of the Bombay Public Trust Act, 1950, we further report that-

- a) The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the Rules.
- b) The Income and Expenditure are properly and correctly shown in accounts.
- c) The cash balance and vouchers in the custody of the authorized person on the date of audit were in agreement with the accounts.
- d) Books, Deed, Accounts Vouchers and other documents and records required by us were produced before us.
- e) A register of movable properties of the trust duly certified by the trustee has been properly maintained.
- f) There are no defect and inaccuracies mentioned in the previous audit report which is pending to be complied with.
- g) The manager/trustee appeared before us and furnished necessary information required by us.
- h) No properties of funds were applied for any object or purpose other than object or purpose of trust.
- i) We have not come across any case of alienations of immovable property contrary to the provisions of the section 36 of the Act.

Pursuant to the section 12-E of the Societies Registration Act, 1860 we further report that we have not come across any case of irregular, illegal or improper expenditure or failure or omission to recover monies or other property belonging to the society or of loss or waste of money or other property thereof on the part of governing body or any person.

Accrued liability in respect of Gratuity and Leave Encashment in conformity with the Accounting Standard – 15 (Accounting for retirement benefits) issued by the Institute of Chartered Accountants of India is being recorded on payment basis.

For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W
L. S. Somani
CA Snehal Somani
Partner
Membership No.127087
UDIN: 21127087AAAAEQ3074
Place: Gandhinagar
Date: 21-08-2021



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2021 को तुलनपत्र

(राशि रुपये)

विवरण	अनुसू ची	31-03-2021	31-03-2020
क: धरोहर / पूँजीगत कोष एवं दायित्व			
धरोहर / पूँजीगत कोष	1	6,52,30,981	10,81,61,898
भंडार और अधिशेष	2	1,45,05,142	75,96,295
अर्जित / अंतराल कोष	3	14,05,82,878	16,80,77,093
सुरक्षित ऋण और उधारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधारी	5	-	-
आस्थगित ऋण	6	-	-
वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान	7	3,25,67,023	1,41,86,984
कुल (क)		25,28,86,024	29,80,22,270
ख: परिसम्पतियां			
अचल परिसम्पतियां	8	4,01,72,546	2,33,36,704
निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	9	-	-
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसम्पतियां, ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पतियां विविध व्यय (जिसको लिखा या समायोजित नहीं किया गया है)	11	21,27,13,478	27,46,85,565
कुल (ख)		25,28,86,024	29,80,22,270

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा सम्बन्धित टिप्पणियां

24

समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

कृते जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार

फर्म पंजी सं. 115785W

S. S. Sonani

(स्नेहल एस. सोमानी)

साइनीदार

सदस्यता सं. 127087

यूडीआ 21127087AAAAEQ3074

स्थान : गांधीनगर

दिनांक 21-08-2021



कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(Signature)

(डॉ. विपिन कुमार)

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय खाता

विवरण	अनुसू ची	2020-21	2019-20
क: आय			
बिक्री / सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान / अनुवृत्ति	13	12,95,12,099	14,80,99,331
शुल्क / सदस्यता	14	-	-
निवेश से आय (निर्धारित / अक्षयनिधि कोष से निवेश पर आय को कोष में स्थानांतरित कर दिया गया है)	15	-	-
राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	89,29,072	19,68,354
अन्य आय	18	82,328	60,865
निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	-	-
कुल (क)		13,85,23,499	15,01,28,550
ख: व्यय			
स्थापना व्यय	20	5,41,66,978	5,61,16,407
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	7,67,01,652	7,42,40,713
अनुदान, सव्मिडी आदि पर व्यय,	22	-	-
व्याज	23	44,13,259	-
कुल (ख)		13,52,81,889	13,03,57,120
तुलन पत्र को स्थांतरित आय के ऊपर व्यय की अधिकता (क-ख)		32,41,610	1,97,71,430
मूल्यहास वर्ष के अंत में कुल		48,09,282	50,84,002
पहले की अवधि का समायोजन (मूल्यहास)		10,95,899	
शेष जो कि अधिक/(घाटा), जिसे की धरोहर / पूंजीगत कोष ले जाया गया		(4,71,773)	1,46,87,428

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं लेखा सम्बन्धित टिप्पणियां

24

समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

कृते जाँच बक्शी एंड एसोसिएट्स

सनदी लेखाकार
फर्म पंजी सं. 115785W

R. S. Somani

(स्नेहल एस. सोमानी)

साझीदार

सदस्यता सं. 127087

यूडीआ: 21127087AAAAEQ3074

स्थान : गांधीनगर

दिनांक 21-08-2021



कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(Handwritten signature)

(डॉ. विपिन कुमार)

मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र



बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950
अनुसूची 9सी (नियम 32 देखें)

01-04-2020 से 31-03-2021 तक की अवधि के लिए अंशदान अधीन आय विवरण

सार्वजनिक न्यास का नाम :		राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत बंगला नं. 1, सैटेलाइट सेंटर, सैटेलाइट कॉम्प्लेक्स, प्रेमचंदनगर रोड, जोधपुर टेकरा, सैटेलाइट, अहमदाबाद - 380015 फोन: + 91 02764261131, ईमेल : : info@nifindia.org
न्यासियों का नाम, पता और फोन नंबर, जिसे ऑडिट रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है: अनूलग्नक 1 देखें		
संबंधित बैंक खाते का विवरण: बचत खाता संख्या: 606802010000724 बैंक का नाम: युनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रेमचंदनगर, अहमदाबाद ट्रस्ट के विदेशी योगदान के लेनदेन से संबंधित बैंक खाता: उपलब्ध नहीं एएफसीआर संख्या पंजीकरण सं. F/7412/अहमदाबाद		
		रुपये
(i) सकल वार्षिक आय उस आय का विवरण जो अनुच्छेद 58 नियम 32 के तहत अंशदान के प्रभार्य नहीं है: वर्ष के दौरान किसी भी प्रकार से प्राप्त दान		
(क) कोर्पस		
(1) देश से	-	
(2) विदेश से, एएफसीआर संख्या और दिनांक	-	
(ख) सामान्य		
(1) देश से	-	
(2) विदेश से, एएफसीआर संख्या और दिनांक	-	
(ii) सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों से प्राप्त अनुदान (क) सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों से (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा योजनागत अनुदान])	12,95,12,099	
(ख) विदेश से	-	
(ग) निधिकरण एजेंसी द्वारा		
(1) देश से	-	
(2) विदेश से, एएफसीआर संख्या और दिनांक	-	
ब्याज से आय	90,11,400	
कुल सकल वार्षिक आय		13,85,23,499
(iii) शिक्षा के उद्देश्य से खर्च राशि	14,00,91,171	
(iv) चिकित्सीय राहत कार्य के उद्देश्य से खर्च राशि	-	
(v) कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय में से कटौती (क) भू राजस्व और स्थानीय निधियों/उपकर (ख) बड़े भूस्वामी को देय किराया (ग) उत्पादन लागत, यदि न्यास द्वारा खेती की जा रही हो (घ) कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग किए गए भूमि से आय	-	
(vi) (क) गैर-कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय उद्देश्य : (क) मूल्यांकन, उपकर और अन्य सरकारी या निगम के कर (ख) बड़े भूस्वामी को देय प्रत्यक्ष किराया (ग) बीमा किश्त (घ) भवनों के कुल किराए का 10 प्रतिशत मरम्मत में (च) संग्रहण लागत, किराए पर दिए गए भवनों के कुल किराए का 4 प्रतिशत (ख) कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय	-	
(vii) प्रतिभूति स्टॉक से आय या प्राप्तियों की संग्रहण लागत, ऐसी आय का 1 प्रतिशत	-	
(viii) अंशदान अधीन अनुमानित सकल वार्षिक किराए के 10 प्रतिशत के हिसाब से, ऐसे भवन जो किराए पर न दिए गए हों या उनसे कोई आय न होती हो, की मरम्मत के लिए कटौती कुल आय जो अंशदान के प्रभार्य नहीं है।	-	13,85,23,499
सकल वार्षिक आय जो अंशदान के प्रभार्य हैं		-
कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत		
(डॉ. विपिन कुमार) मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र दिनांक 21-08-2021		
	समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार कृते जॉय बक्शी एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार फर्म पंजी सं. 115785W R. S. Somani (स्नेहल एस. सोमानी) सांझीदार सदस्यता सं. 127087 यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611 स्थान : गांधीनगर दिनांक 21-08-2021	



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची : 1 - आधारभूत/पूँजीगत कोष :	जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	10,81,61,898	11,09,67,165
वर्ष की शुरुआत में पूँजी (उपरोक्त कुल में शामिल)	4,33,383	
वर्ष की शुरुआत में रिजर्व (उपरोक्त कुल में शामिल)	10,77,28,515	
घटाए : सड़बा का चुकाए जानन वाला नवप्रवतका क पास ऋण और अग्रिम	(2,48,38,198)	
घटा : आय/व्यय खाते में अंतरण	(1,76,20,946)	
घटाएं : ओवरहेड शेयरिंग/ बेनिफिट शेयरिंग को हस्तांतरण	-	(1,74,92,695)
जोड़े/(घटाएं) : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	(4,71,773)	1,46,87,428
साल के अंत में शेष	6,52,30,981	10,81,61,898
		(राशि रुपये)
अनुसूची : 2 - आरक्षित और अधिशेष	जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
1 विशेष संचय		
अंतिम खाते के अनुसार	75,96,295	5,31,88,626
वर्ष के दौरान वृद्धि	69,08,847	43,07,365
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	-	4,98,99,696
कुल	1,45,05,142	75,96,295



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

		(राशि रुपये)	
अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
1	आसियान- भारत आधारभूत नवाचार गोष्ठी (आईजीआईएफ)		
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	53,58,002	18,96,715
	ख प्राप्त अनुदान	-	1,24,04,112
	ग साझा लाभ	-	(4,00,000)
	घ घटाएँ: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग		
i. पूंजीगत व्यय	-	-	
ii. राजस्व व्यय	-	66,46,110	
	कल व्यय	-	66,46,110
	e अत्यधिक अनुदान वापस दिया गया	53,58,002	18,96,715
	साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग-]	-	53,58,002
2	आसियान- भारत विज्ञान और तकनीकी विकास कोष (आईएसटीडीएफ)		
	क पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	1,91,00,352	2,18,37,689
	ख प्राप्त अनुदान	-	-
	ग साझा लाभ	-	62,311
	घ घटाएँ: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग		
i. पूंजीगत व्यय	10,27,217	-	
ii. राजस्व व्यय	-	-	
	कल व्यय	-	27,99,648
	साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]	2,01,27,569	1,91,00,352
3	आसियान इनो टेक समित		
	a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	-	(1,92,305)
	ख प्राप्त अनुदान	-	-
	ग घटाएँ: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग	-	1,92,305
	i. पूंजीगत व्यय	-	-
ii. राजस्व व्यय	-	-	
	कल व्यय	-	-
	साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]	-	-
4	प्रत्यक्ष लाभ अंतरण: नैनो तकनीक सबसे अच्छा हर्बल नुस्खा		
	a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	10,14,800	27,69,800
	ख प्राप्त अनुदान	-	-
	ग घटाएँ: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग		
	i. पूंजीगत व्यय	-	17,55,000
ii. राजस्व व्यय	-	-	
	कल व्यय	-	17,55,000
	साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]	10,14,800	10,14,800
5	डिजाइन इनोवेशन सेंटर आईआईटीएससी		
	a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	16,38,710	22,00,000
	ख प्राप्त अनुदान	-	-
	ग घटाएँ: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग		
	i. पूंजीगत व्यय	-	-
ii. राजस्व व्यय	7,89,442	5,61,290	
	कल व्यय	7,89,442	5,61,290
	साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]	8,49,268	16,38,710
6	डिजाइन इनोवेशन सेंटर आईआईटी बॉम्बे		
	a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	-	4,87,591
	ख प्राप्त अनुदान	-	5,00,000
	ग घटाएँ: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग		
	i. पूंजीगत व्यय	-	-
ii. राजस्व व्यय	-	-	
	कल व्यय	-	9,87,591
	साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]	-	-



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
7	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय कल व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	(89,200) - - -	(89,200) - - -
8	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग परियोजना - पशु चिकित्सा a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय कल व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	(1,09,268) - - -	(1,09,268) - - -
9	हरिओम आश्रम a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान खी अन्य रसीदे / समायोजन ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय कल व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	1,12,74,404 - 6,06,111 - -	1,07,25,873 - 6,28,531 80,000 80,000
10	नेरकॉर्प a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय कल व्यय घ उपरिव्यय और हितलाभ सहभाजन के लिए हस्तांतरण साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	- 24,75,000 - 22,50,000 22,50,000 2,25,000	- - - - -
11	इंस्पायर a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय कल व्यय घ उपरिव्यय और हितलाभ सहभाजन के लिए हस्तांतरण साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	8,58,51,905 2,00,00,000 - 4,36,08,629 4,36,08,629 (43,60,863) 5,78,82,413	60,52,001 11,23,00,000 - 3,25,00,096 3,25,00,096 8,58,51,905
12	मुख्यमंत्री अभिनव कृषि जन्मपति सम्मान योजना a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय कल व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	8,54,984 - - 8,53,995 8,53,995 989	4,47,907 14,50,000 - 10,42,923 10,42,923 8,54,984



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

		(राशि रुपये)	
अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड		जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
13	सूक्ष्म उदयम नवप्रवर्तन कोष खाता a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग अन्य रसीदें / समायोजन घ घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	57,81,215 - 4,93,147 - -	75,382 - 2,31,98,528 - 1,74,92,695 1,74,92,695 57,81,215
14	आसियान - एसईसी विज्ञान और प्रौद्योगिकी a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	(2,47,789) 2,47,789 - -	- - 2,47,789 2,47,789 (2,47,789)
15	राष्ट्रीय उद्यमिता पुरस्कार a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	- - - -	(2,19,605) - 2,19,605 -
16	राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी और परियोजना प्रतियोगिता a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	9,69,452 - 5,33,590 - -	(39,98,575) - 51,97,527 - 2,29,500 2,29,500 9,69,452
17	7 वां भारतीय राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेला 2019 a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	- - - -	- - 9,00,000 - 9,00,000 9,00,000
18	उन्नत भारत टेक आउटरीच - कार्यशाला और एक्सपो- अनुदान a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष ख प्राप्त अनुदान ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग i. पूंजीगत व्यय ii. राजस्व व्यय साल के आखिर में कुल शेष [a+ख-ग]	- - - -	9,00,000 - - 9,00,000 9,00,000



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)				
अनुसूची 3-अर्जित / अंतराल फंड	जैसा कि 31.03.2021 को		जैसा कि 31.03.2020 को	
19 व्यापार और नवप्रवर्तन सम्मेलन				
a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		-		-
ख प्राप्त अनुदान		-		10,45,000
ग घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग/Returned				
i. पूंजीगत व्यय	-		-	
ii. राजस्व व्यय	-		781149	
	कल व्यय	-		7,81,149
घ अव्ययित अनुदान वापस दिया गया साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]		-		2,63,851
		-		-
20 उपरिव्यय / साझा लाभ				
a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		3,66,79,526		1,81,73,849
ख प्राप्त अनुदान		-		-
ग साझा लाभ		45,85,863		2,14,42,030
निधि से बनाई गई संपत्ति		1,29,64,279		
घ घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
i. पूंजीगत व्यय	1,07,77,160		-	
ii. राजस्व व्यय	22,04,120		29,36,353	
	कल व्यय	1,29,81,280		29,36,353
साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]		4,12,48,388		3,66,79,526
		-		-
कल राशि				
a पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष		16,80,77,093		6,09,57,854
ख प्राप्त अनुदान		2,27,22,789		12,76,99,112
खी अन्य रसीदे / समायोजन		26,60,065		3,03,36,496
ग साझा लाभ		45,85,863		2,11,04,341
निधि से बनाई गई संपत्ति		1,29,64,279		
घ घटाएं: निधि के उद्देश्यों के लिए व्यय / उपयोग				
i. पूंजीगत व्यय	1,07,77,160		17,55,000	
ii. राजस्व व्यय	4,97,06,186.00		6,81,05,144	
	कल व्यय	6,04,83,346		6,98,60,144
e घटाएं : उपरिव्यय और हितलाभ सहभाजन के लिए हस्तांतरण अव्ययित अनुदान वापस दिया गया		(45,85,863)		-
		53,58,002		21,60,566
साल के आखिर में कल शेष [a+ख-ग]		14,05,82,878		16,80,77,093



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण और उधारी	जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
सुरक्षित ऋण और उधारी	-	-
		(राशि रुपये)
अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधारी	जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
असुरक्षित ऋण और उधारी	-	-
		(राशि रुपये)
अनुसूची 6 - आस्थगित ऋण	जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
आस्थगित ऋण	-	-
		(राशि रुपये)
अनुसूची 7 -वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	जैसा कि 31.03.2021 को	जैसा कि 31.03.2020 को
क. वर्तमान देनदारियां		
1. विविध लेनदार		
क) सामान के लिये		
ख) अन्य	11,82,553.00	10,54,747
2. नवप्रवर्तकों के पास ऋण और अग्रिम राशि	2,48,38,198.00	-
3. ब्याज उपाजित किया गया, लेकिन देय नहीं		-
4. वैधानिक देयताएं		-
क) अतिदेय		-
ख) अन्य	4,27,556.00	5,62,621
5. अन्य मौजूदा देनदारियां / ईएमडी	29,94,601.00	36,74,807
कुल (क)	2,94,42,908.00	52,92,175
ख. प्रावधान		
1. देय ब्याज	31,24,114.62	88,94,809
2. सिडबी ऋण पर ब्याज	-	-
कुल (ख)	31,24,114.62	88,94,809
कुल (क+ख)	3,25,67,022.62	1,41,86,984



31 मार्च 2021 के उल्लेख का अंश करने वाली अनुसूची

विवरण	समकाल एकमुद्रा			मध्यकाल			राशि रुपये		
	01-04-2020 को शेष	वर्ष के अंत में अतिरिक्त	वर्ष के दौरान कटौती	31-03-2021 को सकल एकमुद्रा	01-04-2020 तक मूल्यहास	वर्ष के दौरान कटौती	2020-21 का मूल्यहास	2020-21 तक कुल मूल्यहास	31-03-2020 को कुल मूल्यहास
अनुसूची - 8- अचल परिसंपत्तियां :									
कंप्यूटर एवं सहायक परिसंपत्तियां									
कंप्यूटर	1,58,57,425	10,79,279	84,249	1,68,52,455	1,51,83,629	8,99,825	8,48,035	1,51,31,839	17,20,616
टेलीफोन उपकरण	12,52,433	-	-	12,52,433	18,065	19,861	19,861	12,22,641	29,792
वेबसाइट	5,31,980	2,57,442	-	7,89,422	4,68,250	33,913	1,42,034	5,76,371	2,13,051
सॉफ्टवेयर	45,42,417	-	-	45,42,417	42,74,301	2,09,995	1,91,244	42,55,550	2,86,867
बाईक फ्लोर	45,138	-	-	45,138	43,982	2,744	1,560	42,798	2,340
फर्नीचर एवं यंत्रणार तथा वेकार माल									
फर्नीचर एवं यंत्रणार	65,63,834	3,93,988	56,715	69,01,107	26,81,434	21,454	4,11,969	30,71,949	38,29,158
विद्युत उपकरण	1,82,410	-	2,800	1,79,610	74,515	1,055	10,700	84,250	95,360
पोस्टर बोर्ड	84,565	-	-	84,565	8,457	-	7,611	18,068	69,497
कॉम्प्यूटर सॉफ्टवेयर स्टोरेज	-	23,72,622	-	23,72,622	-	-	1,18,631	1,18,631	22,53,991
कार्यालय उपकरण									
एप्लिकेशन	20,72,239	5,25,600	-	25,97,839	8,39,636	-	2,24,310	10,63,946	15,33,893
वेबसाइट	35,438	-	-	35,438	30,776	-	699	31,475	3,963
बायोमेट्रिक उपकरणों का माल	25,150	-	-	25,150	13,992	-	1,674	15,666	9,484
केबल	17,92,985	-	-	17,92,985	12,01,573	-	88,712	12,90,285	5,02,700
टीवी सेट	7,55,294	-	-	7,55,294	2,62,765	-	73,679	3,36,644	4,18,650
इंजीनियरिंग मॉडल	2,11,760	98,891	15,045	2,95,696	1,55,442	4,990	22,466	1,72,918	1,22,688
उपकरण	60,32,686	8,65,630	1,75,566	67,22,750	36,83,114	97,006	4,22,281	40,08,389	27,14,361
बैक लेंस उपकरण	1,74,32,124	10,91,500	79,469	1,84,44,155	69,65,556	39,043	17,33,710	86,60,223	97,83,932
फ्लोर मॉडल	36,907	-	-	36,907	33,679	-	484	34,163	2,744
ऑडियोविशुल वीडियो	18,505	-	-	18,505	15,879	-	394	16,273	2,232
हार्ड ड्राइव और मोबाइल मॉडल	48,825	-	-	48,825	23,338	-	3,823	27,161	21,664
कॉम्प्यूटरी मॉडल	3,51,000	-	-	3,51,000	1,96,599	-	23,160	2,19,759	1,31,241
फ्लोर वीडियो मॉडल	82,317	-	2,353	79,964	59,209	1,125	3,466	61,550	18,414
प्रोजेक्टर	1,12,770	-	-	1,12,770	53,903	-	8,830	62,733	50,037
एप्लिकेशन मॉडल	39,000	-	-	39,000	18,643	-	3,094	21,697	17,303
फ्लोर मॉडल	1,22,710	-	-	1,22,710	56,055	-	9,998	66,053	56,657
मोबाइल मॉडल	4,71,048	-	-	4,71,048	2,21,706	-	37,401	2,59,107	2,11,941
रेडियो	36,427	-	-	36,427	32,577	-	578	33,155	3,272
टेलीफोन/मोबाइल उपकरण	10,41,308	43,470	10,597	10,74,181	7,16,180	5,191	52,039	7,63,018	3,11,163
वाटर फ्लोर	49,850	23,800	-	73,650	16,824	-	6,739	23,563	50,087
मोबाइल मॉडल	1,26,453	-	-	1,26,453	55,030	-	10,713	65,743	60,710
मोबाइल मॉडल	3,35,930	-	-	3,35,930	43,848	-	43,812	87,660	2,48,270
पेसा	29,360	47,861	-	77,221	2,925	-	7,555	10,480	66,741
लॉन मोडर	32,500	32,500	-	65,000	2,438	-	2,438	30,062	2,438
पानी का गोजर	14,264	14,264	-	28,528	1,070	-	1,070	1,070	13,194
पानी की टंकी	62,000	62,000	-	124,000	4,650	-	4,650	4,650	57,350
मोबाइल मॉडल	27,200	-	6,800	20,400	13,002	3,783	2,130	11,349	9,051



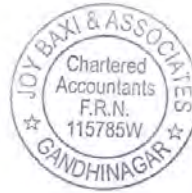
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद									
31 मार्च 2021 के तुलनापर का अंश बनाने वाली अनुसूची					(राशि रुपये)				
विवरण	सकल एकमुश्त			मूल्यहास			2020-21 तक कुल मूल्यहास	2020-21 का मूल्यहास	31-03-2020 को बुद्ध कुल संपत्तियां
	01-04-2020 को शेष	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	31-03-2021 तक एकमुश्त	01-04-2020 तक मूल्यहास	वर्ष के दौरान कटौती			
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
किताबें	4,20,390	-	-	4,20,390	3,78,258	-	4,03,537	25,279	16,853
वाहन									
एफिटवा लेंस	44,168	-	-	44,168	39,229	-	39,970	741	4,198
बजाल फल्लर	68,289	-	-	68,289	60,653	-	61,798	1,145	6,491
लोग सिटी	10,37,399	-	-	10,37,399	8,15,141	-	8,48,480	33,339	1,88,919
टया मफारी	13,11,519	-	-	13,11,519	10,30,532	-	10,72,680	42,148	2,38,839
टया डीटिका	5,45,341	-	-	5,45,341	4,19,031	-	4,37,978	18,947	1,07,363
मोबाइल प्रदर्शनी सेन	27,09,873	-	-	27,09,873	20,25,269	-	21,27,960	1,02,691	5,81,913
सीरो एच एक डीलरस	52,547	-	-	52,547	30,981	-	34,216	3,235	18,331
ट्रेडर (ऑन टिकर)	5,51,117	-	-	5,51,117	3,06,583	-	3,43,263	36,680	2,07,854
डेवीस वेगो	58,105	-	-	58,105	36,191	-	39,478	3,287	18,627
कुल (क)	6,71,46,236	69,08,847	4,33,594	7,36,21,489	4,38,09,532	13,38,189	4,72,80,625	48,09,282	2,63,40,865
जी-डीएसटी अदादान से अर्जित अचल संपत्तियां									
न्यू एनाउंसिएफ बिल्डिंग	-	1,38,70,427	-	1,38,70,427	-	-	6,93,521	-	1,31,76,906
मार्केट सिंथाज कार	-	7,70,323	-	7,70,323	-	-	1,15,548.00	-	6,54,775
कुल (ख)	-	1,46,40,750	-	1,46,40,750	-	-	8,09,069	8,09,069	1,38,31,681
कुल (क+ख)	6,71,46,236	2,15,49,597	4,33,594	8,82,62,239	4,38,09,532	13,38,189	4,80,89,694	56,18,351	4,01,72,546
पिछले वर्ष में	6,29,43,987	43,07,365	1,05,116	6,71,46,236	3,87,41,298	15,768	4,38,09,532	50,84,002	2,33,36,704



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च 2021 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

				(राशि रुपये)	
अनुसूची 9 - निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	जैसा कि 31.03.2021 को		जैसा कि 31.03.2020 को		
निवेश- अर्जित / अंतराल फंड से	-	-	-	-	
(राशि रुपये)					
अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	जैसा कि 31.03.2021 को		जैसा कि 31.03.2020 को		
निवेश - अन्य	-	-	-	-	
(राशि रुपये)					
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ :	जैसा कि 31.03.2021 को		जैसा कि 31.03.2020 को		
क. चालू संपत्तियाँ :					
1. रोकड़ शेष (चेक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)		-		-	
2. बैंकों में शेष					
क) अनुसूचित बैंकों के साथ					
i) सावधि जमा खाते में (मार्जिन मनी के साथ)					
- रानप्र निधियों से	14,66,88,729		13,88,35,142		
- एमवाईआईएफ निधियों से	-		-		
ii) बचत खातों में		14,66,88,729		13,88,35,142	
-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एसबी खाता सं. 724, एंड स्वेप एफडी	53,79,181		2,18,62,245		
-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एसबी खाता सं. 8753, एंड स्वेप एफडी	2,76,23,015		7,74,19,953		
-यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जेम प्लू खाता सं.- 10076	3,223		-		
		3,30,05,419		9,92,82,198	
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ:					
3. डाकघर-बचत खाता					
4. अन्य अग्रिम					
- स्टाफ और एमवीआईएफ को अग्रिम	3,08,41,571		3,33,77,241		
- टीडीएस प्राप्य	13,94,123		19,01,095		
- प्रतिभूति जमा	2,61,975		3,91,975		
5. पूर्वदत्त व्यय	5,21,662		8,97,915		
		3,30,19,331		3,65,68,226	
कुल		21,27,13,478		27,46,85,565	



<p style="text-align: center;">राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2021 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची</p>		
(राशि रुपये)		
अनुसूची 12 - बिक्री / सेवाओं से आय	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
बिक्री / सेवाओं से आय	-	-
(राशि रुपये)		
अनुसूची 13-अनुदान / सब्सिडी	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
(अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त हुई)		
1) भारत सरकार	11,88,00,000	10,25,07,000
घटाएं : विज्ञान प्रौद्योगिकी, भारत सरकार अनुदान को हस्तांतरित राशि, अचल परिसम्पत्तियां के लिए (अनावर्ती बस्तुएं पर व्यय को प्रदर्शित करता है)	69,08,847	43,07,365
जोड़े : विज्ञान प्रौद्योगिकी अनुदान की अनपेक्षित राशि हस्तांतरित	1,76,20,946	4,98,99,696
2) राज्य सरकारों से		-
कुल	12,95,12,099	14,80,99,331
(राशि रुपये)		
अनुसूची 14 -शुल्क / सदस्यता	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
शुल्क / सदस्यता	-	-
(राशि रुपये)		
अनुसूची 15 - निवेश से आय	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
निवेश से आय	-	-



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2021 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची (राशि रुपये)		
अनुसूची 16 - राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
राजस्व, प्रकाशन इत्यादि से आय	-	-
(राशि रुपये)		
अनुसूची 17- अर्जित ब्याज	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
1) सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	87,05,878	15,37,566
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) संस्थानों के साथ	-	-
2) बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	2,00,254	2,90,249
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
3) ऋण पर		
क) कर्मचारियों	29	1,40,539
4) कर वापसी पर ब्याज	22,911	-
कुल	89,29,072	19,68,354



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)		
अनुसूची 18 - अन्य आय	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
1) विविध आय / निविदा शुल्क / अवशिष्ट	82,328	60,865
कुल	82,328	60,865
(राशि रुपये)		
अनुसूची 19 - निर्मित माल और इन्व्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
निर्मित माल और इन्व्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	-	-
(राशि रुपये)		
अनुसूची 20-स्थापना खर्च	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
क) वेतन और मजदूरी	1,49,98,841	1,23,61,817
ख) भत्ते और बोनस	42,68,025	37,91,428
ग) भविष्य निधि में योगदान	-	-
घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट करें)		
i) नियोजक के एनपीएस योगदान	15,16,635	18,35,114
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर खर्च	-	-
छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
i) फेलोशिप और संविदात्मक भुगतान	3,63,16,078	4,06,86,853
ii) अर्जित अवकाश का नकदीकरण/छुट्टी यात्रा रियायत	99,600	2,65,884
iii) चिकित्सा प्रतिपूर्ति / चिकित्सा उपचार खर्च	3,68,946	4,09,743
घटाएं : फेलोशिप के तहत बसूली और परियोजना के तहत संविदात्मक भुगतान	(34,01,147)	(32,34,432)
कुल	5,41,66,978	5,61,16,407



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पजी-से-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2021 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची (राशि रुपये)		
अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
भाग क - आवर्ती व्यय		
व्यापार विकास		
व्यावसायिक योजनाओं के लिए छात्रों की भागीदारी	36,000	71,466
यात्रा (व्यापार विकास)	9,504	56,929
उप-जोड़	45,504	1,28,395
सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार		
प्रदर्शन (सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार)	2,81,932	28,83,935
किसानों / मीडिया / केवीके के माध्यम से पद्धतियों का प्रसार	28,35,868	3,09,653
प्रदर्शनी और अभिनव प्रदर्शनी	9,02,228	(1,69,020)
मुद्रण और प्रकाशन (सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार)	3,792	25,075
यात्रा (प्रसार)	2,54,192	17,42,063
कार्यशाला / बैठके (प्रसार)	27,885	32,267
उप-जोड़	43,05,897	48,23,973
बौद्धिक संपदा प्रबंधन और विधि		
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए	71,65,620	43,93,715
व्यापार चिह्न और भौगोलिक अनुप्रयोगों के लिए आवेदन	8,073	25,000
सदस्यता आईपीआर	-	1,599
यात्रा (आईपीआर)	23,058	52,989
उप-जोड़	71,96,751	44,73,303
सूचना प्रौद्योगिकी और डाटाबेस		
कंप्यूटर रखरखाव और उन्नयन	8,53,530	6,74,010
डाटाबेस और सॉफ्टवेयर विकास, प्रूफ रीडिंग	21,76,759	4,21,376
इंटरनेट	4,90,381	2,53,015
संचार प्रौद्योगिकी	-	1,100
उप-जोड़	35,20,670	13,49,501



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन परिषदान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)		
अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
खोज एवं दस्तावेजीकरण		
विज्ञापन- क्षेत्रीय और राष्ट्रीय	99,400	57,47,248
सहयोगियों	2,18,092	30,000
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (एस एंड डी)	47,969	57,500
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार	21,247	21,88,994
निवास	(16,000)	10,58,126
छपाई और लेखन सामग्री	19,135	9,18,093
नमूना / प्रोटोटाइप संग्रह और पहचान	4,950	-
यात्रा (एस एंड डी)	10,68,918	20,14,489
सत्यापन / विस्तृत दस्तावेजीकरण	8,294	57,690
स्टाफ और अन्य संस्थानों के माध्यम से स्काउटिंग	82,86,791	-
कार्यशालाएं और प्रकाशन	8,028	6,47,730
उप-जोड़	97,66,824	1,27,19,870
मूल्य संवर्धन और शोध एवं विकास (वाई)		
प्रशासनिक व्यय - वाई	19,37,998	48,09,282
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (वाई)	2,44,065	9,02,321
प्रायर आर्ट सर्च, नवाचारों का सत्यापन	5,89,580	18,22,000
प्रोटोटाइप / उत्पादों का परीक्षण	29,52,778	46,21,475
यात्रा (वाई)	12,38,941	53,85,039
मूल्य संवर्धन और उत्पाद विकास	3,49,58,555	1,16,03,897
उप-जोड़	4,19,21,917	2,91,44,014
नवप्रवर्तन उत्सव 2017 / फाइन 2018		
निवास	-	2,240
प्रसार	-	86,754
प्रदर्शनी और अन्य खर्च	5,90,000	1,12,10,000
प्रारूप विकास	2,500	94,842
यात्रा और परिवहन	1,12,451	3,97,571
छपाई और लेखन सामग्री	23,530	-
अन्य खर्च	-	346
उप-जोड़	7,28,481	1,17,91,753
कुल (क)	6,74,86,044	6,44,30,809



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2021 के आय व व्यय खाता का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)		
अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
भाग ख - अन्य प्रशासनिक व्यय: -		
आंतरिक और समवर्ती लेखापरीक्षा शुल्क	2,09,000	59,000
अन्य प्रमाणीकरण शुल्क	-	40
बैठक और सम्मेलन	1,35,199	3,06,198
बैंक प्रभार	121	6,744
भवन की मरम्मत पर खर्च	2,77,815	-
बिजली और पॉवर	8,98,203	10,15,283
ब्याज और जुर्माना	20,944	12,561
बीमा व्यय	10,98,064	2,69,675
कानूनी शुल्क	66,060	-
कार्यालय-खर्च	14,65,441	25,20,551
डाक व्यय	2,31,421	10,70,175
छपाई और लेखन सामग्री	4,57,817	-
प्रोफेशनल शुल्क	39,530	55,909
गृह व्यवस्था/हाउसकीपिंग	2,07,044	-
किराया, दर और कर	1,45,001	8,31,773
किराया (भुवनेश्वर)	4,95,000	5,40,000
किराया (देहरादून)	3,64,180	3,37,080
सुरक्षा खर्च	12,42,472	16,40,804
दूरभाष और संचार शुल्क	2,18,670	1,95,301
यात्रा व्यय	6,96,657	4,59,809
वाहन चलाना और रखरखाव	7,52,885	4,89,001
11वां द्विवार्षिक पुरस्कार	10,280	-
अचल संपत्तियों की बिक्री पर हानि	2,555	-
अचल संपत्तियों के निपटान पर नुकसान	1,81,249	-
कुल (ख)	92,15,608	98,09,904
कुल (क+ख)	7,67,01,652	7,42,40,713
(राशि रुपये)		
अनुसूची 22 - अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	-	-
(राशि रुपये)		
अनुसूची 23 - ब्याज	31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए
भारत के समेकित कोष में ब्याज	27,79,931	-
हरिओम आश्रम में ब्याज	6,06,111	-
आसियान- भारत विज्ञान और तकनीकी विकास कोष (आईएसटीडीएफ) में ब्याज	10,27,217	-
कुल	44,13,259	-



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत					
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद					
31 मार्च, 2021 को खत्म हुए वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान					
प्राप्तियां	2020-21	2019-20	भुगतान	2020-21	2019-20
I. प्रारम्भिक शेष			I. स्थापना व्यय	5,42,21,075	5,77,58,904
1) रोकड़ शेष	-	-	II. प्रशासनिक व्यय	3,69,16,017	4,23,78,424
क. एक्सिस बैंक चालू खाता-8099	-	23,32,784	III. स्थायी संपत्तियां(परिवर्धन)	3,10,481	16,07,358
ख. सिडबी खाता सं. 12001	-	55,31,072	IV. क) भेजी गई रकम/ वापसी इत्यादि,		
ग. एक्सिस बैंक चालू खाता 1548 (रानप्र)	-	47,603	क) बयाना राशि और प्रतिभूति जमा	6,78,96,249	4,90,53,901
घ. यूनियन बैंक खाता सं.606802010000724 (स्वैप बैलेंस के साथ)	2,18,62,245	20,31,229	ख) भेजी गई राशि / धन वापसी आदि.,		
च. यूनियन बैंक - भुवनेश्वर- 606802050000090	-	35,335	क) राष्ट्रीय पेंशन योजना, कर्मचारियों से कटौती	16,43,416	14,61,080
छ. यूनियन बैंक - देहरादून 606802050000088	-	2,51,214	ख) प्राप्य		3,15,150
ग. यूनियन बैंक - गुवाहाटी - 606802050000089	-	3,87,785	ग) कर्मचारी, ठेकेदार, किराए और पेशेवर कर से आयकर कटौती	61,17,674	53,00,854
घ. यूनियन बैंक खाता सं.359302010108753 (स्वैप बैलेंस के साथ)	7,74,19,954	-	घ) कर्मचारी और अन्य लोगों को अग्रिम	28,17,356	2,70,68,674
II. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान	11,88,00,000	10,25,07,000	च) ब्याज के साथ धरोहर वापसी		-
III. अर्जित ब्याज			छ) राष्ट्रीय पेंशन योजना देय	16,43,416	18,35,114
क) बचत खाता और ऑटो स्वीप पर	2,00,254	2,90,249	ज) पूर्वदात व्यय	1,70,810	3,45,251
ख) सावधि / मीयाद जमा पर	25,54,796	40,47,525	झ) प्रावधान और ओ / एस	1,11,84,628	1,11,65,055
IV. अन्य आय			ट) अन्य कटौती		1,53,000
क) अन्य ब्याज	22,940	14,774	V. निवेश		
ख) विविध प्राप्तियां	1,12,328	33,302	सावधि / मीयाद जमा और मार्जिन राशि	1,00,00,000	-
V. अन्य वसुलियां आदि			VI. निर्धारित परियोजना व्यय	4,16,53,360	3,24,78,173
क) बयाना जमा और प्रतिभूति जमा, और लेनदार	23,40,176	14,84,674	VIII. शेष राशि		
ख) निवेश	-	97,57,874	1) रोकड़ शेष		
ग) i) कर्मचारी, ठेकेदार, किराए और पेशेवर कर से आयकर कटौती	32,09,052	33,78,091	2) बैंक शेष		
ii) आपूर्तिकर्ता / अन्य आदि को अग्रिम	-	1,08,757	a. यूनियन बैंक खाता सं.606802010000724 (स्वैप बैलेंस के साथ)	53,79,181	2,18,62,245
iii) कर्मचारी अग्रिम पुनःप्राप्ति	12,32,251	96,27,646	b. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, जैम पूल खाता- 1007	3,223	-
iv) राष्ट्रीय पेंशन योजना कटौती	16,43,416	14,31,155	c. यूनियन बैंक खाता सं. 359302010108753 (स्वैप बैलेंस के साथ)	2,76,23,015	7,74,19,954
v) स्रोत पर कर कटौती प्राप्य	5,72,829	-			
vi) अन्य कटौती	1,41,040	1,48,000			
vii) स्थापना प्राप्तियां	5,35,877	5,05,018			
viii) अन्य प्रशासनिक प्राप्तियां	16,12,792	22,78,053			
VI. बैंक के पास जमा					
क) सावधि / मीयाद जमा परिपक्व	1,00,26,596	3,11,91,820			
VII. अनुदान / वित्तीय सहायता प्राप्त की निर्धारित प्रोजेक्ट के लिए	2,52,93,356	15,27,82,176			
	26,75,79,901	33,02,03,136		26,75,79,901	33,02,03,136

समान तिथि की हमारे प्रतिवेदन के अनुसार कृते जाँच बकशी एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकार फर्म पंजी सं. 115785W

 (स्नेहल एस. सोमानी)
 साझेदार
 सदस्यता सं. 127087
 यूडीआईएन : 19127087AAAABT6611
 स्थान : गांधीनगर
 दिनांक 21-08-2021



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

(डॉ. विपिन कुमार)
 मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी/निदेशक रानप्र



Annual Report

2020-21



राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान

National Innovation Foundation - India

Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India



Preface

Dr. P. S. Goel
Chairperson
National Innovation Foundation – India

The COVID-19 pandemic posed a big challenge of a century to our country and rest of the world for the last one and a half years. NIF organised the Challenge COVID-19 Competition (C3) to mobilise the creative potential of our citizens to respond to problems arising out of the pandemic. The citizens responded to the challenge with their innovations in large numbers and a commensurate incubation support was extended, and as a result, few could be implemented quickly, even at the time while the country was experiencing the lockdown. *Rising to the occasion and responding to need of the hour* is what I must say defined the public service delivered by NIF during the COVID-19 pandemic. One of these COVID-19 related indigenous sanitization technology from the State of Maharashtra was mentioned by the Hon'ble Prime Minister of India in his monthly *Mann ki baat* with the nation.

One of the major highlights of the year for NIF was the launch of an Innovation Portal by the Hon'ble Union Minister of Science and Technology. The portal through its vast list of innovations, to the tune of 1.15 lakhs, democratizes the innovations recorded by NIF by making them accessible to all the citizens of the country and also to rest of the world. It sends a very powerful message that India is not always a recipient of technology, there are lakhs of instances recorded by NIF, where a home-grown technology can be a source to the rest of the world. Students may undertake the challenge to improve Technology Readiness Levels (TRLs) and make them better; MSMEs can improve their product profile and improve their business by adopting these innovations for their region specific applications and manufacturing them. Scientists and researchers could identify projects for further research. The *use-cases* could be endless as the potential is huge and needs to be harnessed well by all concerned and will eventually empower and incentivize the original thinker of these innovations, which strengthens the culture of innovation. NIF will be ready to support all genuine efforts to take these forward.

Yet another milestone this year had been the expansion of mandate of NIF to grow its relevance in the changing times. NIF has conventionally focussed on the innovations *by* the common people at the grassroots, however, in modern days, a parallel focus on innovations *for* the grassroots is equally important, so as to boost the overall grassroots innovation eco-system, which is one of the leadership areas for India. This would translate into newer opportunities as NIF would also be able to extend support to innovations for the problems faced by the grassroots people, for larger benefit of the society. I am hopeful that such a broadening of the mandate will strengthen the supply side of technologies for NIF, for the country by way of feeding in more projects into NIF's innovation funnel, arm the institution with more innovative solutions to address the many unmet needs of the people. The years that follow from hereon would witness much larger number of citizens benefit as the source, domain and overall count of innovations which get supported are anticipated to be more than ever before.

I convey warm wishes to all the readers who are supportive of innovations and hope that our country could overcome the pandemic in the coming months.

Best wishes

P S Goel



Director's Message

Dr. Vipin Kumar

Director and Chief Innovation Officer
National Innovation Foundation – India

The year 2020 offered challenges like never before owing to pandemic, and at NIF, it was our constant endeavor to transform few amongst them into opportunities, which we could eventually do. The Challenge COVID-19 Competition (C3) of NIF was one such example wherein we received an appreciable response from citizens in different parts of the country. Evaluating the submissions periodically, NIF kept supporting promising projects over a period of the next three months, both for development and deployment, and few amongst them managed to get deployed and deliver value. A step further, as an initiative undertaking *in silico* studies, NIF was also able to identify an herbal formulation with a potential to treat mild to moderate cases of COVID-19. The same has proceeded now to the clinical trial stage and we can hope that in coming years an indigenous herbal remedy to combat COVID-19 may be available to us.

With pandemic induced lockdown, the NIF team had to switch over to a work from home model and the team NIF responded it by quickly aligning itself to newer realities of work and delivery. Though fieldwork at the grassroots got hampered due to the multiple lockdowns and restrictions, still much could be achieved using ICT tools effectively in each of the operating areas of NIF. Several new technologies were prototyped, developed and widely disseminated; a total of 66 were patent granted and the organization continued to engage with farmers across the country through its on-farm trials of farmers' developed improved varieties across locations. NIF undertook a massive exercise to apprise teachers across the country about the INSPIRE Awards MANAK scheme reaching out to over 40,000 people virtually over a period of about four months to mobilize ideas and innovations; and the outcome was commensurate as for the first time a total of 6.53 lakh ideas were received from students.

NIF had initiated building an online portal of innovations in 2019, with the innovations being sourced from the offline database of grassroots innovations at the NIF, built over the last two decades. Enormous effort went into populating the portal with the entry of data and multi-strata checking and verification of data. The efforts culminated in the dedication of the portal to the nation by the Hon'ble Union Minister of Science and Technology, Dr. Harsh Vardhan in January 2021.

While mentioning the salient achievements in a tough working year, it is important to highlight the role of the Department of Science and Technology (DST) in not only supporting NIF's initiatives but also ensuring a steady flow of funds to run the institution effectively in the service of the people. This despite the challenges before the country arising due to the evolving pandemic situation. I would like to thank Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology and officials at DST for their continued engagement and encouragement. The generous guidance of the Hon'ble Union Minister of Science and Technology, Dr. Harsh Vardhan ji, has always been available to NIF. I thank him for taking out time from his very busy schedule to inaugurate NIF's Innovation Portal and leading us further. I also acknowledge the contribution of our team at NIF and in our partner institutions who continued their work despite the many challenges posed by the pandemic. I hope that the situation eases out soon and all of us remain healthy to celebrate each other's successes.

With my best wishes to all

Vipin Kumar

Contents

Governing Board	72
Finance Committee	74
Organisational Chart	75
Moving Ahead	76
Challenge COVID-19 Competition (C3)	77
Launch of the Innovation Portal	80
Sectional Activities	82
INSPIRE Awards MANAK	97
International Cooperation	99
New initiatives and partnerships	100
Promotion of Hindi	102
Administrative and financial matters	104
Publications	105
Patents granted and Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Authority (PPV&FRA) registrations during 2020-21	107
Annual Accounts for the year 2020-21	111

Governing Board

Chairperson

1. Dr. P. S. Goel
Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES)

Vice Chairperson-Member

2. Shri N.P. Rajive
Executive Director, Vibha Vani, Delhi

Members

3. Prof. Anil K. Gupta
Former Professor, IIM-Ahmedabad
4. Prof. Anil D. Sahasrabudhe
Chairman, AICTE, New Delhi
5. Prof. Satyajit Majumdar
TISS, Mumbai
6. Dr. C. Shambu Prasad
CSEE, Institute of Rural Management, Anand
7. Dr. K. Vijaya Lakshmi
Vice President, Development Alternatives, New Delhi
8. Ms. Anuradha Bhavnani
Regional Head, Shell Foundation, Gurugram
9. Ms. Lakshmi N.
Trustee, Good Karma Foundation, Kochi

Members ex officio or his/her nominee

10. Secretary, DST, Government of India
11. Secretary, DBT, Government of India
12. Secretary, D/O School Education & Literacy,
Ministry of Education, Government of India

13. Secretary, Ministry of MSME, Government of India
14. Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India
15. DG-ICMR, Government of India
16. DG-ICAR, Government of India
17. DG-CSIR, Government of India
18. Chief Secretary, Government of Gujarat
19. Financial Advisor, DST, Government of India

Member - Secretary, ex officio

20. Chief Innovation Officer / Director, NIF

Finance Committee

Chairperson

1. Dr. P. S. Goel
Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES)

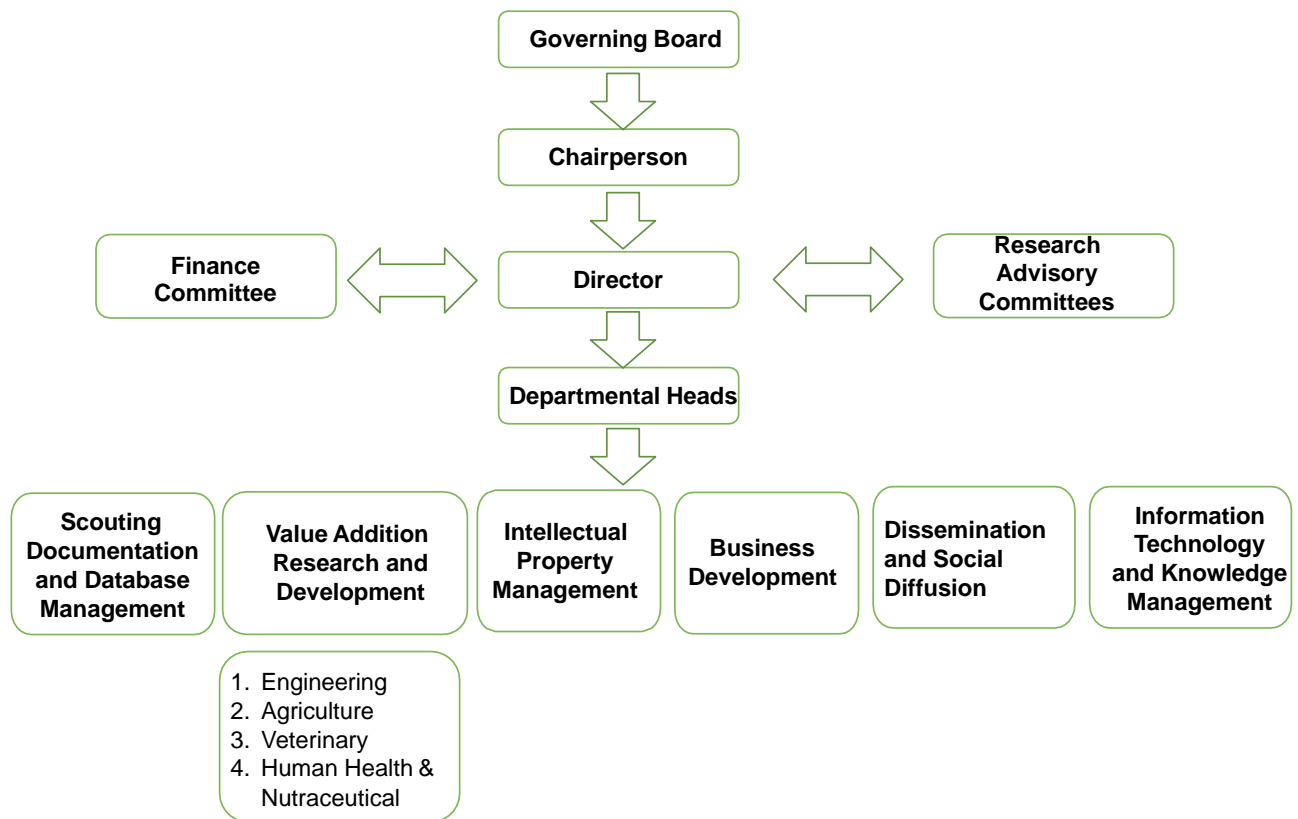
Members

2. Prof. Anil D. Sahasrabudhe
Chairman, AICTE, New Delhi
3. Prof. Satyajit Majumdar
TISS, Mumbai
4. Dr. Sanjeev Saxena
Assistant Director General (Intellectual Property & Technology Management) ICAR, New Delhi
5. Shri Vishvajit Sahay
Financial Advisor, DST, Government of India

Member Secretary

6. Dr. Vipin Kumar
Director / Chief Innovation Officer, NIF

Organisational Chart



Moving Ahead

The year 2020-21 commenced with a mix of challenges arising out of COVID-19 pandemic and opportunities linked to it ubiquitously. The Challenge COVID-19 Competition (C3) organized by the National Innovation Foundation (NIF) – India, announced on the last day of previous Financial Year, was the first major initiative undertaken with the objective to leverage the creativity of common people of the country related to Science, Technology and Innovation in addressing various concerns arising during the pandemic. It was warmly reciprocated by the common people as evident in participation levels and the worthy amongst those received were provided with the requisite Incubation support, as a result of which few innovations have been widely accepted and implemented to combat the pandemic. The outcome of C3 was very satisfying because while on side pandemic was impacting everyone's life in obvious ways, on the other, the citizens have not given up and with the support of NIF, they could visualize their imagination turning into real solutions, which could be deployed in different parts of the country.

With the exception of nationwide lockdown during first two weeks of April 2021 when like rest of the world NIF also maintained continuity in its operations through digital interventions, for the remaining part of the

year, by adhering to necessary protocols as required by the Government of India, the delivery of public services to the citizens continued from the workplace. Apart from serving the imminent needs for the country like creating an awareness related to precautions associated with COVID-19 with the common people, NIF took other initiatives like providing improved seed varieties to the farmers, educating them on low cost and sustainable means to protect crops, capacity building for growth of their enterprises or providing grassroots and student innovators with the required support for value addition or dissemination.

Assessing the limitations of mobility in pandemic, NIF took another major initiative of developing a large database of innovations with the objective of fulfilling the dissemination objectives. As a result, on 14th January, 2021 Dr Harsh Vardhan Hon'ble Union Minister of Science and Technology, Government of India dedicated the Innovation Portal developed by NIF to the nation. The innovation portal of NIF is a step towards *Atmanirbhar Bharat* and an excellent resource on Innovations for students, researchers, entrepreneurs, MSMEs, Technology Business Incubators (TBIs) and the common people.

Challenge COVID-19 Competition (C3)

With the country facing a myriad of challenges due to the pandemic in 2020, NIF initiated the Challenge COVID-19 Competition (C3) to leverage the creativity of common people of the country in addressing various concerns arising during the pandemic.

The C3 competition that ran from March 31, 2020, to May 10, 2020, saw more than 1700 ideas and innovations being received through website, email and WhatsApp from about 360 districts of 33 States and Union Territories of the country. The Competition managed to attract ideas from children as young as 5 years and veterans as old as 76 years each trying to contribute to the fight against the pandemic through their ideas. The participation of students, farmers, entrepreneurs, academicians, fabricators, homemaker, electricians, barbers, mechanic, taxi drivers, professionals from IT, Banking and Finance, Defence, Law, Media and Journalism, Medicine and Pharmacy, Aviation sectors etc. enriched the range and

quality of ideas and innovations received during the competition and underlined that creativity is all-pervasive.

The ideas and innovations were received under the eight categories identified for the competition viz. Healthy food for nutrition and boosting immunity, Reducing the transmission of Coronavirus, Sanitising one's hands, body, home items and home, public places wherever required, Supply and distribution of essential items to people especially the elderly living alone, Gainful engagement of people at home, PPE's (Personal Protective Equipment) and Rapid Diagnostic Testing facilities for capacity building of healthcare, Contactless devices for post-corona implementation needs; and varying needs of the different segment of the population during COVID-19. Twenty-two projects from 14 states (Andhra Pradesh, Arunachal Pradesh, Assam, Chhattisgarh, Delhi, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Odisha, Sikkim, Tamil Nadu, Telangana,



COVID-19 awareness initiatives focused on Do's and Don'ts during the pandemic were undertaken by staff members fulfilling the Scientific Social Responsibility



A COVID-19 awareness camp, with all necessary precautionary equipment was organized by NIF in the villages of Gujarat.

Uttarakhand, West Bengal) and UT of Jammu & Kashmir were given financial support for developing prototypes for trials and demonstrations. Few amongst the supported innovations were implemented at Public places, Corporate establishments etc. The outcome of the Competition upheld a promise that India can indeed fight against COVID-19 through its Science and Technology based Innovations which stem from common people of the country.

Few of the notable innovative projects supported under the C3 competition are mentioned below –

(a) The Tractor Power Take-Off (PTO) operated sanitisation sprayer by Rajendra Jadhav (Maharashtra) which can be used to sanitise building and roads from a distance of 30 feet and up to 15 feet height. The sprayer has been actively used at various locations in Satana and Nashik districts as well as in Ahmedabad, Gujarat by AMC (Ahmedabad Municipal Corporation) for sanitizing public places, gardens, roads etc. A demonstration was also organised by NIF in collaboration with the State Innovation Council (SIC), Rajasthan for sanitizing public places in Jaipur and Tonk districts of the State.

(b) Charanpreet Singh and Sumit Mittal (Haryana) developed Quarantine Mate: a cost-effective robotic aid for serving medicines, food and essential items to the patient on demand

(c) Dinesh Kumar and Prof Amit Dinda (New Delhi) were supported for their work on Steri-O2: a novel technology for decontamination and disinfection of Personal Protective Equipment (PPE), reusable as well as disposable materials in health care facilities and Decontamination of laboratory, hospital ward, operation theatre, ICU, quarantine enclosures and other spaces as necessary

(d) Shrishail Pattar (Karnataka) and Ha Tade (Arunachal Pradesh) developed wrist bands, which resist one from touching the face by alarming through vibrations/ sound

(e) Bishu Hang Limboo (Sikkim) developed an Automatic Vehicle Disinfectant Machine for sanitising vehicles especially ambulances and other utility vehicles. One unit of the same has been installed at the Meli Check post and another at STNM Hospital-the only dedicated COVID-19 hospital of Sikkim

(f) Dr Ashish Karn (Uttarakhand) was

supported for the development of a Comfortably Vented Indigenously Designed (COVID) Fabric Helmet to provide complete protection to an individual

(g) Ashish Raut (Maharashtra) developed an isolation bed for COVID-19 patients, which reduces the chances of exposure to health workers and other people around

(h) Low-Cost Portable Ventilator design of Kishore Kumaran (Tamil Nadu) facilitates breathing by automatic compression of Artificial Manual Breathing Unit (AMBU) bag using piston operated by a motor. The device operates in both invasive and non-invasive mode and is supported for patients with full as well as partial respiratory malfunction

(i) Pravvesh Mehta (Maharashtra) developed an Aerosol Box to safeguard physical exposure of the front-liners to combat COVID-19 in performing endotracheal intubations, suctioning and swabbing

(j) Deependra (Delhi) worked on a proximity bracelet, which can help in maintaining social distancing.

Not only did NIF successfully conduct the Challenge COVID-19 competition, but as part of its Scientific Social Responsibility, it also organised COVID-19 awareness camps in the villages in the vicinity of the NIF office at Gandhinagar, Gujarat. This activity was undertaken with all necessary precautionary equipment like face shields, face masks, gloves, fully covered clothes, sanitiser etc. The activities included awareness generation, sharing of Do's and Don'ts and distribution of dissemination material at grocery shops, panchayats, dairy centres, seed distribution centres, animal husbandry centres, religious places etc. and educated people regarding the spread of COVID-19, precautions to be taken – social distancing, hand washing, mask etc.



COVID-19 awareness initiatives focused on Do's and Don'ts during the pandemic were undertaken by staff members fulfilling the Scientific Social Responsibility

Launch of the Innovation Portal

On January 14, 2021, the Hon'ble Union Minister of Science & Technology, Dr Harsh Vardhan dedicated an Innovation Portal developed by NIF to the nation. The innovation portal (www.innovation.nif.org.in) is indeed a step towards *Atmanirbhar Bharat* and will benefit students, researchers, entrepreneurs, MSMEs, Technology Business Incubators (TBIs) and the common people. The portal is currently home to about 1.15 lakh innovations under four categories *viz.* engineering, agriculture, veterinary and human health.

Speaking on the occasion, Dr Harsh Vardhan credited the Prime Minister for igniting the innovation movement and creating an enabling Innovation Eco-system in the country. He complimented the innovators who had overcome various challenges through their creativity and coming up with several innovations. The Hon'ble Minister emphasized the growing importance of outstanding traditional knowledge, particularly herbal practices, which abound

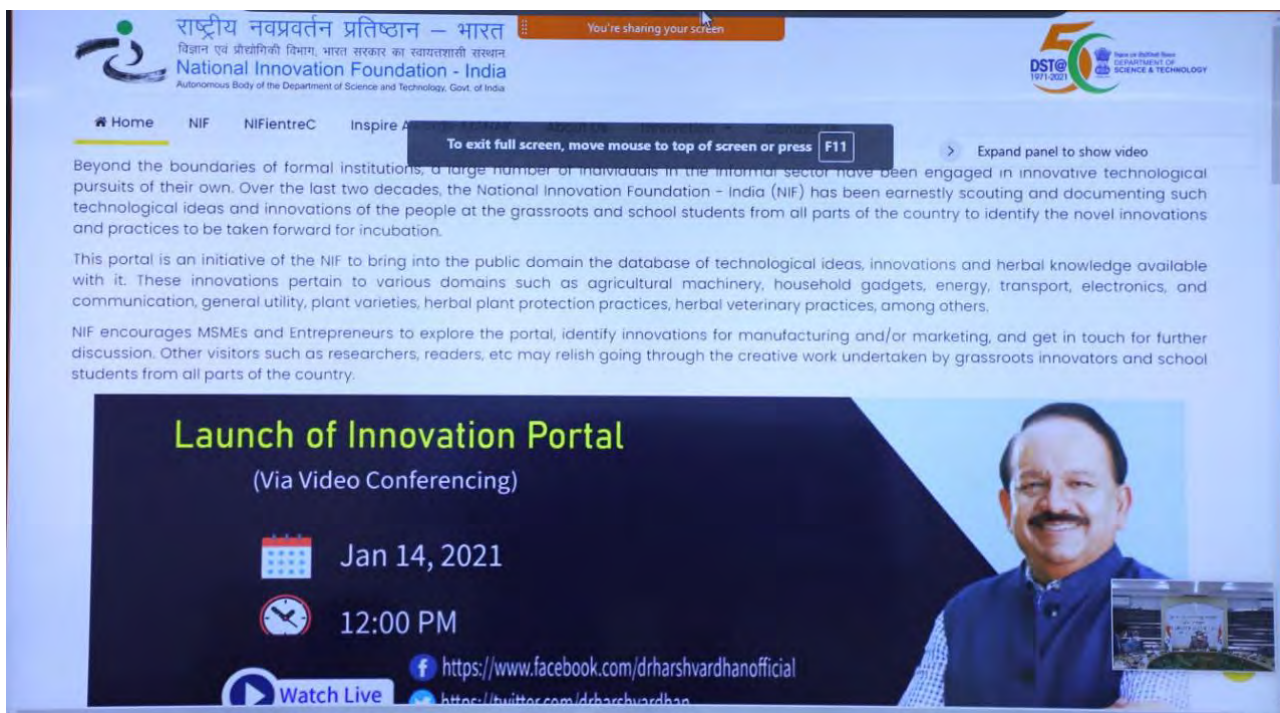
in our tribal and rural areas and are reflected in the portal in large numbers. He highlighted that the 'Best Economy is the Idea Economy and Innovative co-efficient is the most important for the progress of the country'.

He emphasized that the Innovation Portal will facilitate an eco-system where institutional support will be available to all those who can convert their ideas and innovations into enterprises, giving a fillip to the Stand-up Start-up movement in the country. The Innovation Portal in the coming days could be one of the significant contributions amongst all of our digital progress so far and would act as a bridge between people who are looking for innovative solutions and those who had been at the helm of their evolution. He urged students, entrepreneurs, MSME's and others to take advantage of the Innovation portal and explore innovations of interest.

Dr Harsh Vardhan expressed confidence in the extraordinary commitment from common people towards innovations that would drive



Dr. Harsha Vardan, Hon'ble Union minister for Science and Technology, Earth Sciences, Health and family welfare dedicated an innovation portal to the nation



A glimpse of the Innovation Portal developed by NIF on the day of its launch - 14th January, 2021

the country's technology leadership. He lauded the efforts of NIF and DST in arriving at 1.15 Lakh Innovations as a starting point of this Innovation portal, which by itself was a great beginning.

Dr PS Goel, Chairperson, NIF introduced the portal and mentioned that the innovation portal is a saga of determination of every Indian who believed in developing solutions to fulfil unmet needs.

Prof Ashutosh Sharma, Secretary, DST mentioned that this innovation portal is being on boarded at a very appropriate time within the innovation eco-system of

our nation, by way of coinciding with the evolution of the 5th National STI Policy of India. He said the future contributors to the innovation portal will stem from the focus areas of the policy, and hence it is important that an eco-system of R&D and innovation be created in rural and remote areas, particularly in the North East, Islands and Tribal areas. Prof Sharma remarked that NIF is not only engaged in scouting for ideas but also taking them forward in the innovation value chain. The Innovation Portal will help create local entrepreneurs out of grassroots ideas and to bring ideas to the market, he said.

Sectional Activities

Scouting, Documentation and Database Management (SDDM)

The National Biennial Competition - The Twelfth National Biennial Competition for unaided grassroots innovations and outstanding traditional knowledge concluded on March 31, 2021, with about 25,000 entries (15000 received during FY 2020-21) from grassroots innovators and traditional knowledge holders being received from 33 States and Union Territories of the country. From April 1, 2021 onwards, the Thirteenth National Biennial Competition will commence and will continue accepting entries till March 31, 2023.

Workshops and meetings – For building and strengthening the network, meetings with senior Government officials were undertaken across the country. For awareness generation and identifying new partners for scouting and documentation, NIF organised an e-meet on June 23, 2020, with the faculty of Botany and Agriculture in the North Eastern States with representation from Sikkim, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Manipur, Assam, Tripura and Mizoram. Another e-meeting with District Science Coordinators of the Department of Science and Technology, Govt. of Arunachal Pradesh was organized on June 26, 2020, to sensitize



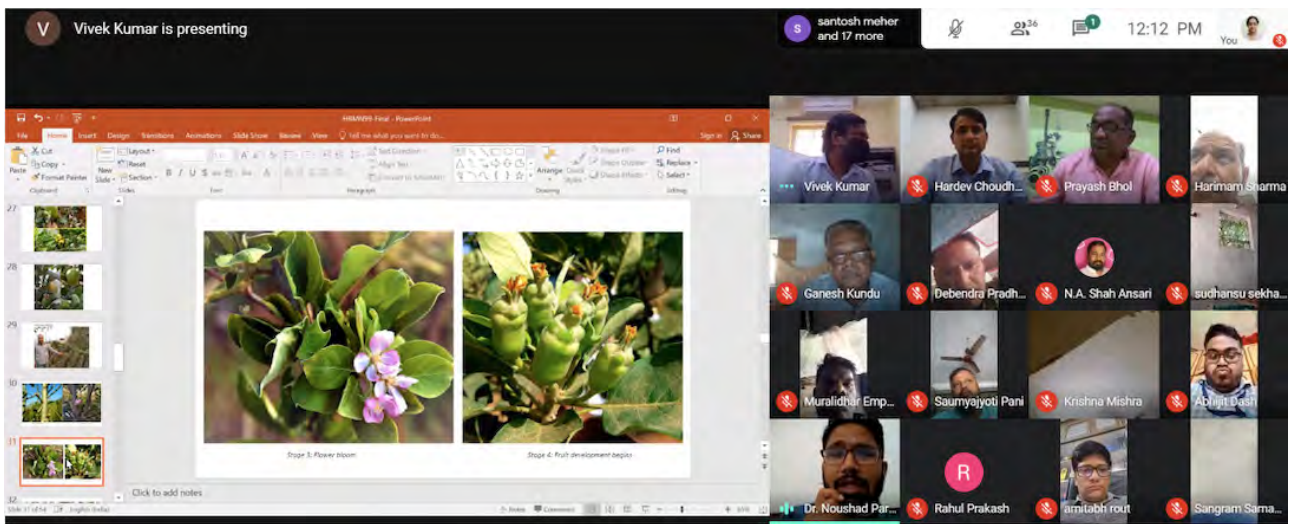
Discussion between herbal healers on use of a plant for a different healing purpose in South Tripura



Herbal Healer looking into his old notes of herbal practices in South Tripura

the officials about grassroots innovations and the need to support/promote them. Meeting with Colleges and Universities in Chhattisgarh, Uttar Pradesh and Maharashtra were organized on June 4, 2020, for initiating scouting and documentation activities through them in their region. Later in the year, meetings with Botany faculty from eight states viz. Arunachal Pradesh, Nagaland, Tripura, Assam, Odisha, West Bengal, Kerala and Tamil Nadu were organized on November 3 & 4, 2020.

Engagement with students - The orientation programs were organised with students of V.P & R.P.T.P Science College, Vallabh Vidhyanagar, Gujarat on August 30, 2020; Students of Engineering and Pharmacy department, BITS Edu campus, Vadodara, Gujarat on August 29, 2020; Indian Institute of Information Technology (IIIT), Pune on Sept 30, 2020; Department of Mechanical Engineering, Parul University, Vadodara, Gujarat on January 16, 2021, Students of Rural Technology, Dr. CV Raman University, Bilaspur, Chhattisgarh on January 27, 2021, and Science students of Multanival Modi College, Modinagar, Uttar Pradesh on February 03, 2021. The objective of the programme was to give orientation to students on scouting and documentation



A workshop titled *Cultivation practice of low chilling apple varieties in Odisha* was organized so as to share technical know-how for apple cultivation with the farmers

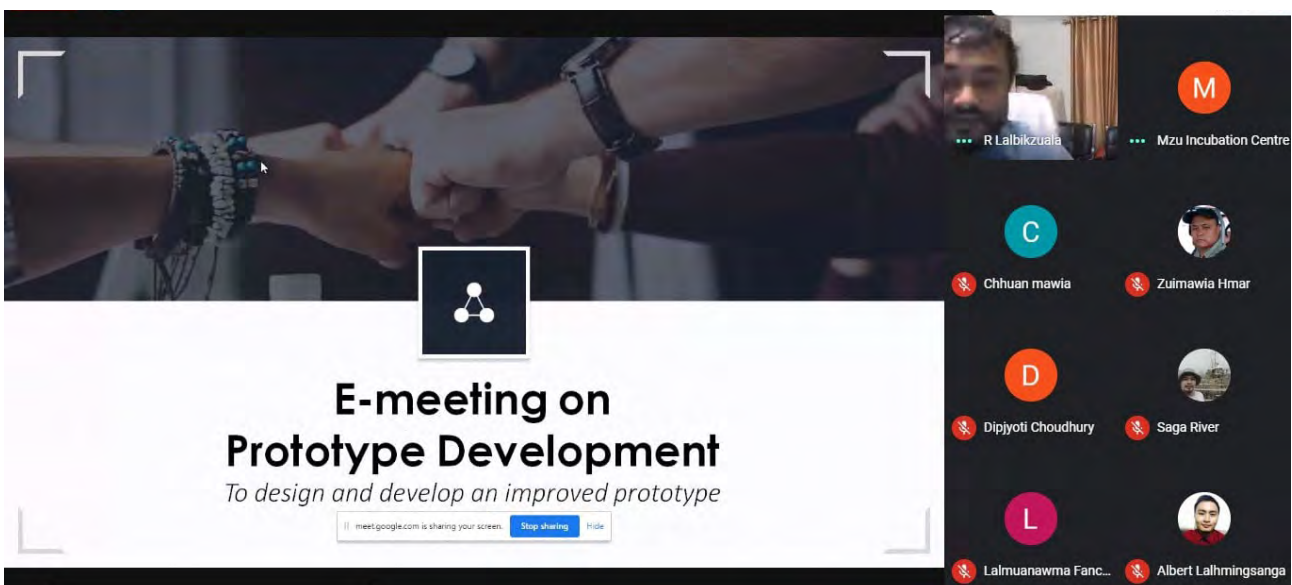
of grassroots innovation and outstanding traditional knowledge.

Herbal Healers workshop - To promote lateral learning among knowledge holders and spreading awareness about grassroots innovations in domains like agriculture, veterinary medication and human health, herbal healers workshop was organised along with Science College, Kokrajhar, Assam where about 30 healers and innovators from Kokrajhar and Udalguri districts participated.

Innovators meet - An e-meeting of the innovators from the Eastern region having a community workshop was organised on June

19, 2020, explaining to them how it can be a medium of finding local and frugal solutions and supporting nearby innovators who can also work on their innovations. Meeting with innovators, mechanics and fabricators were also organised in Kalahandi, Odisha and Nalanda, Bihar.

Meetings with Self Help Group's (SHG's) - NIF and KIIT TBI organised a series of meetings with SHG's in Puri, Ganjam and Jajpur districts of Odisha where more than 100 women participated. In the meetings, a presentation on different activities of NIF was made and the documentation of innovation/traditional knowledge shared by them was done along



An e-meeting on prototype development was organized so as to mentor and coach innovators on developing improved prototypes with greater market acceptance

with identified unmet needs, where the technological intervention is required.

A new initiative - A Radio Campaign (All India Radio, Big FM, Red FM) was launched by the State Council of Science, Technology and Environment, Govt. of Meghalaya in partnership with NIF across Meghalaya during Aug - Sep 2020, to boost scouting of innovations from the State. As a result of the campaign leads of 29 innovators were received from different parts of the state.

Database Management - During the period, digitization of over six thousand grassroots innovations and practices of the 12th competition was undertaken, which was linked in the database to corresponding reference numbers.

Value Addition, Research and Development (VARD)

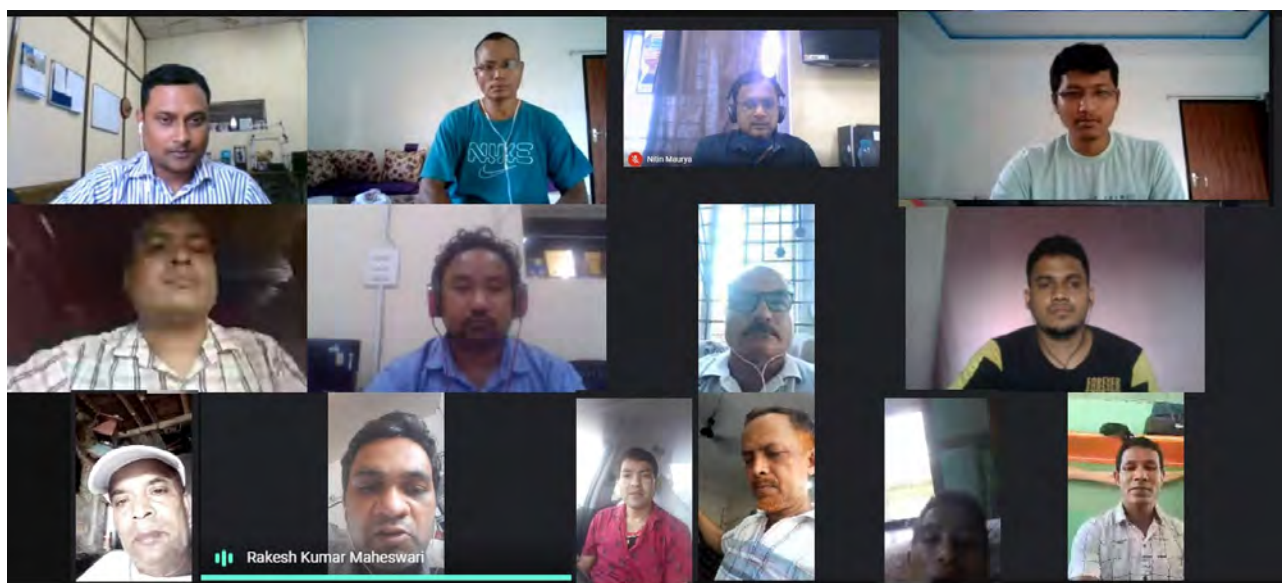
Engineering

During the year, detailed documentation, review and shortlisting of engineering entries received in the 11th National Biennial Competition (2017-19) was undertaken along with the preliminary review of the 12th Biennial Competition entries received

during the year. The value addition and design improvement projects were initiated for twenty-two technologies, development of prototypes of twenty-one technologies was also started in the Fab Lab. Financial support was extended to twenty-four innovators of twelve states namely Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Gujarat, Karnataka, Kerala, Maharashtra, Manipur, Mizoram, Nagaland, Odisha, Uttar Pradesh and UT of Jammu & Kashmir for developing value-added prototypes.

Two community workshops were established in Odisha and West Bengal and one in Chhattisgarh was strengthened. E-meetings with innovators who had been supported with the establishment of community workshop were held to review the activities undertaken by them including on innovations.

The field trials of manual walnut cracker, tamarind deseeder, lac processing machine and *chironji* decorticator were conducted for getting user feedback in UT of Jammu & Kashmir and tribal areas of Gujarat and Maharashtra. A field trial was conducted and expert feedback was obtained on the paddy thresher cum transplanter in Assam. Field testing and performance demonstration were



A workshop to mentor innovators who have been supported for setting up of a community workshop was organized

done for Polang (*Calophyllum inophyllum* fruit) decorticating machine, Ragi thresher machine, pulse thresher, rice cleaning machine, vegetable deseeding machine and manual paddy transplanter. In the testing, the performance parameters, as well as users' feedback, were recorded. Based on observations and discussion, the further scope of value addition/ modification was also suggested to the innovators.

Under the INAE and NIF MoU, significant progress has been made. Seven grassroots innovations were value-added, over ten projects are under review and simultaneously more technologies are being identified for refinement to make them market ready. One of the technologies improved under this collaboration is 'Tractor operated paddy transplanter', for which M/s John Deere India Pvt Ltd, one of the premier tractor company, has expressed interest for the transfer of technology. A Research Advisory Committee (RAC) meeting for Engineering was held on March 23, 2021, under the chairmanship of Dr V Bhujanga Rao, ISRO Chair Professor, National Institute of Advanced Studies, IISc Campus, Bengaluru to review the progress of the work done in the engineering section. Innovators meet was also organized on March 26, 2021, at the Zakura Campus, Institute of Technology, University of Kashmir to foster the culture of innovation, incubation and entrepreneurship in Jammu and Kashmir (UT). In the meet 45 grassroots innovators from 11 districts of UT of Jammu & Kashmir participated.

Mukhyamantri Abhinav Krushi Jantrapati Samman (MMAJKS) - The evaluation of 2882 applications received in the second edition of MMAJKS jointly organised by the Department of Agriculture and Farmers Empowerment, Govt. of Odisha and NIF was completed. Based on the evaluation, 243 applications were identified for field verification. Based on the field verification reports and data provided by the agriculture department, the innovations were re-evaluated and evaluation

results shared with the District Agriculture Officer. Under the chairmanship of the respective District Collectors, district-level screening committees identified the top three innovations and one idea from each of the twenty-six districts for state-level participation.

NIF has already supported value-addition projects for the 25 innovations identified in the first edition of the competition. Eight innovations were given to progressive farmers for obtaining user feedback during this period. These include vegetable deseeding machine and polang decorticator in Puri, flat pipe winding tool in Angul, paddy straw cutting machine in Dhenkanal, manual seed drill in Jajpur, Kendrapada and Jagatsinghpur, multipurpose agricultural implements in Angul, double plunger pesticide sprayer in Bolangir and Bargarh, and Sack holding stand (5) in Cuttack.

Agriculture

During 2020-21, twenty-nine plant varieties and nine herbal technologies were validated and value-added at thirteen research institutes. These varieties included fourteen varieties of cereals (rice & wheat), seven varieties of vegetables (cauliflower, hyacinth bean, pea, pumpkin, onion), three fruit varieties (banana & grapes) and five varieties of sorghum, casuarina, potato and soybean. The varieties were validated at thirteen research institutes namely Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Bihar; SD Agriculture University, Gujarat; GB Pant University of Agriculture and Technology, Uttarakhand; SKN Agriculture University, Jaipur; Central Agriculture University, Manipur; ICAR-Indian Institute of Wheat and Barley Research; Tamil Nadu Agriculture University, Mettupalayam; JNKVV, Jabalpur, MP; ICAR-National Research Centre for Banana (NRCB), Tamil Nadu; ICAR-CPRI, Shimla; University of Agriculture Sciences, Bengaluru; KVK, Solapur and Punjab Agriculture University, Ludhiana. The wheat



Through dissemination of Sanitary Napkin making machine in Dantewada, Chhattisgarh women at local level involved in making sanitary napkin pads and earning livelihood

variety BLK-Balaji (70q/ha) was found to have high yield potential with 15% superiority over the best check variety WH 1105 and good resistance to stem and leaf rust diseases when evaluated at SKN Agriculture University, Jaipur and ICAR-IIWBR, Karnal respectively. Similarly, early cauliflower variety Sonali 45 and hyacinth bean variety Maniyari also outperformed the check varieties at RPCAU, Bihar. Among bulb and tuber crops onion variety Kanshi No. 1 registered high yield potential, good bulb storage and quality at both the locations, whereas purple potato variety was found medium resistant to late blight disease with high dry matter content (21%) at ICAR-CPRI, Shimla. In commercial crops Casuarina MODI 1 variety performed exceedingly well and recorded higher wood yield (151 ton/ha) at a three-year plantation in comparison to check at TNAU, Mettupalayam.

Among climate resilient and sustainable technologies, farmer's dual-purpose (grain & forage) drought-tolerant sorghum variety 'AA' was found suitable for both Kharif and Rabi season at SD Agriculture University,

Gujarat and two paddy varieties Kudrat-1 and Kudrat-5 were identified as most suitable for production under low input organic conditions in comparison to check varieties at GBPUAT, Uttarakhand. Molecular identities/ DNA fingerprinting of four varieties viz. JK-1, Maniyari, Sonali 45 and Kamal Vikas of hyacinth bean, cauliflower and banana were also spawned at RPCAU, Bihar and ICAR-



Kanshi no.1: Improved high yielding onion variety developed by Shri Poonam Chand Patidar and supported by NIF



HRMN 99 Apple variety suitable for low Altitudes at a farmers' location in Darjeeling, West Bengal

NRCB, Tamil Nadu respectively.

Biochemical profiling of fifteen farmers' varieties of black pepper, paddy, potato, turmeric, pea and sorghum was completed during the period. Whereas under agronomic value-addition through multi-location testing

five varieties of onion and two vegetable varieties were taken up for Advance Varietal Trials (AVT-1) and Initial Evaluation Trial (IET) at ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Pune and ICAR-Indian Institute of Vegetable Research, Varanasi respectively under the ICAR-All India



On-farm trials for Sitara-Sringar, a mustard variety was conducted during Rabi 2020-21 at Sultanpur, Uttar Pradesh



Farmers managed on-farm trials of Kudrat 5, a Paddy variety during Kharif 2020-21 at Dumkhal village of Dediapada taluka in Narmada district, Gujarat

Coordinated Research Project Program. Three wheat varieties viz. BLK Balaji, Kudrat-9 and Mohit Gold were promoted for further AICRP-multi-location yield trials after evaluating the varieties along with checks under Initial Plant Pathological Screening Nursery at ICAR-IIWBR. In addition, two varieties of grapes were validated on-site by KVK, Solapur and fifteen plant varieties of wheat, grapes, sugarcane, banana, pearl millet, pigeon pea, bottle gourd, mustard, sonchampa, betel leaf, okra, ridge gourd and fennel were field-verified and documented.

In plant protection, nine herbal formulations were validated for bio-efficacy against leaf curl disease and insect pests of chilli at Punjab Agriculture University, Ludhiana during which a few herbal technologies were found significantly effective in the management of leaf-curl disease and effectively controlling the insect vector (whitefly) and other insect pests of chilli without causing phytotoxicity or harm to the beneficial insects. Also, the laboratory as well as field bio-efficacy evaluation of 16 herbal formulations developed by 14 grassroots innovators was initiated at five research institutes during 2020-21.

Veterinary

To validate and promote unique indigenous veterinary medications of herbal healers, several activities were initiated and/or followed up during the year. Clinical studies on three indigenous medications were conducted at the College of Veterinary Science, Tirupati, Andhra Pradesh for their follicular impact in the treatment of lactational anestrus during which the treated animals were found to respond clinically. A value-added intramammary formulation for the treatment of mastitis in dairy animals was validated and found to be effective against pathogenic bacteria (*Staphylococcus* sp.,



Mastirak, a herbal medicine used for treatment of mastitis amongst Dairy animals

& *Pseudomonas* spp.) isolated from clinical mastitis at a less concentration [25 µg/ml]. A topical formulation for the treatment of mastitis was found to be effective against pathogenic bacteria at a less concentration [50 µg/ml] demonstrating broad-spectrum activity. An indigenous herbal medication tested at the College of Veterinary Science and Animal Husbandry, Mathura, Uttar Pradesh for the treatment of subclinical mastitis condition was found to reduce somatic cell count in the milk of affected animals.

NIF's polyherbal acaricidal medication demonstrated 81.03% efficacy by 72 hours and completely controlled the infestation at the nymphal or adult stage of hard ticks by 9th-day post-treatment. The herbal medicine was found to be effective against mixed tick infestation due to *Boophilus microplus* and *Hyalomma* spp. This medication was widely demonstrated with the support of Tamil Nadu Veterinary and Animal Sciences University, Chennai and a popularization material for farmers was also developed. Demonstration of NIF's herbal acaricide medication was also conducted in 25 villages of Chhattisgarh with the support of Dau Shri Vasudev Chandrakar Kamdhenu Vishwavidyalaya, Chhattisgarh. The practice is recommended and shared by the Indian Council of Agriculture & Research [ICAR] [<https://icar.org.in/content/eco-friendly-control-tick-infestation-among-dairy-animals-using-nifs-poly-herbal-medication>].

An indigenous medication in the treatment of the clinical condition of bloat was found to be effective in relieving affected animals by one and a half hour. A polyherbal dewormer medication was found to affect the motility of worms by one and a half hour post-treatment. Subsequently, significant impact on mortality and morphology was demonstrated by two and a half hours' post-treatment through *in vitro* experimentation at the Department of Veterinary Clinical Medicine, Nagpur Veterinary College, MAFSU, Maharashtra. Another medication tested at Veterinary

College & Research Institute, Namakkal was found to provide relief to 60 per cent of treated cows by the expulsion of the placenta.

Histopathological examination of broiler chickens fed on two indigenous medications was conducted at Liveon Biolabs Pvt. Limited, Tumkur, Karnataka, for evaluation of their efficacy against fatty liver syndrome. These medications were found to minimize vacuolar changes in hepatocytes among broiler birds. Two feed supplements from West Bengal demonstrated significantly better growth performance among the treated broiler birds in experiments at the College of Veterinary Science & Animal Husbandry, Anjora. A research program was also initiated to evaluate indigenous medications for their digestive efficacy, immunity and protection of broiler birds against coccidiosis at the College of Veterinary Science & Animal Husbandry, Anjora, Chhattisgarh Kamdhenu Vishwavidyalaya, Durg.

Several virtual workshops were also organized viz. Policy implications in the control of ectoparasite infestation through indigenous herbal medicine for livestock on August 11, 2020, Control of endoparasite infestation and mastitis ailment through indigenous herbal medicine for livestock on September 30, 2020, Management of prolapse among dairy animals through indigenous herbal medications on November 5, 2020, Experience in popularization of NIF's indigenous polyherbal acaricidal medication among farming communities on January 29, 2021, Measures of scaling up of technology involving veterinarians, interface with farmers on March 12, 2021. These programs were attended by Vice Chancellors, Dean and Director of Research and resource personnel of Veterinary Universities across the country as well as St. George's University, Grenada West Indies, industry representatives like Respel Pharma, Karnataka had participated and shared their scientific inputs. A one-day workshop titled "Mainstreaming innovations and value-added technologies

among farmers” was also organized on February 18, 2021, with the support of the Directorate of Extension Education, Tamil Nadu Agricultural University, Coimbatore for program coordinators, Senior Scientists & Heads of Krishi Vigyan Kendras.

Human Health

While the world was being troubled by the COVID-19 pandemic, NIF was supporting innovations identified under the Challenge COVID-19 competition as well as undertaking studies on the disease and its possible cures. NIF was designated as the Nodal agency by the Indian Council of Medical Research [ICMR] in bringing up novel herbal formulations towards applications for COVID-19. The institution identified a potential herb for the treatment of COVID-19 while undertaking *in silico* studies. The necessary protocols and technical requirements for pre-clinical validation were pursued by NIF on Bioinformatics Computational modelling and *in vitro* studies on immunity enhancement, liver protection properties. Subsequently, in partnership with Chaudhary Brahm Prakash Ayurved Charak Sansthan (CBPACS), New Delhi and Baijnath Pharmaceuticals Private Limited, Paprola, Himachal Pradesh, NIF arrived at an Ayurvedic solution for COVID-19 rooted in our country’s outstanding traditional knowledge for which clinical trial was registered and undertaken.

During this period, ten indigenous medications for the treatment of tuberculosis were also evaluated at Jalma Institute of Leprosy & Other Mycobacterial Diseases, Agra of which six leads showed an impact on M. tuberculosis. Collaborative activities were initiated with the Dabur Research Foundation towards the evaluation of value-added herbal medication in the treatment of blood pressure for Human Health.

A meeting with the Director General, Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS) was organized on February 23, 2021,

at CCRAS, Ministry of AYUSH, New Delhi. Senior officials, Nodal Officers from CCRAS along with Program officers from 5 Centers shared their inputs for the development of quality standards for extended Ayurvedic Pharmacopoeia.

Intellectual Property Management (IPM)

NIF filed 14 patent applications during the year for engineering innovations. The responses to First Examination Report (FER) were filed in 110 cases. In case of herbal agricultural technologies, NIF filed 4 patents. The responses for 72 FERs were also filed for herbal technologies. In total 18 patents were filed and 66 were granted during the year spread across Engineering, Human health, Veterinary Sciences and herbal agricultural technologies.

In addition, during the period NIF worked closely with outstanding knowledge holders from 14 states and sought consent for 35 Access and Benefit Sharing agreements for maintenance of patent applications. About 35 approvals from National Biodiversity Authority were also received by NIF.

NIF also filed three applications for plant variety registration at PPV & FR Authority, New Delhi. HRMN 99 farmer’s developed apple variety was granted the certificate of registration. The total number of applications filed till now is 76 and the registered varieties are 14.

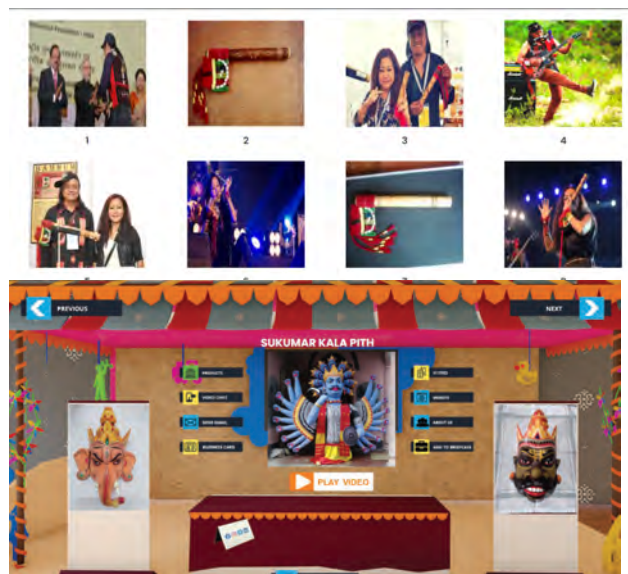
Business Development (BD)

NIF facilitated the transfer of two grassroots innovation-based technologies namely Tamarind de seeder and Multi-seed decorticator by Dayaram Vishrem Chauhan of Koraput district, Odisha to farm implements firm M/s Hindustan Machinery for manufacturing and marketing on December 27, 2020. NIF also facilitated the technology transfer of paddy straw cutter



A virtual curtain raiser program ahead of the 6th India International Science Festival (IISF) was hosted on 5th December, 2020

for mushroom cultivation of Ajaya Kumar Prusty of Dhenkanal, Odisha to M/s Supreme Enterprises for manufacturing and marketing on January 22, 2021.



Grassroots innovators supported by NIF participated in the India Toy Fair 2021 during 27th Feb - 2nd March, 2021

A meeting was held with officials of Bioneutra Innovations Pvt Ltd. Pune on March 18, 2021, towards the development of licensed technologies. Four variants of tea formulations viz., hepatic health, digestive health [Anti-ulcer], management of blood sugar and obesity were incubated through NIF Incubation and Entrepreneurship Council [NIFientreC]. Products developed from unique indigenous veterinary medications for the treatment of

anestrus (Estrona), endoparasite infestation (Wormivet) and mastitis (Mastirak Gel) were attracting a positive response from the market. These technologies were licensed to Rakesh Pharmaceuticals, Gujarat. Access and Benefit Sharing was realized towards commercialization of herbal veterinary products 'Wormivet' and 'Mastirak' based on outstanding traditional knowledge through efforts of NIF. Presently these indigenous herbal medications in form of commercial products are available for livestock owners as an alternative to the chemical method of treatment of mastitis.

NIF facilitated the participation of grassroots innovators in the 6th India International Science Festival (IISF) during 22nd and 25th December 2020; and India Toy Fair 2021 between February 27 - March 2, 2021, wherein grassroots innovations of the country were showcased. A virtual curtain raiser program was organized by NIF on December 5, 2020, ahead of the 6th IISF for a wider dissemination of the information related to its theme, programs and activities. About 600 participants from different parts of the country joined the curtain-raiser.

NIF organised a Grassroots Innovation Exhibition at/with Science College, Kokrajhar, Assam on November 6, 2020, for sensitization of students towards innovation.



A Farmers Workshop on Innovation and Indigenous Traditional Knowledge Dissemination at Samog, Chakrata, Uttarakhand

Dissemination and Social Diffusion (DSD)

Demonstration and training on grassroots innovation: During June 2020, hands-on training was provided to a SHG group of Bilaspur, Chhattisgarh comprising mainly of women on Leaf Grinding machine by grassroots innovator Bijoyram Patra of Odisha. NIF has been supporting the setting up of innovation centres in Meghalaya in partnership with the State Council of Science, Technology and Environment, Govt. of Meghalaya. Under this initiative, one unit of the sanitary napkin making machine was installed at Ferrando Inclusive College for the Deaf, Ri-Bhoi district, Meghalaya for providing vocational training to the deaf. The sanitary napkin pads made at the East Khasi Hills unit were disseminated amongst the rural women in Garo Hills district, Meghalaya. During December 2020, a training program on Cow Dung Pot

Making machine was organised for an SHG group at village Dumaligunda, Kalahandi district, an aspirational district from the State of Odisha. A training program on Tamarind deseeding machine and Tamarind cake making machine was conducted for a women SHG group at Bhumigadi, Dantewada on December 30, 2020, with local support from the Forest Department of Dantewada district, Chhattisgarh. A training program on Multi-purpose Processing Machine was organised by State Council of Science, Technology and Environment, Meghalaya and NIF during January 21-26, 2021 at Shillong, Meghalaya where the innovator, Dharamveer Kamboj imparted training to the participants.

Grassroots innovations like areca nut peeler, head load reducer, shock-absorbing crutches, improved baisakhi, tree climber, a walker with adjustable legs, tamarind deseeder, improved

stoves, vegetable & fruit caper and fruit nipper were disseminated in various states viz. Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Odisha, Punjab, Haryana, Rajasthan, Tamil Nadu and UT of Jammu & Kashmir. Installation of a modified handpump in a village of Bargarh district, Odisha and three mini-water turbines in three villages in East Khasi Hills and Jaintia Hills districts of Meghalaya was also completed.

The innovative sprayer technology developed by Rajendra Jadhav, Nashik, Maharashtra was identified as a potential S&T based innovative solution in NIF's Challenge COVID-19 Competition (C3). Upon taking cognizance of the utility of this tractor mounted technology, live field demonstrations were undertaken successfully in the area of Shramik Kranti Baug, Rajpur, Ahmedabad and the various locations of Jaipur and Tonk districts in Rajasthan in collaboration with Ahmedabad Municipal Corporation and State Innovation Council (DST, Govt. of Rajasthan), Jaipur (Rajasthan) respectively. The sprayer machine was used to sanitize locations visited by public i.e. gardens, Govt. schools, police station, narrow streets / bylanes of congested areas of the cities at night. The officials at both places appreciated the efforts of grassroots innovator in developing such an efficient machine for sanitizing targeted areas.

On-farm trials for the dissemination of farmers' crop varieties: The demonstration trials on 7 farmers' crop varieties of chickpea (SR 1), mustard (Sitara Sringar), wheat (Kudrat-9, HZG-30), onion (Sona- 40, Sandip) and chilli (AMP-R), initiated during Rabi 2019-20 at 67 farmers' field in Maharashtra, Punjab, Bihar, Chhattisgarh, Uttar Pradesh and Gujarat, were completed. The mustard variety produced a higher yield than local checks in the States of Maharashtra, Bihar, Chhattisgarh, Uttar Pradesh and Gujarat. Sona-40 followed by Sandip onion varieties produced a higher yield than Nasik 53 in Sultanpur (UP)

conditions while AMP-R produced higher green fruit yield over local check in Saurashtra region of Gujarat. The performance of wheat varieties was found to be at par with local varieties in Gujarat and Punjab states. Chickpea (SR 1) produced good grain quality (bold seeded) but was found to be an underperformer in terms of grain production at all locations of Maharashtra and Gujarat.

During Kharif-2020, on-farm trials of twelve farmers' crop varieties of rice (Chinnar-20, Kudrat-5, 1, Surjeet Basmati, DRK and Dadaji HMT), hyacinth bean (JK 1, Maniyari), pigeon pea (Richa 2000), pearl millet (Sulkhaniya), brinjal (HZKB 1, Ninranjan) and chilli (AMP-R) were undertaken at 830 farmers' fields in 70 villages covering forty-one districts of ten states viz. Gujarat (12), Maharashtra (1), West Bengal (11), Odisha (6), Chhattisgarh (4), Sikkim (1) Jharkhand (1), Punjab (1), Rajasthan (2) and Bihar (2). Rice varieties Chinnar-20 and Kudrat-5 were found to be suitable for profitable cultivation in rainfed and irrigated conditions respectively. Chinnar-20 was tolerant to major insect pests of rice whereas DRK and Dadaji HMT rice varieties fetched good market response and were preferred by the growers due to their palatability and cooking quality. Surjeet Basmati-1 produced a superior yield over local checks under Gujarat and Maharashtra conditions. Sulkhaniya- pearl millet variety was also found to be an outperformer and was preferred by farmers due to its early maturity with higher grain & quality fodder yield under rainfed condition in Gujarat and Maharashtra. Indian bean (Maniyari & JK 1) were reported to be superior for green pod yield and market acceptability in Sitamarhi and East Champaran districts of Bihar.

During Rabi 2020-21, demonstration trials for the dissemination of five farmers' crop varieties of cauliflower (Ajitgarh Selection), wheat (BLK-Balaji), mustard (Sitara sringar), carrot (Durga 4), chickpea (SR 1) and onion

(Balwan pyaj) were initiated at 324 farmers' field in sixteen districts of ten states Maharashtra (1), Madhya Pradesh (1), Punjab (1), Gujarat (7), West Bengal (1), Haryana (1), Uttar Pradesh (1), Rajasthan (1), Telangana (1) and Karnataka (1). The mustard variety recorded higher seed yield with superior growth, more number of pods per plant and synchronous maturity while the wheat variety produced lengthy spikes with more grains over other varieties being cultivated in the region at all locations.

The transplantation of 100 grafted plants of Sadabhar Mango variety developed by grassroots innovator Shrikishan Suman, Kota was carried out at Manipal University, Jaipur, Rajasthan. First season fruits of apple varieties (HRMN 99, Dorset Golden and Anna) were harvested from 16 months old plantations done by NIF in Imphal East and Bishnupur during June-July 2020. HRMN-99 variety reported a higher production as compared to the checks. Fruit quality analysis of all three varieties was carried out at ICAR Research Complex for NEH Region, where a HRMN-99 variety reported higher Total Soluble Solids (TSS) content.

To identify nutrition-rich farmers' crop varieties for dissemination, zinc and iron content analysis of nine wheat varieties were carried out at Junagarh Agricultural University, Gujarat. BLK-Balaji wheat variety developed by Shri Bajrang Lal Kaswa from Rajasthan reported significantly higher Zinc content, higher than state and local checks respectively. To meet the household pulses requirement of farmers, NIF-India promoted a border cropping system of pigeon pea at 280 farmers' fields in Gujarat, Maharashtra and West Bengal. The beneficiaries appreciated the performance of the variety for a significantly high production of green pods and grain and sweeter taste as well as an additional source of earning and food.

A farmers' meeting involving 24 progressive

farmers was also organised at Samog village in Chakrata block of Dehradun district, Uttarakhand. The beneficiaries who took part in on-farm trials of HZKB-1 (Brinjal) variety were detailed about the complete cultivation practices of the variety and various plant protection methodologies and other relevant grassroots technologies for the region.

Activities in collaboration with Krishi Vigyan Kendras (KVKs) and Universities: For the dissemination of twenty-two grassroots innovations, herbal practices and farmers' crop varieties, initiatives were undertaken in coordination with ICAR-KVK, Thenni, Tamil Nadu; ICAR- Kamla Nehru Krishi Vigyan Kendra-1, Sultanpur, Uttar Pradesh; North-Eastern Hill University, Tura campus, Meghalaya and Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology, UT of Jammu and Kashmir. A total of 335 farmers will be directly benefitting through these dissemination projects.

In the collaboration with KVK Nandurbar, Maharashtra, an online workshop on 'Role of ITK and Grassroots Innovations in Indian Farming' for KVK faculty and farmers of the Nandurbar region was organized on October 9, 2020. A total of 34 farmers along with the staff of KVK participated in the program where the participants were acquainted with the NIF's activities, field demonstrations of NIF's GRIs and ITK based herbal technologies for the management of various ailments in crops and animals. Two online workshops were organised on 'Cultivation practice of low chilling apple varieties in Odisha' on August 27, 2020, and December 30, 2020, wherein forty farmers were acquainted with various activities at NIF and also provided with technical know-how including plantation techniques, pruning, nutrition management as well as the control of insects, pests and diseases for HRMN-99 apple cultivation. NIF also engaged with the Scientists in KVK Bongaigaon and Barpeta, Assam and KVK South Tripura, Tripura in November 2020 for

scouting, documentation and dissemination activities.

Awareness and skill development programs: Innovation exposure visits cum training programs for over 292 farmers of Kheda district, Gujarat were organized wherein the farmers were given training towards using various methods of preparing herbal formulations for crop protection and ailment management in livestock. During the programs, farmers visited Fab lab and interacted with Engineers working on various grassroots technologies in the field of agriculture and had an opportunity to know more about different technologies incubated by NIF.

A field day cum awareness program on on-farm trials of rice variety Kudrat 5 in Narma-da, an aspirational district of Gujarat, was organised on October 26, 2020. Over 40 farmers participated in the event where they were acquainted with the activities of NIF and their possible involvement in relevant activities. They were also explained about IPM measures including ITK-based herbal pesticide to be undertaken in the management of rice crop pest. Two demonstrations cum training programs on the preparation and effective usage of the herbal formulation were conducted in Gujarat and Maharashtra states where on-farm trials of herbal formulation at 43 farmers' fields in Gujarat were undertaken for the management of pests in vegetable crops during Kharif and Rabi 2020. Field day cum farmer-scientist interaction programs were jointly organised by NIF-India and KVK, Sultanpur in two blocks (Kurebhar and Motigarpur) of Sultanpur district of Uttar Pradesh during March 1-2, 2021, where 42 farmers were acquainted with farmers' improved crop varieties, importance of quality seeds and its production techniques. The participants were also conversant with the outstanding ITK based pests and diseases management in crops and animals during the program.

Under the GreenShala initiative, activities

like skill development training in organic farming, in-situ value addition in farm-fresh produce, compost preparation, conservation of traditional landraces/ cultivars of various crops, field demonstration of best practices incubated by NIF and entrepreneurship promotion among farmers of Grambharti area, students of Masters in Rural Studies and local youth was undertaken. Over 1000 farmers, students and local youth got hands-on training and were benefited from these activities.

NIF also participated in Rural Women Training Workshop at Delang, Puri (January 15, 2021) at Women Technology Park K Nua-gaon, Ganjam (January 28, 2021) and at Jajpur district, Odisha on March 14, 2021. In all the three meetings more than 200 women from several SHGs had participated and were briefed about NIF activities and dissemination of useful grassroots technologies. The workshop was organised by KIIT TBI.

Dissemination of Mosthwak-herbal mosquito repellent cream: In coordination with the National Vector Borne Disease Control Program and State Public Health Department of Assam, Mosthwak, a herbal mosquito repellent cream, was disseminated in five backward villages under Orang Block of the Udalguri district of Assam, inhabited by Boro and Tea tribes and had pockets of malaria incidence in the past. Similarly, in malaria-prone areas of Malkangiri and Ganjam districts of Odisha and Bilaspur and Bijapur districts of Chhattisgarh, and East Khasi Hills district of Meghalaya, the tubes of Mosthwak cream were distributed in collaboration with District Authorities and District Level Malaria control teams. The herbal formula for the Mosthwak cream was developed by NIF and licensed to Shashwat Green Wellness Private Limited, an enterprise being incubated under NIFentreC, the technology business incubator of NIF. Packaged as a collapsible tube, a total of 13000 quantities were disseminated in the region. Feedback from the end users in villages

have been positive, reporting mosquito away time of about four hours without any side effects.

Other initiatives: To popularize grassroots innovation, NIF contributed content for the Jan Vigyan series telecast on India's only online science channel (www.indiascience.in) managed by Vigyan Prasar. Thirty-eight grassroots innovation supported by NIF were profiled in series.

Recognition to Innovators

Vinisha Umashankar, a recipient of Dr APJ Abdul Kalam IGNITE Award 2019 for her innovation 'Solar Ironing Cart' won the Clean Air Prize during Children's Climate Prize 2020 in Stockholm, Sweden for the same innovation, being one of those children who have made extraordinary efforts for the climate and environment. INSPIRE Awardee Ayush Ranjan from Sikkim got selected for the prestigious Pradhan Mantri Rashtriya Bal Purashkar 2021. He will receive the award from the Prime Minister on August 15 in New Delhi.

Notable mentions

Grassroots innovator Rajendra Jadhav's Innovative Sprayer for Sanitization, received by NIF as a part of Challenge COVID-19 Competition (C3), was implemented in Satana and at other locations in the State of Maharashtra. On May 31, 2021, this innovative technology was referred to by the Hon'ble Prime Minister of India Shri Narendra Modi in the 65th edition of *Mann Ki Baat* while talking about innovations by common people of the country during the

ongoing COVID-19 pandemic.

Later in his 68th *Mann Ki Baat* on September 2, 2020, the Hon'ble Prime Minister of India made a mention of C V Raju, a grassroots innovator from the Etikoppaka village of Andhra Pradesh. For his innovation 'herbal dyes for wooden toys', Raju was conferred with NIF's 2nd Biennial National Grassroots Innovation and Outstanding Traditional Knowledge Award by then Hon'ble President of India Dr APJ Abdul Kalam. In the year 2018, he was also invited to be the part of 5th batch of Innovation Scholar In-Residence programme at Rashtrapati Bhavan.

Another innovator supported by NIF, Murugesan from Madurai, Tamil Nadu, was mentioned by the Hon'ble Prime Minister of India in his 74th *Mann Ki Baat* on February 28, 2021. His innovation 'Banana Fiber Processing Machine' has been supported for wider dissemination by NIF.

On September 15, 2020, while speaking at the Fourth Edition of Global Ayurveda Summit on the theme 'Emerging Opportunities for Ayurveda during Pandemic', the Hon'ble Vice President of India Shri M. Venkaiah Naidu urged players in Ayurveda to collaborate with National Innovation Foundation – India and work collectively towards leveraging immense possibilities of modern technology, connect to hitherto undiscovered technology spheres and find solutions to popularising Ayurveda globally.

INSPIRE Awards MANAK

The online nominations for INSPIRE Awards - MANAK 2020-21 were opened from June 1, 2020 and continued until 15th October, 2020. This was preceded by a meeting of all State Nodal Officers (SNOs) organized by NIF through video conference on May 11th, 2020, wherein SNOs from 29 States participated and agreed upon the period of invitation call. As a part of a massive outreach campaign, to mobilize teachers and the schools and a significant awareness generation, NIF organized nearly 200 online workshops (between June 8 to October 9, 2020) where close to 40,000 participants (teachers, block education officers, inspector of schools, district education officers, State/ District Nodal officers) from 33 States and UT's of the country participated.

To provide further impetus to the campaign, boxing legend M C Mary Kom and popular author/columnist Chetan Bhagat urged the students across the country to participate in INSPIRE Awards MANAK program. NIF also developed six one minute radio spots (Hindi & English) by renowned voice over artist and veteran news anchor Shri Shammi Narang, which were widely disseminated through All India Radio. Popular news channels like TV 18 voluntarily urged students to participate in the annual INSPIRE Awards MANAK program in their prime time slot. The INSPIRE Awards MANAK was integrated with UMANG app of the Govt. of India and initiative towards migrating the E-MIAS system from the legacy IT Infrastructure to NIC Cloud was taken.

These efforts culminated in the receipt of about 6.53 Lakh ideas and innovations for the year 2020-21 by the last day of nominations on October 15, 2020. These nominations were received from 702 districts (of 727

total districts) of all the States and Union Territories of the country with 50.7% girls representation, and majority of nominations from the rural areas of the country. Rajasthan ranked the first going by the number of ideas nominated, and was followed by Bihar (2nd), Chhattisgarh (3rd), Karnataka (4th), Odisha (5th), Jharkhand (6th), Maharashtra (7th), Andhra Pradesh (8th), Madhya Pradesh (9th), Uttar Pradesh (10th). 123 out of 124 aspirational districts participated (99%) and together they accounted for 22.33% of total nominations received this year.

For the review of the nominations received, NIF developed an online review system and hosted it on a Cloud Infrastructure using which about 400 experts from premier institutions of the country evaluated all the ideas by the second week of December 2020. After the evaluation 53,021 ideas and innovations were shortlisted for the INSPIRE Awards to the students.

As due to COVID-19 pandemic organising physical exhibition and project competition was not possible, NIF developed a user-friendly mobile app for online organising District/ State/ National Level Exhibition cum Project Competition (D/S/NLEPC). All students were asked to download the app and upload their project details (information, photo, video, audio) using the MANAK Competition app, available on Android and iOS platforms. NIF developed a separate dashboard for the State, District authority for the implementation of online D/SLEPCs, where authority can check the status of upload of data as well as reset the password for the students' login.

D/SLEPCs carry forwarded from previous FY were also organised using the app. A total of eight State Level Exhibition & Project

Competitions (SLEPCs) were organized, where 1552 students and a total of 70 District Level Exhibition & Project Competitions (DLEPCs) were organized where 5390 students participated. In addition, fifteen mentorship workshops (online/offline) for the state level selected students were organised, where 370 students from

twenty States/UT's participated. Product development support was provided to about 300 students to develop improved prototypes for participation in the NLEPC. During this period, in-parallel 27 improved prototypes based on projects of students selected in the 7th NLEPC of INSPIRE Awards – MANAK were also developed in-house.

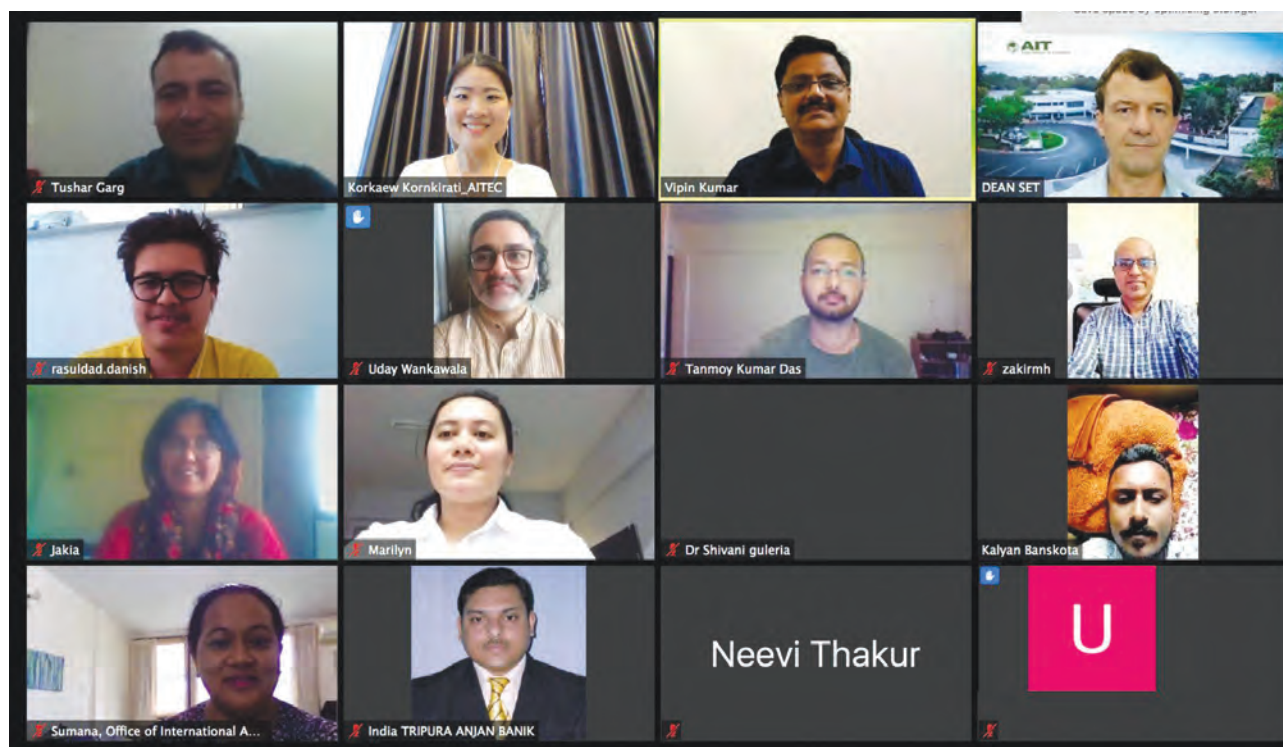
International Cooperation

India South Africa Grassroots Innovation Programme - On June 25, 2020, a review meeting to assess the progress on Science, Technology and Innovation (STI) co-operation between South Africa and India was held where DST, India, NIF and DSI, South Africa participated. The Grassroots Innovation Programme between the two countries was discussed. With an objective to strengthen the STI co-operation between India and South Africa, a selected list of technologies for fighting COVID-19 pandemic was shared with DSI, South Africa.

ASEAN India Innovation Platform (AIIP) - The 7th Meeting of the ASEAN - India S&T Development Fund (AISTDF) was held on November 10, 2020, to review the ongoing STI cooperation between India and ASEAN Member States (AMS). As a part of the meeting, representatives from AMS were updated on the progress of ASEAN

India Innovation Platform (AIIP) – Social Innovations. The fully operational platform, driven by NIF, lists innovations from AMS and India, abandoned patents and a mapping study of 33 Indian Innovations which appear promising for potential deployment in ASEAN Member States. With an objective of enhancing STI based co-operation between India and AMS, a selected list of technologies for fighting COVID-19 pandemic was also shared with counterpart organizations in ASEAN Member States; As a result, member states like Philippines, had initiated discussions internally in support of the technologies shared.

5th BRICS Young Scientist Forum – The forum was organized in a virtual mode between 21st – 25th September, 2020 and several Scientists, Researchers and scholars from NIF participated in it. NIF was also part of the Jury for the BRICS young innovator competition.



The Director, NIF delivered an Expert's talk on the emerging role of Innovations in self-reliance of Nations for Asian Institute of Technology, Thailand

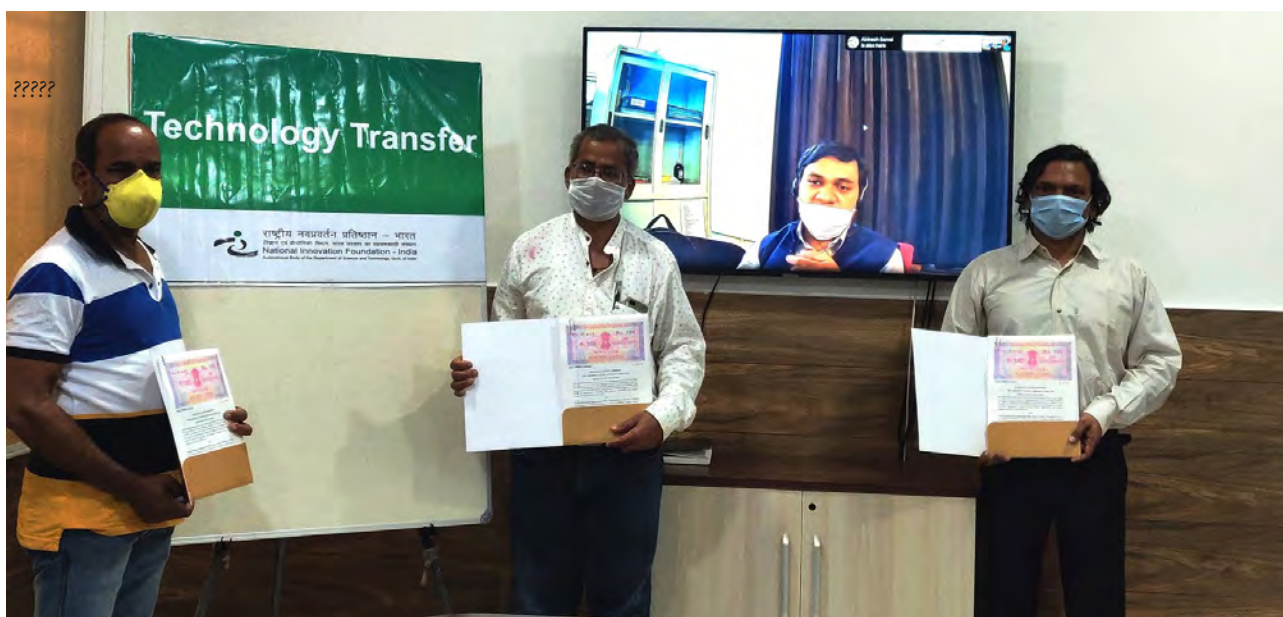
New initiatives and partnerships

NIF signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Alliance Bioversity International & International Centre for Tropical Agriculture, a CGIAR (Consultative Group on International Agricultural Research) center on May 27, 2020, to collaborate resources & expertise in the niche of agrobiodiversity innovations. NIF entered into an understanding on November 23, 2020, with the North Eastern Region Community Resource Management Society (NERCRMS) under North Eastern Council (NEC), Ministry of DoNER with an objective to strengthen the dissemination of grassroots innovations in the NER. Under the partnership, NIF facilitated the transplantation of 15000 HRMN 99 apple saplings in the North Eastern States. NIF also signed a MoU with the Gujarat Biotechnology Research Centre (GBRC), Department of Science & Technology, Government of Gujarat on March 17, 2021 with the purpose to complement research, institutional development, capacity development in terms

of validation and value addition of indigenous herbal medications.

NIF was invited to be a partner Institution by Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration (LBSNAA) for the 95th Common Foundation Course (CFC). In line with this young but meaningful association, NIF drafted the required course content for the trainee officers covering information on NIF and selected (20) case studies of innovators. Commemorating Golden Jubilee Year of DST, NIF took the initiative of publishing a coffee table book, which would reflect the journey of two decades of NIF in the service of the nation and its people.

NIF initiated developing quality standards of 50 plants in collaboration with Central Council for Research in Ayurvedic Sciences (CCRAS), Ministry of AYUSH, Govt. of India. NIF comes across several thousand practices that are not formalized in the country and are



The technology Paddy Straw Cutter for Mushroom cultivation was transferred to Odisha based farm implements firm M/s Supreme Enterprise



NIF entered into an MoU with Gujarat Biotechnology Research Centre (GBRC), DST, Government of Gujarat

still in non-codified form. NIF preserves this ancient, non-codified traditional knowledge from diminishing by properly documenting the same. So far more than one hundred such non-codified plants used by traditional healers from different parts of the country have been validated for their efficacy by NIF.

Due to the pandemic, the National Entrepreneurship Awards (NEA) 2020 were deferred by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, Government of India. NIF, being the lead partner for the year, developed an improved web portal of the NEA along with iOS and Android mobile apps and their lite versions for facilitating web applications access even in areas where internet connectivity is relatively poor.

On the occasion of independence day - August 15, 2020, the NIF employees in Gandhinagar planted over 50 plants, including Aritha (*Sapindus mukorossi*), Borsalli (*Mimusops elengi*), Gamhar (*Gmelina arborea*), Garmalo (*Cassia fistula*), Geiger tree (*Cordia sebestena*), Harsingar (*Nyctanthes arbor-tristis*), Jacaranda (*Jacaranda mimosifolia*), Kadam (*Neolamarckia cadamba*), Kamini (*Murraya paniculata*), Nimbaro (*Melia dubia*) and others, at NIF Campus.



Saplings being planted by staff members of NIF in the campus

Promotion of Hindi

National Innovation Foundation – India has made concerted efforts to further the government's Raj Bhasha policy during the year. To ensure compliance to the rules, NIF from time to time engages in different activities related to dissemination of information for the benefit of all. During the period, the Hindi Bhasha Committee of Department of Science and Technology reviewed NIF activities pertaining to promotion of Raj Bhasha in the institution. In the review report, the committee appreciated institutions efforts to promote Raj Bhasha Hindi and gave some suggestions as well.

Based on the recommendations of the report, NIF took a number of initiatives to achieve the targets laid down for the year. All documents included under Raj Bhasha Act – 3(3) such as resolutions, general orders, rules, notifications, administrative and other reports, press releases, tender forms, administrative and other reports to be laid before either or both Houses of Parliament, etc. were attempted to be made bilingual. In order to achieve the goal of sending Hindi/bilingual correspondence in the regions classified as A, B, C, the title / subtitle / subject etc. of all the letters issued from NIF, the salutations, signature etc. are being made bilingual or in Hindi, wherever possible. Efforts were also made to send bilingual email correspondences.

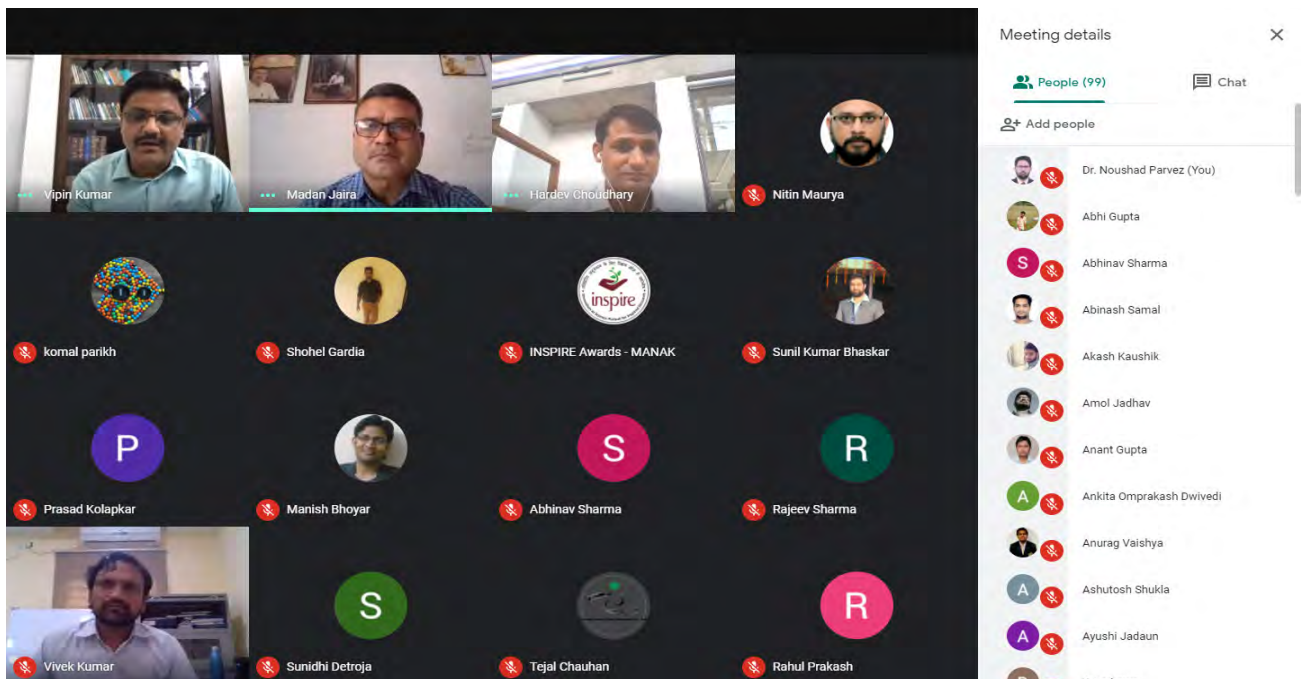
NIF has also various checkpoints in its offices to ensure implementation of Official Language Policy and related Government orders. All documentation forms, codes, manuals, visiting cards, notice boards, office details on official vehicles, standard forms / forms, procedural literature, seals / stamps, signage, banners, identity cards, invitation cards, inscriptions on the top and envelopes and stationery etc. are bilingual (in Hindi and English). During the year, NIF submitted quarterly



A wide range of activities were organized by NIF on the occasion of Hindi Diwas 2020

and annual reports to the Official Language Committee, DST along with half yearly and annual reports to the City Official Language Committee. During the Hindi Pakhwada, several programs were organized for the promotion of Hindi language and for maximising usage in the office. Necessary action has/ is being taken to develop websites of the institution and the MIS bilingual. Since many staff members of are from different states, a prominently spoken Hindi word is written daily on a whiteboard in the campus to popularize Hindi among them. The phonetic transcription of the Hindi word and its meaning is also written in English for the ease of the staff.

All posters and dissemination materials of NIF are available in both Hindi and English. During the year, NIF has produced a total of 4 booklets, 4 brochures, 10 leaflets, 3 video spots along with several other promotional materials in Hindi. Efforts are being made to have other publications in Hindi as well as in other regional languages. Apart from this, NIF makes concerted efforts to promote regional languages as well. All letters received by NIF in local languages are replied to in the same language. For this the services of translators are taken. Efforts are being made to increase the number of Hindi books in NIF's library.



Shri Madan Jaira, National Bureau Chief, Hindustan delivered a lecture on the topic “The present and future of Hindi language” on the occasion of Hindi Diwas 2020

Administrative and financial matters

NIF appointed M/s Joy Baxi & Associates, a CAG empanelled auditor, as auditor for statutory audit for FY 2020-21.

Government Related activities

NIF submitted to the Department of Science and Technology, inputs for DST's Annual Report (2019-20), Quarterly RTI report, Monthly and Quarterly KPI's, Outcome Budget and inputs related to Parliamentary questions and monthly summary for Cabinet and PMO. In pursuance of Rule 229(xi) of the GFR, 2017, NIF also signed the MoU with the DST for the FY 2020-21.

The Constitution Day celebrations were undertaken on 26th November, 2021 wherein activities like poster designing, essay writing, quiz competition and a talk on the country's Constitution were organized

which contributed towards building a greater awareness on the rationale for celebrating the day i.e. to commemorate the adoption of the Constitution of India. Posters on our fundamental duties were displayed at various locations in the office premises with the objective to widely disseminate the information.

The 21st May, 2020 was observed as "Anti-Terrorism Day" in line with the underlying purpose to wean away the youth from terrorism and the cult of violence by highlighting the sufferings of common people and showing as to how it is prejudicial to the national interest. On this occasion, a pledge-taking ceremony was organized in which all staff members extended their participation.

Publications

Research Articles published (4)

Dave PP, Singh S, Chodvadiya MB, Choudhary H, *Bioefficacy of crude polyherbal formulations against hoppers (Insecta: Hemiptera) of rice*, Journal of Entomology and Zoology Studies 8(6): 1392-1398, 2020 DOI: <https://doi.org/10.22271/j.ento.2020.v8.i6s.8023>

Parvez N, Choudhary H, Shinde VV, More VG, Kudtarkar US, Gabhale LK, Dhane AS, Gangawane SB, Maru B, Ghole SV and Pisore BN, *Performance Evaluation of Farmers' Onion Varieties against Purple Blotch Disease*, Asian Journal of Agricultural Extension, Economics & Sociology. 38(10): 52-62, 2020; Article no. AJAEES.62092 DOI: 10.9734/AJAEES/2020/v38i1030430

Rawat P, Singh PK, Ghorui S, Kumar V, *Exploring Scientific Evidence of Grassroots' Traditional Medicinal Knowledge of Chhattisgarh, India*, in Human Healthcare, Current Traditional Medicine 6(3): 203 – 224, 2020.

Maurya C, Maurya N, *Ancient Indian ergonomics wisdom and its contemporary significance*, Theoretical Issues in Ergonomics Science, Mar 22, 2021. <https://doi.org/10.1080/1463922X.2021.1898061>

Books (3)

Contours of Creativity

Srujanasilata re chitrita Odisha (Odia)

Usma anchala ra Seo (Odia)

Booklets (3)

Indigenous varieties of fruit crops with high commercial value
Farmers' developed improved vegetable crops (Hindi)

Abhinav Kanahiyan (Hindi and English)

Handbook (1)

Teachers handbook for INSPIRE

Leaflets (7)

Herbal practice for ectoparasites (Gujarati)

Guava (G-Vilas Pasand)

Brinjal (HZKB 1 & Niranjan Bhata)

Chilli (Helen Morak and AMP-R)

Paddy (Chinnar-20 & Kudrat-5),

Pigeon pea (Richa 2000)

Cauliflower (Sonali-45)

Technical bulletin (1)

Herbal practices against White Fly (Gujarati)

Articles (6)

Kota farmer develops mango variety that bears fruits round the year, Press Information Bureau, Govt of India, April 5, 2021,

https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1709644&fbclid=IwAR1eD-jPzM7e4U-5rQLPqvG1jBI_VcoR4_Au_NZcnlhZ6RiFe0NZhztGnEgs

NIF brings herbal dewormer for livestock owners from indigenous knowledge, Press Information Bureau, Govt of India, April 11, 2020, <https://pib.gov.in/PressReleaseDetailm.aspx?PRID=1613211>

NIF boosts new varieties of Anthurium, a flower with high market value, by lady innovator from Kerala, Press Information Bureau, Govt of India, April 22, 2020, <https://pib.gov.in/PressReleaseDetailm.aspx?PRID=1613211>

pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1617172&RegID=3&LID=1

Resolution to save villagers from COVID-19 inspires Nashik man to develop innovative tractor-mounted sanitization sprayer, Press Information Bureau, Govt of India, May 26, 2020, <https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1626708>

NIF supports tea dehydration machine & an agarwood oil extraction machine of serial innovator from tea gardens of Assam, Department of Science and Technology, Govt. of India, June 29, 2020. <https://dst.gov.in/nif-supports-tea-dehydration-machine-agar-wood-oil-extraction-machine-serial-innovator-tea-gardens>

NIF supporting grassroots innovations in Na-

galand, The Morung Express, Aug 26, 2020

<https://morungexpress.com/nif-supporting-grassroots-innovations-in-nagaland>

Others (1)

Ravikumar RK, 2020. Current approaches in integrating indigenous knowledge for livestock service/welfare in hilly areas, In Pranav Kumar et al., [Eds] MOOCs Training program on "Contemporary approaches for sustainable livestock farming in hilly areas, Organized by Faculty of Veterinary Sciences & Animal Husbandry, R S Pura, Sher-e-Kashmir University of Agricultural Sciences & Technology of Jammu, sponsored by National Institute of Agricultural Extension Management [MANAGE], Hyderabad, Govt. of India, 20-23rd October, 2020.

Patents granted and Protection of Plant Varieties and Farmers' Rights Authority (PPV&FRA) registrations during 2020-21

Sr. No.	Title of Innovation	Name of the Innovator	Patent No.
1	Herbal Preparation For Therapeutic Management of Neurological Disorders	Umesh Singh	356907
2	Herbal Composition For Treatment of Diarrhoea And Method Thereof	V. Rothanga	358233
3	Herbal Composition And Their Use For Control of Hypertension	Kanhai Ram Mahto	356095
4	Herbal Composition And Their Use For Control of Hypertension	Kanjibhai Patel	361667
5	Herbal Composition With Anti-Inflammatory, Analgesic, Anti-Pyretic Properties For Alleviation of Arthritis And Gout And Method Thereof	Chickane, Hiranman Baban	356804
6	Herbal Composition For Therapeutic Management of Diseases of The Respiratory Tract	Mushtaq Ahmad Shapoo	359513
7	Herbal Composition For Treatment of High Blood Glucose Levels In Metabolic Diseases And Process of Preparing Same	Ganesh Dutt Sharma	358849
8	A Herbal Formulation For Treating Disease And Complications Caused By The Malarial Parasite	Shyamlal Chaturvedi	359826
9	Herbal Composition For A Beverage With Anti-Inflammatory Properties	Siya Devi	363070
10	Herbal Formulation For The Treatment of Hair Fall	Meena R	350529
11	Herbal Composition And Medicament For Treating Malaria	Narayan Singh (Legal Heir of Late Maddi Singh)	354623
12	Herbal Composition And Medicament For Treating Malaria	Dhanbai Hamirbhai Garva	341166
13	Herbal Medicament For Treating Tooth Infections	Bibari Boro	363059
14	Herbal Medicine For Cerebral Malaria	Tapan Hira (Legal Heir of Late Bhula Hira)	350956
15	Herbal Compositions For Hair Care	Phuritsabam Bishwaroop Singh	363066

16	A Novel Herbal Topical Composition For Use In Treating Otorrhoea	Dhaniram Phukan	339200
17	Herbal biscuits and methods of preparation thereof.	Ratniben Bhimabhai Hathela, Sakuben Gajabhai Hathela, Yasodaben Srirambhai Chowdhary	358718
18	A Novel Synergistic Herbal Composition For Use In Treating Head And Body Aches	Kullha Kathara	349481
19	Herbal Compositions For Treatment of Wounds Or Ulcers	Hrudunanda Nayak	354869
20	A Herbal Medication To Cure Jaundice	Jogabhai Navabhai Bubadiya	360236
21	Medication For Menorrhagia	Mangilal Mali	356617
22	A Herbal Composition For Treatment Or Prevention of Pain	Ramajibhimaji Parmar, Samatbhai Solanki	336151
23	A Herbal Composition Effective Against Gastro Intestinal Endoparasitic Infections In Animals	Surya Barman	349482
24	Herbal Compositions And Medicaments Thereof Of Curing Endoparasite Infestation	Dayabhai Vasrambhai Bharwad	349705
25	A Herbal Composition For Treatment Or Prevention Of Ectoparasitic Infestation	Sumati Sahu	354586
26	Herbal Formulation For Treatment Of Mastitis	Arunachalam Annamalai	356520
27	Herbal Composition For The Treatment Of Ephemeral Fever	Naval Kishore Singh	362274
28	Herbal Composition For The Treatment Of Enteritis And Process For Making The Same	Periyasamy Pullapankadai	362840
29	Herbal Composition For Prevention Or Control Of Plant Pests	Jokhu Shah	352692
30	A Formulation for Promoting Plant Growth	Sona Mohan Sarkar	348661
31	Herbal Composition For Promoting Or Enhancing Seed Germination, Growth And Disease Resistance	Bhikhaji Kaluji Solanki	350524
32	Herbal Compositions For Control Or Elimination Of Plant Pests	Chandrashekhar G	334008

33	Herbal Composition For The Control And Prevention Of Agriculture Pests	Jogarjiya Devshibhai Sangrambhai, Darbar Devkubhai Jivubhai & Koladiya Vinubhai Hajibhai	335760
34	Herbal Composition For Promoting Or Enhancing Seed Germination, Growth And Disease Resistance	Hargovandas Joitaram Patel	365085
35	A system for using recycled soap water in washing machine and method thereof	Ayushman Nayak	360371
36	Apparatus to sterilize currency automatically in cash box and method thereof	Anudh Mishra, Avnith Mishra & Kaushtubh Bharadwaj	353677
37	An automated gas lighting system for detecting and controlling gas leakage	Nilesh Raj	337872
38	Borewell scanner	Girish Badragod	338652
39	Steamed food processing methods thereof	Paokholien Lhungdim	357873
40	A wick making machine	Vijaybhai Harilal Solanki and Dipakbhai Vrajlal Vyas	359690
41	Black pepper plucking tool	Pratheesh C	360112
42	Movable road traffic lane divider	Charishma S and Siddhartha Pal	356759
43	Mobile groundnut thresher	Mohanbhai Savjibhai Patel	336779
44	Parboiled paddy and oil seeds turner	Ravi R	337089
45	Lighting fixture in utility devices	Ashish R Sadiya	353434
46	Washing apparatus	Thomas N J	361562
47	Anti molestation device	Manu Chopra	356267
48	System and method for alerting expiration of medicine	Shweta Sharma and Jaskiran Goraya	352475
49	Hoe and spade	Refaz Ahmad Wani, Ishfaq Ahmad Wani	341931
50	Health monitoring system	Ahmed Sheikh Sipai Farhinbanu, Mallick Amlan Anupam	356870
51	Castor thresher	Jagmal Singh	322825
52	Pattern perforating tool	Sheikh Mohammad Nazim	352413
53	Foldable multipurpose domestic appliances	Gami Pankit Bhikubhai and Patel Ekta Shantubhai	344763
54	Liquid heating apparatus and a method of heating thereof	Durlabh Singh Puri	361024

55	System and method of threshing pepper	Narasimha Bhandari	360244
56	Measurement device for determining starch content in tapioca tuber	Rajamani S	343004
57	An automated shuttle cock thrower machine	Subhash Das	345532
58	A pedal-driven manual drilling machine	Vikas Chaitram Shinde	347741
59	Walnut washing machines	Shah Tawseef Ahmad	356115
60	A pepper separating device	Palath Kuttappan Ravi	336649
61	A device for preparing iron mesh	Nongthombam Kumar Singh	351848
62	A device for drying edible products	Manihar Sharma	347067
63	A device for collecting objects from the ground and process thereof	Swain Rashmiranjan	361028
64	A device to prevent operation of bike with side stand in open position	Maharaja V	340265
65	Vehicle with pre-programmed route system	Rashmi Maruvada	363004
66	A gas operated ironing device	K Linga Brahmam	336936

PPV&FRA registrations during 2020-21

S.No.	Denomination - Crop	Name of the farmer	Registration No.
1	HRMN 99 - Malus domestica	Hariman Sharma	REG/2014/1282

Annual Accounts for the year 2020-21



Independent Auditor's Report

TO THE MEMBERS OF THE GOVERNING BODY OF NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA

A Trust registered under the Bombay Public Trust Act, 1095, Regn. No. F/7412/Ahmedabad.

A Society registered under the Societies Registration Act, 1860, Regn. No. –GUJ/7567Ahmedabad.

Report on the Financial Statements

We have audited the financial statements of "NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA ("the Trust" or "the Society"), which comprise the Balance Sheet as at 31st March 2021 and the Statement of Income & Expenditure Account for the year ended and the Receipts and Payments for the year ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

Management is responsible for preparation of these Financial Statements in accordance with Bombay Public Trust Act, 1950, the Societies registration Act, 1860 and guidelines Prescribed for preparation and presentation of financial statement for central Autonomous Body issued by Ministry of finance, Government of India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We have conducted our audit in accordance with standards on auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal financial control relevant to the Organizations preparation and fair Presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.



Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

- a) In the case of Balance sheet of the state of affairs of the Trust as at 31st March, 2021.
- b) In the case of Statement of Income and Expenditure Account, of the excess of expenditure over income for the year ended on 31st March, 2021.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

As required under Section 33(2) of the Bombay Public Trust Act, 1950, we further report that-

- a) The accounts are maintained regularly and in accordance with the provisions of the Act and the Rules.
- b) The Income and Expenditure are properly and correctly shown in accounts.
- c) The cash balance and vouchers in the custody of the authorized person on the date of audit were in agreement with the accounts.
- d) Books, Deed, Accounts Vouchers and other documents and records required by us were produced before us.
- e) A register of movable properties of the trust duly certified by the trustee has been properly maintained.
- f) There are no defect and inaccuracies mentioned in the previous audit report which is pending to be complied with.
- g) The manager/trustee appeared before us and furnished necessary information required by us.
- h) No properties of funds were applied for any object or purpose other than object or purpose of trust.
- i) We have not come across any case of alienations of immovable property contrary to the provisions of the section 36 of the Act.

Pursuant to the section 12-E of the Societies Registration Act, 1860 we further report that we have not come across any case of irregular, illegal or improper expenditure or failure or omission to recover monies or other property belonging to the society or of loss or waste of money or other property thereof on the part of governing body or any person.

Accrued liability in respect of Gratuity and Leave Encashment in conformity with the Accounting Standard – 15 (Accounting for retirement benefits) issued by the Institute of Chartered Accountants of India is being recorded on payment basis.

For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W
S. S. Somani
CA Snehal Somani
Partner
Membership No.127087
UDIN: 21127087AAAAEQ3074
Place: Gandhinagar
Date: 21-08-2021



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021

(Amount in Rs.)

Particulars	SCH	31-03-2021	31-03-2020
I. CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CAPITAL/RESERVES	1	6,52,30,981	10,81,61,898
RESERVES AND SURPLUS	2	1,45,05,142	75,96,295
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	14,05,82,878	16,80,77,093
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	3,25,67,023	1,41,86,984
TOTAL		25,28,86,024	29,80,22,270
II. APPLICATION OF FUNDS/ASSETS			
FIXED ASSETS	8	4,01,72,546	2,33,36,704
INVESTMENTS - FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	-	-
INVESTMENTS - OTHERS	10	-	-
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC., MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)	11	21,27,13,478	27,46,85,565
TOTAL		25,28,86,024	29,80,22,270

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS 24

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants

Firm Registration No. 115785W

S. S. Somani

CA Snehal S. Somani

Partner

Membership No. 127087

UDIN 21127087AAAAEQ3074

Place : Gandhinagar

Date : 21-08-2021

For National Innovation Foundation - India

Dr. Vipin Kumar

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON March 31, 2021

Particulars	SCH	2020-21	2019-20
A INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	-
Grant / subsidies	13	12,95,12,099	14,80,99,331
Fees/Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Investment from Earmarked/Endowment Funds transferred to Funds)	15	-	-
Income From Royalty, Publication etc.,	16	-	-
Interest Earned	17	89,29,072	19,68,354
Other Income	18	82,328	60,865
Increase/(Decrease) in Stock of Finished Goods and WIP	19	-	-
TOTAL (A)		13,85,23,499	15,01,28,550
B EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	5,41,66,978	5,61,16,407
Other Administrative Expenses etc.,	21	7,67,01,652	7,42,40,713
Expenditure on Grants, Subsidies etc.,	22	-	-
Interest Expense	23	44,13,259	-
TOTAL (B)		13,52,81,889	13,03,57,120
C BALANCE BEING SURPLUS / (DEFICIT) (A-B)		32,41,610	1,97,71,430
D Less: Depreciation for the year		48,09,282	50,84,002
E Add : Prior period adjustment (Depreciation)		10,95,899	
F SURPLUS / (DEFICIT) CARRIED TO CORPUS / CAPITAL FUND (C-D+E)		(4,71,773)	1,46,87,428

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS

24

As per our report of even date

For Joy Baxi & Associates

Chartered Accountants

Firm Registration No. 115785W

S. S. Somani

CA Snehal S. Somani

Partner

Membership No. 127087

UDIN 21127087AAAAEQ3074

Place : Gandhinagar

Date : 21-08-2021

For National Innovation Foundation - India

Vipin Kumar

Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer / Director NIF

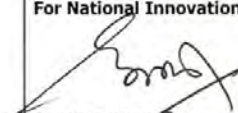


THE BOMBAY PUBLIC TRUST ACT 1950
Schedule IXC (See Rule 32)

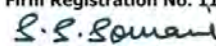
Statement of Income liable to contribution for the Financial Year 01-04-2020 to 31-03-2021

Name of the Public Trust: NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA		
Bungalow No. 1, Satellite Centre, Satellite Complex, Premchandnagar Road, Jodhpur Tekra, Satellite, Ahmedabad - 380015.		
Phone: + 91 079 26753501, +91 079 2673 2095 / 2456, E-Mail : info@nifindia.org		
Name, address and Phone Number of Trustees, Whom submit the audit report: See Annexure 1		
Details of Relating Bank Account: Saving Bank A/C no: 606802010000724		
Name of Bank: Union Bank of India, Premchandnagar, Ahmedabad.		
Bank Account relating to transaction of foreign contribution of trust: N.A. F.C.R.A. No. N.A.		
Regn.No. F/7412/Ahmedabad		
	INR-Rupees	
Gross Annual Income		
Details of income not chargeable to contribution under Section 58 and Rule 32:		
(i) Donations received during the year from any source		
(a) Corpus		
(1) From Country	-	
(2) From Foreign Country, F.C.R.A. No. and Date	-	
(b) General		
(1) From Country	-	
(2) From Foreign Country, F.C.R.A. No. and Date	-	
(ii) Grants by Government and local authorities		
(a) Government and Local authorities		
(Plan Grant from Department of Science and Technology [DST])	12,95,12,099	
(b) From Foreign Country	-	
(c) By Funding agencies		
(1) From Country	-	
(2) From Foreign Country, F.C.R.A. No. and Date	-	
Interest & Other Income earned	90,11,400	
Total Gross Annual Income		13,85,23,499
(iii) Amount spent for the purpose of education	14,00,91,171	
(iv) Amount spent for the purpose of medical relief	-	
(v) A) Deductions out of income from lands used for Agricultural purposes-		
(a) Land Revenue and Local Fund / Cess	-	
(b) Rent payable to superior landlord	-	
(c) Cost of production, if lands are cultivated by trust	-	
(B) Income from lands used for agricultural purpose	-	
(vi) (A) Deductions out of income from lands used for non-agricultural purpose :		
(a) Assessment, Cesses and other Government or Municipal Taxes	-	
(b) Ground rent payable to the superior landlord	-	
(c) Insurance Premium	-	
(d) Repairs at 10 per cent of gross rents of buildings	-	
(e) Cost of collection at 4 percent of gross rent of buildings let out	-	
(B) Income from lands used for agricultural purpose	-	
(vii) Cost of collection of income or receipts from securities stocks etc.at 1 percent of such income	-	
(viii) Deduction on account of repairs in respect of buildings not rented and yielding no income at 10 per cent of the estimated gross annual rent	-	
Total Income not chargeable to contribution.		13,85,23,499
Gross Annual Income Chargeable to Contribution		-

For National Innovation Foundation - India


Dr. Vipin Kumar
Chief Innovation Officer/Director NIF
Date : 21-08-2021

As per our report of even date
For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W


CA Snehal S. Somani
Partner
Membership No. 127087
UDIN : 21127087AAAAEQ3074
Place : Gandhinagar
Date : 21-08-2021



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 1 - CAPITAL / RESERVE	AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
Balance As at Beginning of the year	10,81,61,898	11,09,67,165
Capital at the Beginning of the year (Included in above total	4,33,383	
Reserve at the Beginning of the year (Included in above total	10,77,28,515	
Less : Loan and Advances with innovators repayable to SIDBI	(2,48,38,198)	
Less : Transfer to Income/Expenditure Account	(1,76,20,946)	
Less : Transfer to Overhead Sharing/Benefit Sharing	-	(1,74,92,695)
Add/(Deduct) : Balance of Net Income/(Expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	(4,71,773)	1,46,87,428
Balance as the year end	6,52,30,981	10,81,61,898

SCHEDULE 2 - RESERVES AND SURPLUS	AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
1 Special Reserve		
As per Last Account	75,96,295	5,31,88,626
Addition During the year	69,08,847	43,07,365
Less : Deductions during the year	-	4,98,99,696
Total	1,45,05,142	75,96,295



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA					
Regn.No.F/7412/Ahmedabad					
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021					
(Amount in Rs.)					
SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020		
1	ASEAN- India Grass-Root Innovation Forum(IGIF)				
a	Balance as per last Balance Sheet	53,58,002		18,96,715	
b	Grant received	-		1,24,04,112	
c	Benefit Sharing	-		(4,00,000)	
d	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
i.	Capital Expenditure	-		-	
ii.	Revenue Expenditure	-	66,46,110	-	
	Total of Expenditure	-		66,46,110	
e	Unspent Grant given back	53,58,002		18,96,715	
	Net Balance at the year end [a+b-c-d]	-		53,58,002	
2	ASEAN- India Science & Tech Deve Fund(ISTDF)				
a	Balance as per last Balance Sheet	1,91,00,352		2,18,37,689	
b	Grant received	-		-	
c	Benefit Sharing	-		62,311	
d	Other Receipts/ Adjustments	10,27,217		-	
e	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
i.	Capital Expenditure	-		-	
ii.	Revenue Expenditure	-	27,99,648	-	
	Total of Expenditure	-		27,99,648	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	2,01,27,569		1,91,00,352	
3	Asean Innotech Summit				
a	Balance as per last Balance Sheet	-		(1,92,305)	
b	Grant received	-		-	
bi	Other Receipts/Adjustments	-		1,92,305	
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
i.	Capital Expenditure	-		-	
ii.	Revenue Expenditure	-		-	
	Total of Expenditure	-		-	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-		-	
4	DBT Project for Nano- Technology Based Herbal Formula				
a	Balance as per last Balance Sheet	10,14,800		27,69,800	
b	Grant received	-		-	
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
i.	Capital Expenditure	-		17,55,000	
ii.	Revenue Expenditure	-		-	
	Total of Expenditure	-		17,55,000	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	10,14,800		10,14,800	
5	Design Innovation Centre_IISC				
a	Balance as per last Balance Sheet	16,38,710		22,00,000	
b	Grant received	-		-	
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
i.	Capital Expenditure	-		-	
ii.	Revenue Expenditure	7,89,442		5,61,290	
	Total of Expenditure	7,89,442		5,61,290	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	8,49,268		16,38,710	
6	Desing Innovation Centre_IITBOM				
a	Balance as per last Balance Sheet	-		4,87,591	
b	Grant received	-		5,00,000	
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
i.	Capital Expenditure	-		-	
ii.	Revenue Expenditure	-		9,87,591	
	Total of Expenditure	-		9,87,591	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-		-	



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA			
Regn.No.F/7412/Ahmedabad			
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021			
(Amount in Rs.)			
SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
7	DST Project		
	a Balance as per last Balance Sheet	(89,200)	(89,200)
	b Grant received	-	-
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
	i. Capital Expenditure	-	-
	ii. Revenue Expenditure	-	-
	Total of Expenditure	-	-
	Net Balance at the year end [a+b-c]	(89,200)	(89,200)
8	Dst Project- Vet		
	a Balance as per last Balance Sheet	(1,09,268)	(1,09,268)
	b Grant received	-	-
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
	i. Capital Expenditure	-	-
	ii. Revenue Expenditure	-	-
	Total of Expenditure	-	-
	Net Balance at the year end [a+b-c]	(1,09,268)	(1,09,268)
9	Hariom Ashram		
	a Balance as per last Balance Sheet	1,12,74,404	1,07,25,873
	b Grant received	-	-
	bi Other Receipts/Adjustments	6,06,111	6,28,531
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
	i. Capital Expenditure	-	-
	ii. Revenue Expenditure	-	80,000
	Total of Expenditure	-	80,000
	Net Balance at the year end [a+b-c]	1,18,80,515	1,12,74,404
10	NERCORMP		
	a Balance as per last Balance Sheet	-	-
	b Grant received	24,75,000	-
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
	i. Capital Expenditure	-	-
	ii. Revenue Expenditure	22,50,000	-
	Total of Expenditure	22,50,000	-
	d Transfer to Overhead and Benefit Sharing	2,25,000	-
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-	-
11	Inspire		
	a Balance as per last Balance Sheet	8,58,51,905	60,52,001
	b Grant received	2,00,00,000	11,23,00,000
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
	i. Capital Expenditure	-	-
	ii. Revenue Expenditure	4,36,08,629	3,25,00,096
	Total of Expenditure	4,36,08,629	3,25,00,096
	d Transfer to Overhead and Benefit Sharing	(43,60,863)	-
	Net Balance at the year end [a+b-c]	5,78,82,413	8,58,51,905
12	Mukhyamantri Abhinav Krushi Yantrapati Samman Yojana		
	a Balance as per last Balance Sheet	8,54,984	4,47,907
	b Grant received	-	14,50,000
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
	i. Capital Expenditure	-	-
	ii. Revenue Expenditure	8,53,995	10,42,923
	Total of Expenditure	8,53,995	10,42,923
	Net Balance at the year end [a+b-c]	989	8,54,984



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		AS AT	AS AT
		31/03/2021	31/03/2020
13	MVIF A/c		
a	Balance as per last Balance Sheet	57,81,215	75,382
b	Grant received	-	-
c	Other Receipts/Adjustments	4,93,147	2,31,98,528
d	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
i.	Capital Expenditure	-	-
ii.	Revenue Expenditure	-	1,74,92,695
	Total of Expenditure	-	1,74,92,695
	Net Balance at the year end [a+b-c]	62,74,362	57,81,215
14	ASEAN - SEC S&T		
a	Balance as per last Balance Sheet	(2,47,789)	-
b	Grant received	2,47,789	-
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
i.	Capital Expenditure	-	-
ii.	Revenue Expenditure	-	2,47,789
	Total of Expenditure	-	2,47,789
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-	(2,47,789)
15	National Entrepreneurship Award		
a	Balance as per last Balance Sheet	-	(2,19,605)
b	Grant received	-	-
bi	Other Receipts/Adjustments	-	2,19,605
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
i.	Capital Expenditure	-	-
ii.	Revenue Expenditure	-	-
	Total of Expenditure	-	-
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-	-
16	NLEPC		
a	Balance as per last Balance Sheet	9,69,452	(39,98,575)
b	Grant received	-	-
bi	Other Receipts/Adjustments	5,33,590	51,97,527
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
i.	Capital Expenditure	-	-
ii.	Revenue Expenditure	-	2,29,500
	Total of Expenditure	-	2,29,500
	Net Balance at the year end [a+b-c]	15,03,042	9,69,452
17	7th INECF - 2019		
a	Balance as per last Balance Sheet	-	-
b	Grant received	-	-
bi	Other Receipts/Adjustments	-	9,00,000
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
i.	Capital Expenditure	-	-
ii.	Revenue Expenditure	-	9,00,000
	Total of Expenditure	-	9,00,000
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-	-
18	Unnat Bharat Tech Outreach - Workshop & Expo- Grant		
a	Balance as per last Balance Sheet	-	9,00,000
b	Grant received	-	-
c	<u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>		
i.	Capital Expenditure	-	-
ii.	Revenue Expenditure	-	9,00,000
	Total of Expenditure	-	9,00,000
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-	-



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA					
Regn.No.F/7412/Ahmedabad					
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021					
(Amount in Rs.)					
SCHEDULE 3 - EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS		AS AT	AS AT		
		31/03/2021	31/03/2020		
19	Business And Innovation Summit				
	a Balance as per last Balance Sheet	-		-	
	b Grant received	-		10,45,000	
	c <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund/Returned</u>				
	i. Capital Expenditure	-			
	ii. Revenue Expenditure	-	781149		
	Total of Expenditure	-		7,81,149	
	d Unspent Grant Returned back	-		2,63,851	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	-		-	
20	Overheads/ Benefit Sharing				
	a Balance as per last Balance Sheet	3,66,79,526		1,81,73,849	
	b Grant received	-		-	
	c Benefit Sharing	45,85,863		2,14,42,030	
	Asset Created Out of the Funds	1,29,64,279			
	d <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
	i. Capital Expenditure	1,07,77,160		-	
	ii. Revenue Expenditure	22,04,120		29,36,353	
	Total of Expenditure	1,29,81,280		29,36,353	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	4,12,48,388		3,66,79,526	
	TOTAL OF FUNDS				
	a Balance as per last Balance Sheet	16,80,77,093		6,09,57,854	
	b Grant received	2,27,22,789		12,76,99,112	
	bi Other Receipts/Adjustments	26,60,065		3,03,36,496	
	c Benefit Sharing	45,85,863		2,11,04,341	
	Asset Created Out of the Funds	1,29,64,279			
	d <u>Less: Expenditure/Utilisation towards objectives of fund</u>				
	i. Capital Expenditure	1,07,77,160		17,55,000	
	ii. Revenue Expenditure	4,97,06,186.00		6,81,05,144	
	Total of Expenditure	6,04,83,346		6,98,60,144	
	e Less : Transfer to Overhead and Benefit Sharing	(45,85,863)		-	
	Unspent Grant given back	53,58,002		21,60,566	
	Net Balance at the year end [a+b-c]	14,05,82,878		16,80,77,093	



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad		
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021		
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 4 - SECURED LOANS AND BORROWINGS	AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
SECURED LOANS AND BORROWINGS	-	-
		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 5 - UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	-	-
		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 6 - DEFERRED CREDIT LIABILITIES	AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	-	-
		(Amount in Rs.)
SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	AS AT 31/03/2021	AS AT 31/03/2020
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Sundry Creditors.		
a) For Goods		
b) Others	11,82,553.00	10,54,747
2. Loan and Advances with innovators repayable to SIDBI	2,48,38,198.00	-
3. Interest accrued but not due on :		-
4. Statutory Liabilities		-
a) Overdue		-
b) Others	4,27,556.00	5,62,621
5. Other current liabilities /EMD	29,94,601.00	36,74,807
Total (A)	2,94,42,908.00	52,92,175
B. PROVISIONS		
1. Interest Payable	31,24,114.62	88,94,809
2. Interest on SIDBI Loan	-	-
Total (B)	31,24,114.62	88,94,809
Total (A+B)	3,25,67,022.62	1,41,86,984



SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2021

Particulars	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			WDV Net Block As on 31-03-2021 Rs.	
	Balance as on 01-04-2020 Rs.	Additions during the year Rs.	Deductions during the year Rs.	Gross Block as on 31-03-2021 Rs.	Depreciation on 01-04-2020 Rs.	Deductions during the year Rs.		Depreciation for 2020-2021 Rs.
Computers & Ancillary Assets								
Computers	1,58,57,425	10,79,279	84,249	1,68,52,455	1,51,83,629	8,99,825	8,48,035	1,51,31,839
Networking equipment	12,52,433	-	-	12,52,433	12,20,845	18,065	19,861	12,22,641
Scanner	5,31,980	2,57,442	-	7,89,422	4,68,250	33,913	1,42,034	5,76,371
Software	45,42,417	-	-	45,42,417	42,74,301	2,09,995	1,91,244	42,55,550
Card Printer	45,138	-	-	45,138	43,982	2,744	1,560	42,798
Furniture & Fixtures and Dead Stock								
Furniture & Fixtures	65,63,834	3,93,988	56,715	69,01,107	26,81,434	21,454	4,11,969	30,71,949
Electrical Installations	1,82,410	-	2,800	1,79,610	74,515	1,055	10,790	84,250
Roller Blinds	84,565	-	-	84,565	8,457	-	7,611	16,068
Compactor_ Mobile Storage	-	23,72,622	-	23,72,622	-	-	1,18,631	1,18,631
Office Equipments								
Air Cooler	20,72,239	5,25,600	-	25,97,839	8,39,636	-	2,24,310	10,63,946
Balloon	35,438	-	-	35,438	30,776	-	699	31,475
Bio-Metric ESSL Attendance System	25,150	-	-	25,150	13,992	-	1,674	15,666
Camera	17,92,985	-	-	17,92,985	12,01,573	-	88,712	13,90,285
DG Set	7,55,294	-	-	7,55,294	2,62,765	-	73,879	3,36,644
EPABX System	2,11,760	98,891	15,045	2,95,606	1,55,442	4,990	22,466	1,72,918
Equipment	60,32,686	8,65,630	1,75,566	67,22,750	36,83,114	97,006	4,22,281	40,08,389
Fab Lab Equipment	1,74,32,124	10,91,500	79,469	1,84,44,155	69,65,556	39,043	17,33,710	86,60,223
Fax Machine	36,907	-	-	36,907	33,679	-	484	34,163
Fire Extinguisher	18,505	-	-	18,505	15,879	-	394	16,273
Hot Air Oven Machine	48,825	-	-	48,825	23,338	-	3,823	27,161
Photo Copying Machine	3,51,000	-	-	3,51,000	1,96,599	-	23,160	2,19,759
Public Address System	82,317	-	2,353	79,964	59,209	1,125	3,466	61,550
Projector	1,12,770	-	-	1,12,770	53,903	-	8,830	62,733
Pulveriser Machine	39,000	-	-	39,000	18,643	-	3,054	21,697
Refrigerator	1,22,710	-	-	1,22,710	18,643	-	9,998	66,053
Sony LCD	4,71,048	-	-	4,71,048	2,21,706	-	37,401	2,59,107
Tape recorder	36,427	-	-	36,427	32,577	-	578	33,155
Telephone/mobile Instrument	10,41,308	43,470	10,597	10,74,181	7,16,180	5,191	52,029	7,63,018
Water Cooler	49,850	23,800	-	73,650	16,824	-	6,739	23,563
Sony LED TV	1,26,453	-	-	1,26,453	55,030	-	10,713	65,743
Sony Stabilizer	3,35,930	-	-	3,35,930	43,848	-	43,812	87,660
Fan	29,360	-	-	29,360	2,925	-	7,555	10,480
Lawn Mover	-	47,861	-	47,861	-	-	2,438	66,741
Water Geyser	-	32,500	-	32,500	-	-	2,438	30,062
Water Tank	-	14,264	-	14,264	-	-	1,070	13,194
Sony Audio Recorder	27,200	62,000	6,800	96,000	13,002	3,783	4,650	57,350
								11,349
								9,051



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn. No. F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2021

Particulars	GROSS BLOCK			DEPRECIATION			WDV Net Block As on 31-03-2021 Rs.	
	Balance as on 01-04-2020 Rs.	Additions during the year Rs.	Deductions during the year Rs.	Gross Block as on 31-03-2021 Rs.	Depreciation on 01-04-2020 Rs.	Deductions during the year Rs.		Total Depreciation up to 2020-21 Rs.
Books	4,20,390	-	-	4,20,390	3,78,258	-	4,03,537	16,853
Vehicles								
Active Honda	44,168	-	-	44,168	39,229	-	39,970	4,198
Bajaj Pulsar	68,289	-	-	68,289	60,653	-	61,798	6,491
Honda city	10,37,399	-	-	10,37,399	8,15,141	-	8,48,480	1,88,919
Tata safari	13,11,519	-	-	13,11,519	10,30,532	-	10,72,680	2,38,839
Tata Indica	5,45,341	-	-	5,45,341	4,19,031	-	4,37,978	1,07,363
Mobile Exhibition Van	27,09,873	-	-	27,09,873	20,25,269	-	21,77,960	5,81,913
Hero HF Deluxe	52,547	-	-	52,547	30,981	-	34,216	18,331
Tractor (John Deere)	5,51,117	-	-	5,51,117	3,06,583	-	3,43,263	2,07,854
TVS Wego	58,105	-	-	58,105	36,191	-	39,478	18,627
Total (A)	6,71,46,236	69,08,847	4,33,594	7,36,21,489	4,38,09,532	13,38,189	4,72,80,625	2,63,40,865
Fixed Assets Acquired Out of Non DST Grant								
New NIF Building	-	1,38,70,427	-	1,38,70,427	-	-	6,93,521	1,31,76,906
Maruti CIAZ Car	-	7,70,323	-	7,70,323	-	-	1,15,548.00	6,54,775
Total (B)	-	1,46,40,750	-	1,46,40,750	-	-	8,09,069	1,38,31,681
Grand Total (A+B)	6,71,46,236	2,15,49,597	4,33,594	8,82,62,239	4,38,09,532	13,38,189	4,80,89,694	4,01,72,546
Previous Year	6,29,43,987	43,07,365	1,05,116	6,71,46,236	3,87,41,298	15,768	4,38,09,532	2,33,36,704



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad				
SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT March 31, 2021				
(Amount in Rs.)				
SCHEDULE 9 - INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	AS AT 31/03/2021		AS AT 31/03/2020	
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	-	-	-	-
(Amount in Rs.)				
SCHEDULE 10 - INVESTMENTS - OTHERS	AS AT 31/03/2021		AS AT 31/03/2021	
INVESTMENTS - OTHERS	-	-	-	-
(Amount in Rs.)				
SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS LOANS ADVANCES ETC	AS AT 31/03/2021		AS AT 31/03/2021	
A. CURRENT ASSETS :				
1. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)		-		-
2. Bank balances				
a) With Scheduled Banks.				
i) On Deposit Accounts (includes margin money)				
- From NIF funds/FD	14,66,88,729		13,88,35,142	
- From MVIF funds/FD	-		-	
		14,66,88,729		13,88,35,142
ii) On Savings Accounts				
- Union Bank of India, - SB A/c.No.724 & SWAP FD's	53,79,181		2,18,62,245	
- Union Bank Gandhinagar SB A/c No.8753 & SWAP FD's	2,76,23,015		7,74,19,953	
- Union Bank - GeM Pool Acc- 10076	3,223		-	
		3,30,05,419		9,92,82,198
b) With non Scheduled Banks:				
3. Post Office-Savings Accounts				
4. Other Advances				
- Advance to Staff/Creditors and MVIF	3,08,41,571		3,33,77,241	
- TDS Receivable	13,94,123		19,01,095	
- Security Deposit	2,61,975		3,91,975	
5. Prepaid Expenses	5,21,662		8,97,915	
		3,30,19,331		3,65,68,226
Total		21,27,13,478		27,46,85,565



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad		
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021		
(Amount in Rs)		
SCHEDULE 12 -INCOME FROM SALES/SERVICES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
Income from Sales/Services	-	-
(Amount in Rs)		
SCHEDULE 13 -GRANTS / SUBSIDIES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1) Central Government	11,88,00,000	10,25,07,000
Less : Amount Transferred to GOI DST Grant for Fixed Assets (representing expenditure on non recurring items)	69,08,847	43,07,365
Add : Unspent Amount Of DST Grant transferred	1,76,20,946	4,98,99,696
2) State Government (s)		-
Total	12,95,12,099	14,80,99,331
(Amount in Rs)		
SCHEDULE 14 - FEES / SUBSCRIPTIONS	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
FEES / SUBSCRIPTIONS	-	-
(Amount in Rs)		
SCHEDULE 15 - INCOME FROM INVESTMENTS	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
INCOME FROM INVESTMENTS	-	-



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 16 - INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.,	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
Income from Royalty, Publication etc.,	-	-

(Amount in Rs.)

SCHEDULE 17 - INTEREST EARNED	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
1) On Term Deposits		
a) With Scheduled banks	87,05,878	15,37,566
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) With Institutions	-	-
2) On Savings Accounts		
a) With Scheduled banks	2,00,254	2,90,249
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Post Office Saving Accounts	-	-
3) On loans		
a) Employees/staff	29	1,40,539
4) Interest on Tax Refund	22,911	-
Total	89,29,072	19,68,354



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad		
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021 (Amount in Rs.)		
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
1) Miscellaneous Income/Tender Fees/Scrap	82,328	60,865
TOTAL	82,328	60,865
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 19 - INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS AND WIP	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
Increase/(Decrease) in stock of Finished Goods and WIP	-	-
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 20 - ESTABLISHMENT EXPENSES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
A) Salaries and wages	1,49,98,841	1,23,61,817
B) Allowances and Bonus	42,68,025	37,91,428
C) Contribution to Provident Fund	-	-
D) Contribution to Other Fund (Specify)		
i) Employer's NPS Contribution	15,16,635	18,35,114
E) Expenses on Employees Retirement and terminal Benefits	-	-
F) Others (Specify)		
i) Fellowship and Contractual Payment	3,63,16,078	4,06,86,853
ii) Leave Encashment/Leave Travel Concession	99,600	2,65,884
iii) Medical reimbursement/Medical treatment Exp.	3,68,946	4,09,743
Less : Recovery towards Fellowship and Contractual Payment Under Projects	(34,01,147)	(32,34,432)
TOTAL	5,41,66,978	5,61,16,407



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad		
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021		
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
Part A - Recurring Expenses		
1. Business Development		
Student Involvement for Business Plans	36,000	71,466
Travel (BD)	9,504	56,929
Sub Total	45,504	1,28,395
2. Dissemination & Social Diffusion		
Demonstrations (Dnsd)	2,81,932	28,83,935
Diffusion of Practices Through Farmers /media /KVK	28,35,868	3,09,653
Exhibitions & Innovation exhibition	9,02,228	(1,69,020)
Printing & Publication (Dasd)	3,792	25,075
Travel (Dissemination)	2,54,192	17,42,063
Workshop/Meetings (Dissemination)	27,885	32,267
Sub Total	43,05,897	48,23,973
3. IPR and Law		
Filing National Patent Applications	71,65,620	43,93,715
Filing Trade Mark and Geographical Applications	8,073	25,000
Subscription IPR	-	1,599
Travel (IPR)	23,058	52,989
Sub Total	71,96,751	44,73,303
4. IT & Database		
Computer Maintenance & Upgradation	8,53,530	6,74,010
Database & Software Dev , Proof Reading	21,76,759	4,21,376
Internet	4,90,381	2,53,015
Website	-	1,100
Sub Total	35,20,670	13,49,501



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad		
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021		
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
5. Scouting & Documentation		
Advertisement- Regional and National	99,400	57,47,248
Collaborators	2,18,092	30,000
Experts / Mentors Meetings (S&D)	47,969	57,500
Dr. APJ Abdul Kalam Ignite Awards	21,247	21,88,994
Accomodation	(16,000)	10,58,126
Printing and Stationery	19,135	9,18,093
Sample / Prototype Collection & Identification	4,950	-
Travel (S&D)	10,68,918	20,14,489
Verification / Detailed Documentation	8,294	57,690
Scouting Through Staff & Other Inst	82,86,791	-
Workshops and Publications	8,028	6,47,730
Sub Total	97,66,824	1,27,19,870
6. Value Addition and Research & Development		
Administrative Exps - VARD	19,37,998	48,09,282
Experts /mentors Meetings (Vard)	2,44,065	9,02,321
Prior Art Search, Validation of Innovations	5,89,580	18,22,000
Testing of Prototypes / Products	29,52,778	46,21,475
Travel (VARD)	12,38,941	53,85,039
Value Addition and Product Development	3,49,58,555	1,16,03,897
Sub Total	4,19,21,917	2,91,44,014
7. Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE)		
Accomodation	-	2,240
Dissemination	-	86,754
Exhibition and Other Exps	5,90,000	1,12,10,000
Prototype Development	2,500	94,842
Travel and Transportation	1,12,451	3,97,571
printing and stationery	23,530	-
Miscellaneous exp	-	346
Sub Total	7,28,481	1,17,91,753
TOTAL (A)	6,74,86,044	6,44,30,809



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad		
SCHEDULE FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/c FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021		
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 21 - OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
Part B - Other Administrative Expenses :-		
Internal and Concurrent Audit Fees	2,09,000	59,000
Other certification fees	-	40
Meeting And Conferences	1,35,199	3,06,198
Bank Charges	121	6,744
Building repairing charges	2,77,815	-
Electricity and Power	8,98,203	10,15,283
Interest and Penalty	20,944	12,561
Insurance Expenses	10,98,064	2,69,675
Legal Charges	66,060	-
Office Expenses	14,65,441	25,20,551
Postage Expenses	2,31,421	10,70,175
Printing and Stationary	4,57,817	-
Professional Charges	39,530	55,909
Housekeeping	2,07,044	-
Rent, Rates and Taxes	1,45,001	8,31,773
Rent (ROBBN)	4,95,000	5,40,000
Rent (RODDN)	3,64,180	3,37,080
Security Expenses	12,42,472	16,40,804
Telephone and Communication Charges	2,18,670	1,95,301
Travel Expenses	6,96,657	4,59,809
Vehicles Running and Maintenance	7,52,885	4,89,001
11th Biennial Awards	10,280	-
Loss on Sale of Fixed Assets	2,555	-
Loss On Disposal Of Fixed Assets	1,81,249	-
TOTAL (B)	92,15,608	98,09,904
TOTAL (A+B)	7,67,01,652	7,42,40,713
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 22 - EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC	-	-
(Amount in Rs.)		
SCHEDULE 23 - INTEREST EXPENSE	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2021	FOR THE YEAR ENDED 31/03/2020
Interest to consolidated fund of India	27,79,931	-
Interest To Hariom Ashram	6,06,111	-
Interest To ASEAN- Indai Science & Tech Dev	10,27,217	-
TOTAL	44,13,259	-



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR ENDED March 31, 2021

RECEIPTS	2020-21	2019-20	PAYMENTS	2020-21	2019-20
I. Opening balances			I. Establishment Expenses	5,42,21,075	5,77,58,904
1) Cash in Hand	-	-	II. Administrative Expenses	3,69,16,017	4,23,78,424
2) Bank Balances			III. Fixed Assets (Additions)	3,10,481	16,07,358
a. Axis Bank C/A-8099	-	23,32,784	IV. A) Remittances/ Refunds etc.,		
b. SIDBI A/c No. 12001	-	55,31,072	a) Earnest Money Deposit & security Deposits & S. Creditors	6,78,96,249	4,90,53,901
c. Axis Bank Current A/C 1548 (NIF)	-	47,603	B) Remittances/Refunds etc.,		
d. Union Bank A/c No.606802010000724 (Including SWAP Balance)	2,18,62,245	20,31,229	a) NPS. Employees Deductions	16,43,416	14,61,080
e. UBI-NIF-Bhubneswar- 606802050000090	-	35,335	b) Receivable		3,15,150
f. UBI NIF -Dehradun 606802050000088	-	2,51,214	c) Income Tax Deducted at source from staff, contractor & rent and Professional Tax	61,17,674	53,00,854
g. UBI NIF- Guwahati - 606802050000089	-	3,87,785	e) Advances to Staff & Others	28,17,356	2,70,68,674
h. Union Bank A/c No. 359302010108753 (Including SWAP Balance)	7,74,19,954	-	f) Corpus Refund with interest		-
II. Grants-in-aid from DST, Govt of India	11,88,00,000	10,25,07,000	g) NPS Payable	16,43,416	18,35,114
III. Interest Received			h) Prepaid Expenses	1,70,810	3,45,251
A) On SB Accounts and Auto Sweep	2,00,254	2,90,249	i) Provisions & O/S	1,11,84,628	1,11,65,055
B) On Fixed /Term Deposits	25,54,796	40,47,525	j) Other Deductions		1,53,000
IV. Other Income			V. Investments		
A) Other Interest	22,940	14,774	Fixed/Term Deposits & margin Money	1,00,00,000	-
B) Miscellaneous Receipts	1,12,328	33,302	VI. Earmarked Project Expenses	4,16,53,360	3,24,78,173
V. Other Recoveries etc.,			VIII. Closing Balances		
A) Earnest Money Deposit & Security Deposit & S Creditors	23,40,176	14,84,674	1) Cash in Hand	-	-
B) Investments	-	97,57,874	2) Bank Balances		
C) i) Income Tax Deducted at source from staff, contractor & rent and Professional Tax	32,09,052	33,78,091	a. Union Bank A/C No.606802010000724 (Including SWAP Balance)	53,79,181	2,18,62,245
ii) Advance to Suppliers/other etc.	-	1,08,757	b. Union GeM Pool Account - 10076	3,223	-
iv) Staff Advance/Innovators Loan	12,32,251	96,27,646	c. Union Bank A/c No. 359302010108753 (Including SWAP Balance)	2,76,23,015	7,74,19,954
Recovery					
v) NPS Deduction	16,43,416	14,31,155			
vi) TDS Receivable	5,72,829	-			
vii) Other Deductions	1,41,040	1,48,000			
D) i) Establishment receipts	5,35,877	5,05,018			
ii) Other administrative receipts	16,12,792	22,78,053			
VI. Deposit With Bank					
A) Fixed/ Term deposits matured	1,00,26,596	3,11,91,820			
VII. Grants/ Financial Assistances received for Earmarked projects	2,52,93,356	15,27,82,176			
	26,75,79,901	33,02,03,136		26,75,79,901	33,02,03,136

As per our report of even date
For Joy Baxi & Associates
Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W
S. S. Somani
CA Snehal S. Somani
Partner
Membership No. 127087
UDIN : 21127087AAAAEQ3074
Place : Gandhinagar
Date : 21-08-2021



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Dr. Vipin Kumar
Dr. Vipin Kumar

Chief Innovation Officer/Director NIF



NATIONAL INNOVATION FOUNDATION – INDIA

Reg. No. F/7412/Ahmedabad

DRAFT SCHEDULES FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2021

DRAFT SCHEDULE 24: SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS

OVERVIEW:

The National Innovation Foundation (NIF) - India was set up in March 2000 with the assistance of Department of Science and Technology, Government of India. It is India's national initiative to strengthen the grassroots technological innovations and outstanding traditional knowledge. Its mission is to help India become a creative and knowledge-based society by expanding policy and institutional space for grassroots technological innovators. The main object of the Centre, inter-alia, are to conduct basic and applied research in Nano and soft matter sciences and specifically focused on a variety of metal and semi-conductor nanostructures, liquid crystal, membranes and hybrid materials.

A. SCHEDULE 24 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Accounting convention:

The financial statements are drawn up in accordance with historical accounting conventions and on the going concern concept. Accrual method of accounting is followed to record Income and Expenditure.

The guidelines as per the uniform Format of Accounts for Central Autonomous Institutions, as applicable and to the extent practicable, are followed in the presentation of the financial statements of the Institute.

2. Basis of Accounting:

The financial statements are prepared under the historical cost convention, on the accrual basis of accounting in conformity with the generally accepted accounting principles in India (Indian GAAP) as applicable and the relevant provision of the Bombay public trust act, 1950 and in accordance with the guidelines on accounting for the central autonomous bodies, issued by Ministry of Finance. The accounting policies consistently applied by the foundation and the accounting policies not referred to otherwise are in conformity with Indian GAAP.

3. Revenue recognition:

All income and expenditure are recognized on accrual basis except in case of specific and conditional Grants. The un-spent amount of such Grant is liable to be re-directed as per the direction of the Donor organizations. Accordingly the unspent amounts as on the date of balance sheet are shown as liability Government grants/subsidies are accounted



on realization basis. Benefit sharing on the MVIF support is variable considering the business risk and uncertainty associated with its collection/recovery.

Interest earned, administrative fund of projects and other income during the year has been credited to innovation funds which is adjusted against the facility/infrastructure created for the institute.

4. Investment:

Investments are stated at cost and interest from investment are accounted on accrual basis.

5. Fixed Assets:

Fixed assets other than acquired from Earmarked Funds are stated at Written down value. Fixed Assets are accounted at cost of acquisition, inclusive of inward freight, duties, taxes and incidental expenses related to acquisition.

Fixed assets received by way of non-monetary grants (other than toward the corpus fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to capital reserve. Fixed assets received by way of Earmarked Fund (other than toward the corpus fund), are adjusted at values stated, by corresponding credit to Earmarked Funds. Utilization of Innovation fund for creating facility/infrastructure is not forming part of Assets Schedule. Fixed Assets acquired out of Non DST Funds are capitalized as part of asset schedule and the depreciation on the same is charged to overhead/benefit sharing.

6. Depreciation:

Depreciation provided on written down value as per rates and method specified in the Income Tax Act, which is coincide with useful life of assets. In respect of additions to/deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered as per Income Tax Act. Any change due to correction in rate of depreciation has been affected by the corresponding debit to the Depreciation fund and Credit to Income and Expenditure Account.

7. Government Grants/ Subsidies:

Government grants of the nature of contribution toward capital of setting up projects are treated as capital reserve. Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown as deduction from the cost of the related assets. Government grants/subsidy are accounted on realization basis. Plan grant received for during the year are credited to revenue account except grant utilized for acquisition of capital assets during the year is credited to respective "Capital Fund" account. During FY 2020-21, Fixed Assets amounting to Rs 69,08,847/- is acquired out of DST Grant.

8. Income Tax:

The institute is registered under section 12A of the Income Tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards Income Tax.



9. Retirement Benefits:

No provision has been made in respect of the Leave Encashment and Gratuity liability in the accounts as required by AS15. However, the same is accounted on cash basis as and when the liability is discharged.

10. Allocation/Transfer To Earmarked Project Funds:

The Institute has a policy to transfer interest earned on investments relating to project funds, to earmarked project funds, to recognize the interest attributable to those funds. To meet exigencies in project related expenditure, an allocation called "Overhead/Benefit sharing" is maintained under Ear marked funds and allocation of funds to any project is made out of the said allocation.

11. Earmarked Fund:

Funds/ grant received for the specific project are credited to separate account and the utilization of the same also debited to respective funds/grand accounts. Outstanding of those funds/grants shows amounts still to be incurred on running projects. Further grant is yet to be released in respect of project which shows debit balance.

12. Fellowship and scholarships:

Sponsored fellowship and scholarships are accounted against the sponsored project fund/grant. Fellowships and scholarship paid out of the organization funds are treated as revenue expenditure and debited and debited to "Establishment Expenses".

13. Expenditure on Technology Acquisition:

Payments made for acquisition right in innovated products from the innovators for making it available to public at large at low cost or no cost are changed to revenue in the year of payment as recurring expenditure.

B. NOTES ON ACCOUNTS:

1. Claims against the centre not acknowledged as debts Rs.Nil (Previous year Rs.Nil).
2. Foreign currency transactions are translated at the rates prevailing on the date of transaction. During financial year 2020-21 Rs.2,80,794/-.
3. Balance shown under Saving Bank Accounts Include amount held by Bank under "Auto sweep accounts".
4. Fixed assets acquired out of grant-in-aid/allocation fund available amounting to Rs Nil/-(P. Y. Rs 3,45,38,712/-). No Depreciation is provided on fixed assets acquired out of Earmarked/project funds. Assets procured out of Non DST Funds are shown separately under schedule of Fixed Assets as "Assets Acquired Out of Non DST Grants" and depreciated at



appropriates rates, the depreciation charged on the same has been charged to "overheads and benefit sharing" under Earmarked Funds.

5. Income tax: The centre is registered under section 12A of the Income tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards Income tax.

6. Figures are rounded off to the nearest rupee.

7. The financial statement is being represented in line with requirement of DST Auditor requirement of previous year figures to be presented without regrouping.

8. Schedules 1 to 24 are annexed to and form an integral part of the balance sheet as at 31/03/2021 and the income and expenditure account for the year ended on that date.

For Joy Baxi & Associates

**Chartered Accountants
Firm Registration No. 115785W**

S. S. Somani

**CA Snehal Somani
Partner
Membership No.127087
UDIN: 21127087AAAAEQ3074
Place: Gandhinagar
Date: 21-08-2021**



**For National Innovation Foundation -
India**

Dr. Vipin Kumar

**Dr. Vipin Kumar
Chief Innovation Officer/Director NIF**







राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान

National Innovation Foundation - India

Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India

ग्रामभारती, अमरापुर, महुड़ी रोड, गांधीनगर-382650, गुजरात, भारत

Grambharti, Amrapur, Mahudi Road, Gandhinagar - 382650, Gujarat, India

Phone : + 91 2764-261134-38; web: www.nif.org.in; email: info@nifindia.org